रमता जोगी



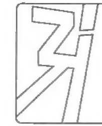
सुभाष चन्द्र यादव

रमता जोगी

यात्रा वृत्तांत

रमता जोगी

सुभाष चन्द्र यादव



प्रकाशक :
अंतिका प्रकाशन प्रा. लि., गाजियाबाद

वितरक :
किसुन संकल्प लोक, सुपौल

ISBN 978-93-88799-16-4

रमता जोगी

©सुभाष चन्द्र यादव
मो. : 9006740092

संस्करण : 2019
मूल्य : पाँच सय टका

आवरण : सुभाष चन्द्र यादव
टंकण : देवाशीष वत्स
पेज लेआउट : हर्ष कंप्यूटर्स, किराड़ी, दिल्ली-86 (मो. : 9910024837)

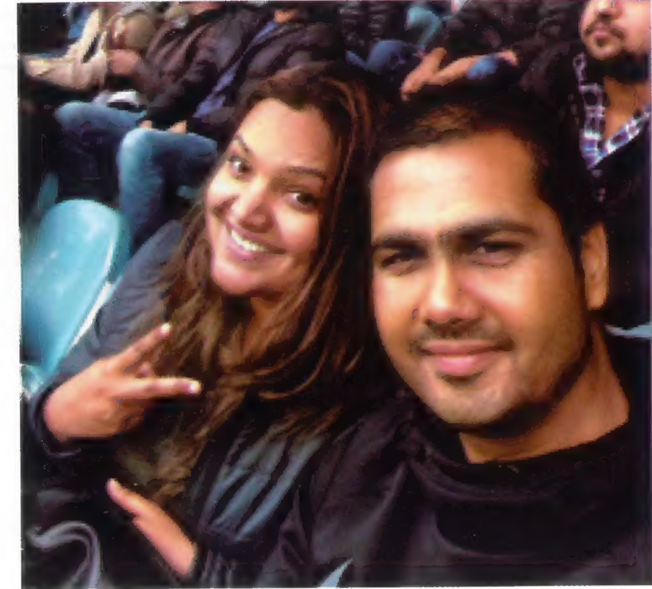
प्रकाशक :
अंतिका प्रकाशन प्रा. लि.
सी-56/यूजीएफ-4, शालीमार गार्डन एक्स.-2
ग़ाज़ियाबाद-201005 (उ.प्र)
E-mail : antika56@gmail.com
मो. : 09871856053

वितरक :
किसुन संकल्प लोक
किसुन कुटीर, गुदरी बाजार
सुपौल-852131
E-mail : kedarkanan3@gmail.com
मो. : 09471062706, 7004917511

मुद्रक : आर.के. ऑफसेट प्रोसेस, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32

पुस्तक प्राप्ति स्थान :
- श्री केदार कानन, किसुन कुटीर, गुदरी बाजार, सुपौल-852131 (बिहार)
- श्री शरदिन्दु चौधरी, शेखर प्रकाशन, पोपुलर फर्मा के पीछे, न्यू मार्केट, पटना-800001

Ramta Jogi : A Travelogue in Maithili by Subhash Chandra Yadav
Rs. 500/-



मधुलिका
एवं
कुमार सौम्य
कें
जे एहि पोथी कें संभव बनौलनि



दूटप्पी

ई परिस्थितिक संजोगे छल जे हम विदेश यात्रा पर निकलि गेलहुँ। पहिनेसँ नेआरल नहि रहय। समय के किछु एहन चक्र चलल, जे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कम्बोडिया आ थाइलैंड चल गेलहुँ।

एक समय भारतमे विदेश यात्राकें अधलाह बूझल जाइत छल। विदेश यात्रा निषिद्ध छल। मानल जाइत छल जे, जे विदेश गेल, से भ्रष्ट भऽ गेल। धारणा छलैक जे विदेश गेनिहार मांस, मदिरा आ मेम के वासनामे लिप्त भऽ जाइत अछि। मिथिलामे तऽ दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंहकें श्रोत्रिय समाज बारि देने छलनि। बहुत दिन धरि हुनक सामाजिक बहिष्कार होइत रहलनि। एहि तरहक मानसिकता रखनिहार लोक अखनो भेटि जेताह। लेकिन आब ओ हाशिया पर चल गेल छथि। विदेश जेबाक क्रेज निरन्तर बढ़ि रहल अछि।

मेलबर्न पहुँचैत लागल जे एतौका अनुभवकें लिपिबद्ध करक चाही। कोनो भारतीयकें, जे पहिल बेर ऑस्ट्रेलिया जायत, तकरा ओतौका जीवन एकदम अलग, नव आ विचित्रतासँ भरल बुझेतैक। जे नहि गेल अछि, तकरा लेल ओहि दुनिया के कोनो काल्पनिक चित्र गढब कठिन छैक। ऑस्ट्रेलिया विकसित, समृद्ध, स्वच्छ, शुद्ध आबोहवा आ उन्नत जीवन स्तर वला देश अछि। प्राकृतिक विविधता आ सुन्दरतासँ भरल देश। गरीबी, अशिक्षा आ सामाजिक भेदभाव नहि रहलाक कारणे ओतौका जीवनमे बहुत शांति छैक।

ऑस्ट्रेलियामे काम भावनाक प्रति बहुत स्वस्थ आ प्राकृतिक दृष्टिकोण छैक। सामाजिक वर्जना नहि छैक। ओ सभ काम आ रतिकें जीवनक स्वाभाविक क्रिया मानैत अछि। प्रेम-पात्रक चुनाव आ कामाभिव्यक्तिक

लेल लोक स्वतंत्र अछि। काम-जीवन बहुत मानवीय, गरिमामय आ उन्मुक्त छैक। तें ओतय कामजनित अपराध बहुत कम छैक।

काम-जीवनकें लऽ कए भारतक स्थिति विचित्र अछि। एहिठाम अंतर्विरोध बहुत विकट छैक। एक दिस खजुराहो, कोणार्क, पुरी आदिक काम-कला अछि, वात्स्यायन के कामसूत्र अछि, तऽ दोसर दिस कामकें अपवित्र आ पाप मानल जाइत अछि।

भारतमे काम मानव-जीवनक अत्यधिक गोपनीय, वर्जित आ निषिद्ध क्षेत्र अछि। प्रेमकें व्यभिचार बूझल जाइत अछि। सोच संकीर्ण अछि। खुलापन आ वैज्ञानिक दृष्टिक अभाव छैक। स्वस्थ, सुसंगत, संतुलित आ वस्तुगत दृष्टिकोण परिवर्तन आनि सकैत अछि। स्थिति मंथर गतिएँ बदलि रहल छैक।

मैथिलीमे अखनधरि जे यात्रा साहित्य लिखल गेल अछि, ताहिमे अधिकांश बहुत नीरस आ बेजान अछि। अनावश्यक विवरण आ महत्वहीन सूचनाक भंडार अछि। ओहिमे इतिवृत्तात्मकता बेसी आ आख्यानपरकता कम छैक।

डायरी शैलीमे लिखल एहि वृत्तांतमे इतिहास आ पुरातत्वक बारीक आ ब्यौरेवार अन्वेषण नहि अछि। विभिन्न देशक जीवन-शैली आ संस्कृति कें आलोकित करऽवला रोचक मानवीय प्रसंग अछि।

एहि वृत्तांतक प्रकाशनमे केदार कानन आ देवाशीष वत्सक आत्मीय सहयोग लेल बहुत आभारी छी।

करिहो, सुपौल **सुभाष चन्द्र यादव**

05.03.2019

30.09.2018 दिल्ली

मुंबईसँ काल्हि साँझे दिल्ली आबि गेल रही। मेलबर्न जेबाक अछि। आइ दुपहर बारह बजे एयर इन्डियाक फ्लाइट अछि। ई बारह घंटामे ओतऽ पहुँचा देत। दोसर एयरलाइन के हॉपिंग फ्लाइटमे बेसी समय लगैत छैक। फिरीशानियों बेसी।

एयरइन्डियाक खाना देसी टाइप के रहैत छैक। आन एयरलाइनमे कचका माछ देत कि की देत, तकर कोनो ठेकान नहि।

जहाजमे बारह घंटा बैसल रहब भारी बुझा रहल अछि।

मित्र डॉ यू.सी. मिश्र फोन पर सलाह देत छथि—पैर झुलबैत रहब। बीच-बीचमे टहलि लेब। हम हुनका कहलियनि जे टिकट बिजनेस क्लास के अछि। जखन कि हमरा अपनहु नहि बूझल अछि जे बिजनेस क्लास की होइत छैक। इकोनोमी आ प्रिमियममे तऽ यात्रा केने छी, बिजनेस क्लासमे पहिल बेर सफर करब। हमर एकटा दोसर मित्र विनय कुमार झा, जे अखन अमेरिकामे छथि, कहैत छथि नीक केलहुँ। आब हमरा सभकें सामान नहि, सुविधा किनबाक चाही। जिनगी तऽ सामाने किनबामे बीत गेल।

से इकोनोमीसँ तीन गुना बेसी पैसा दऽ कऽ बिजनेस क्लास के टिकट लेने छी। दिल्ली हवाई अड्डामे प्रवेश करिते बिजनेस क्लास के सुविधाक अनुभव प्रारंभ भेल। चेक इन, सेक्यूरिटी आ एअर बसमे प्रवेश लेल भिन्न व्यवस्थाक कारणे आधा घंटामे सब औपचारिकता पूरा भऽ गेल। सीट लग पहुँचिते एअर होस्टेस आयलि आ जैकेट लऽ कऽ वार्ड रोबमे टांगि देलक। दोसर परिचारिका विभिन्न तरहक पेय आ शराब लऽ कऽ आयलि। फेर भोजन। भोजनोपरांत सीटकें पसारि आ फोम वला सीड़क ओढ़ि अधिकांश लोक सूति रहल। हमहूँ सूति गेलहुँ।

तीन-चारि घंटाक बाद निन्न टूटल। भारतसँ बहुत दूर अन्हारकें चिरने जहाज उड़ल जा रहल अछि। हम उठि गेलहुँ। बटन दबा कऽ बेडकें सीटमे परिवर्तित कयलहुँ। फेर चाह पीलहुँ आ पत्रिका पढैत रहलहुँ। कने कालमे देखलहुँ सब जागि गेल अछि। बिजनेस क्लासक बीसटा पसिंजरमे बेसी गोटय पचास



सालक ऊपर अछि। दुइयेटा युवा। एकटा ब्रितानी आ दोसर हमर बालक कुमार सौम्य।

कुमार सौम्यकें परमानेंट रेजीडेंट वीजा भेटल छनि। ओ आजीवन आस्ट्रेलियामे रहि सकैत छथि। ओ तीन सालसँ मेलबर्नमे फाइनेन्शियल एनालिस्ट छथि। हम हुनके संगे जा रहल छी। एक सालक फैमिली स्पॉन्सर्ड वीजा पर।

आब दोसर साँझक भोजन परसल जाइत अछि। भारतीय समयानुसार अखन रातिक आठ बजल अछि। भोजनक बाद सीटकें बेडमे बदलि कऽ फेरसँ सब सूति रहैत अछि। सामने स्क्रीन पर जे नक्शा देखाइत छैक ताहिसँ बुझा रहल अछि जे हांगकांग गुजरि गेल छैक आ मेलबर्न आबऽमे अखनो चारि घंटा बाकी छैक।

उद्घोषणा होइत छैक। जहाज मेलबर्न हवाईअड्डा पर उतरइ वला छैक। जहाजक खिड़कीसँ रोशनीमे जगमगाइत मेलबर्न अद्भुत आ आकर्षक लगैत छैक। एतुक्का समयानुसार भोरक साढ़े चारि बजि रहल छैक। बाहरक तापमान चारि डिग्री सेल्सियस। चारि डिग्री मतलब कँपकँपी छोड़बइ वला जाड़। खाली जैकेट पहिरने रहला पर नहि जानि की हेतै! ओना बाहर कार लागल छैक। हमर पुतहु मधुलिका रिसीव करय आयलि छथि। बस जाकऽ बैसनाइ छैक। लगेज लेबा लेल आध घंटा रुकऽ पड़ैत अछि। फेर इमीग्रेशन वला चक्कर। बैगमे थोड़े मूंगक दालि छैक। एतुक्का लोग दालि नहि खाइत छैक। तैं बुझबो नहि करैत छैक। बैग खोलि कऽ देखबऽ कहैत छैक। दरड़ल दालि देखिते एस्प्लिट कहि कऽ छोड़ि दैत अछि।

मधुलिका बड़ी कालसँ ओहि पार गाड़ी लगेने बाट देखि रहलीह अछि। बाहरमे हवा चलि रहल छैक। बहुत ठंढा छैक। रोड क्रासिंग वला उजरका पट्टी (जेब्रा क्रॉसिंग) पर हम जहिना पएर रखैत छी, दहिना कातसँ अबैत बस हमरा देखिते ठमकि जाइत अछि। पहिने हमरा निकलऽ दैत अछि, तखन खुजैत अछि। पैदल यात्री के एतेक सम्मान! हम दंग रहि जाइत छी। आस्ट्रेलियामे सब ठाम यैह रीत छैक। गाड़ी लग जाइते हम भीतर बैसि जाइत छी। ओ दुनू सामान रखैत छथि।

मधुलिका ड्राइव करैत पुछैत छथि–यात्रा केहन रहल, पापा? हम कहैत छियनि–बड्ड बढियाँ। खेलहुँ आ सुतलहुँ। मधुलिका व्यंग करैत छथि–अहाँ सब धनिक छी। हम तऽ गरीब छी, इकोनोमीमे सफर करैत छी।

–धनिक गरीबक बात नहि छैक। बस एक दिनक राजा कहि

सकैत छी। हम जवाब दैत छियनि।

मधुलिका सॉफ्टवेयर इंजीनियर छथि। एतय मेट्रोमे डिजिटल एनालिस्ट छथि। हम सब प्वाइंट कुक जा रहल छी। ई दुनू ओत्तहि रहैत छथि। एतुक्का सड़क सभ चौड़गर आ चिक्कन-चुनमुन।

कोनो जाम नहि। गाड़ीक रफ्तार बहुत तेज। लेकिन क्यो हार्न नहि बजाओत। सड़क पर कोनो आवाज नहि। शांति। प्वाइंट कुक जाइत काल सड़क पर कार, ट्रक, बस आ लारी देखाइत अछि। दोसर कोनो वाहन नहि। साइकिल के लेन तऽ बनल छैक, मगर एकोटा देखायल नहि। सड़कक काते कात पैदल चलनिहार क्यो नहि भेटत। भऽ सकैत अछि एतय क्यो गरीब नहि हो। एहिठामक घर गगनचुंबी नहि। छोट-छोट चौखड़ा। लेकिन फूस या खपड़ाक नहि। कंक्रीट या चीनी मिट्टी के बनल। सब घरक ढब ढाँचा एक; रंगमे हल्का अंतर, लेकिन चटख रंग एक्को टा के नहि। सड़कक दूनू बगल पातर-पातर लंबा गाछ भेटल। एक्को टा झमटगर गाछ नहि। ऊपरसँ नीचा धरि उजरका फूलसँ लदल गाछ। रिहायशी इलाकामे बड़का-बड़का उजरा फूल आ लाल पीअर छोट-छोट फूल बहुत सुन्दर लगैत छैक। नयनाभिराम परिदृश्य। आस्ट्रेलियामे अखन बसंत शुरू भेल छैक। जाड़क अवसान भऽ रहल छैक। बसंती हवा चलैत रहैत छैक।

सौम्य आ मधुक घर आबि गेलनि। किरायाक घर, लेकिन पूरा आ स्वतंत्र। ऊपरमे दूटा बेडरूम, एकटा स्टडी आ नीचाँमे किचेन, डाइनिंग, ड्राइंग आ कोर्ट यार्ड। किराया दू हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर। भारतमे एकर मतलब भेल एक लाख रुपया। बहुत आरामदेह आ शांत घर।

प्वाइंट कुकमे एकटा बजार छैक सैंक्चुअरी लेक्स। साँझमे हम सभ किछु सामान बेसाहय जाइत छी। सब्जी, ट्राउजर, टोपी इत्यादि। मुड़ायल माथमे ठंढा लगैत अछि। टोपी पहीरि लैत छी। सौम्य दूटा फोटो खींचैत छथि। व्हाट्सएप पर पोस्ट करैत छथि। संतोष कुमार, हमर जेठ बालक, किछु फोटो पठबै लेल एसएमएस कयने रहथि। मेलबर्न के पहिल फोटो। सैंक्चुअरी लेक्समे दू-तीन टा भारतीय दोकान करैत अछि। एकटामे भारतीय खाद्य पदार्थ भेटैत छैक। दोसरमे पतंजलिक उत्पाद आ तेसर एकटा रेस्तराँ अछि जाहिमे अनेक तरहक भारतीय व्यंजन भेटैत छैक।



सौम्य आ मधु भोजनक तैयारी कऽ रहल छथि। बगलमे बड़का टी. भी. स्क्रीन पर नवका रोमांटिक गीत चलि रहल छैक। हम हीटर लग सोफा पर बैसल छी। टांग पर फर वला चद्दरि धऽ लैत छी। गीत संगे रोमांटिकताक दुनियाकें कोनो बीतल सपना जकाँ मोन पाड़ैत रहैत छी।

भाटा-अदौरीक तीमन बनल छैक। अदौरी मधुलिकाक मम्मी जयमाला यादव पठौने छलथिन। तरकारी चहटगर बनल छैक। हमरा बाबा मोन पड़ैत छथि। यात्री। हुनका भाटा-अदौरी बड़ पसिन रहनि। बाबा संगे सुकांत मोन पड़ैत छथि। हुनका फोन करबाक छल। मेलबर्न आबिते मधु हमरा नव सिम आ एकटा डेबिट कार्ड दऽ देने छलीह। हम भारतमे ककरोसँ कतेको काल गप कऽ सकैत छी। आ डेबिट कार्डसँ सौ डॉलर तक के सामान कीनि सकैत छी।

राति सूतऽ सँ पहिने मधु कहैत छथि—आइ अहाँकें जल्दी निन्न नहि होयत। बॉडी क्लॉक कें एतुक्का हिसाबसँ सेट होमयमे टाइम लागत।

लेकिन हम एगारह बजे निन्न पड़ि गेलहुँ। दू बजे निन्न टूटि गेल। अगिला चारि घंटा धरि निन्नमे विघ्न पड़ैत रहल। मधु ब्लोअर चला कऽ टाइमर सेट कऽ देने छलीह। हरेक दू घंटा पर ब्लोअर बन्न भऽ जाइत छल। ब्लोअर हमरा सूट नहि करैत अछि। कंठ, नाक आ चमड़ी खुश्क भऽ जाइत अछि। एकर सेवन छोड़य पड़त। चाहैत छी जाड़ जल्दी चल जाय। पछिला दू साल जाड़सँ भागि कऽ मुम्बईकें धेने रही। मेलबर्नमे पकड़ा गेल छी। बस दस-पनरह दिन और। कहुना कटिये जायत।

02.10.2018 **मेलबर्न**

आइ हम छह बजे भोरे उठि गेल छी। सौम्य आ मधु अखनो सुतले छथि। हम चाह बना कऽ पिबैत छी। सिगरेट पीबा लेल कोर्ट यार्ड जाइत छी। कोर्ट यार्डमे मधुलिका गमलामे किछु फूल लगेने छथि। यार्ड घेरल छैक। भीतरमे कपड़ा सुखेबा लेल स्टैंड लागल छैक। रौद अबैत रहैत छैक। यार्डक बाहर तीन चारिटा युक्लिपटसक गाछ छैक। गाछ पर अनचिन्हार चिड़ै बैसल छैक। मैना सन। कतहु दूरसँ पौड़की के आवाज आबि रहल अछि। आइ मेघौन छैक। हवा चलि रहल छैक।

मधु आठ बजे ऑफिस निकलि जाइत छथि। सौम्य मेट्रो लग छोड़ि अबैत छनि। आबि कऽ नहाइत छथि आ गाड़ीसँ ऑफिस चल जाइत छथि। मधु हमरा लेल भोजन राखि गेल छथि। जलखै तऽ हम सभ संगे कऽ लेने छलहुँ। दुपहरमे माइक्रोवेभमे खाना गरम करब आ खा लेब।

हम डायरी लिखैत छी। फेर खा कऽ सूति रहैत छी। मधु फोन करैत छथि। खेलहुँ कि नहि।

ऑफिसमे सौम्यकें चारि-पाँच बेर दस्त भेलनि। घर अयलाह तऽ हालत पस्त रहनि। मधु खिचड़ी बना कऽ देलक़नि। दिन भरि भूखल रहलो पर खायल नहि गेलनि। बहुत कमजोरी भऽ गेल रहनि। हम आ मधु दवाइ लेल निकललहुँ। प्वाइंट कुकमे एकटा बजार छैक जतय खाइ -पीबक सामान आ दवाइ बारह बजे राति धरि भेटैत छैक। खाली जेनेरिक दवाइ। एंटीबायोटिक नहि। एंटीबायोटिक डाक्टर लिखत, तखने भेटत। हम सभ जेनेरिक कैप्सूल आ आर. ओ. किनलहुँ। घुरैत काल मधु टोकलथि पापा सीट बेल्ट लगा लिअ। हम बिसरि गेल रही। ध्यान गेल जे पीप-पीप के आवाज लगातार आबि रहल अछि। बेल्ट लगबिते आवाज बंद भऽ गेल। मधु कहलथि जँ नइ लगबितिऐ तऽ कने कालमे



गाड़ी बन्न भऽ जाइत। हम चकित होइत छी। की उन्नत व्यवस्था।

सौम्य दवाइ खेलथिन आ आँखि मुनि पड़ि रहलाह। हुनक अशक्त, क्लांत, निरीह आ मुरझायल आकृति देखि मनमे टीस उठल। पछिला चारि माससँ ओ कैंसर पीड़ित माँ के सेवामे लागल रहलाह। विदेशक लाखो टकाक नौकरी, सुख-चैन आ आरामकें छोड़ि माँ के कष्ट निवारणमे राति-दिन एक केने रहलाह। अपन शरीरक कोनो सोह नहि। बस माँ। अनवरत। निरंतर। मृत्युपर्यन्त। तन, मन धनसँ समर्पित निष्ठापूर्ण सेवा जे ओ कयलथि से बहुत उज्ज्वल आ विराट अछि। एहन निष्ठा आ सेवा विरल आ दुर्लभ भऽ गेल अछि। मदर टेरेसा!

मदर टेरेसा! बहुत भीतरमे कतहु लगातार ध्वनित होइत हमरा विह्वल कऽ रहल अछि। हमरा लगैत अछि सौम्य मदर टेरेसाक अंश छथि। हुनकामे सन्निविष्ट आ एकाकार भऽ गेल छथि। सेवा आ प्रेमक आलोकसँ दीप्त। जगमगाइत।

03.10.2018 मेलबर्न

सौम्य के हालतमे कोनो खास सुधार नहि भेलनि। नौ बजे डाक्टर लग गेलाह। डाक्टर कोनो दवाइ नहि देलकनि। कहलकनि खाइ-पीबै के गड़बड़ीसँ भेल अछि। दू-तीन दिनमे ठीक भऽ जायत। मधु ऑफिस चल गेलीह। सौम्यो चल गेलाह। ऑफिसमे कोना काम कऽ सकताह, पता नहि। चारि महीना लगातार छुट्टी पर रहलाक कारणे भरिसक दवाब के अनुभव करैत हेताह। चारि बजैत-बजैत घुरि अयलाह। थाकल–ठेहिआयल, कमजोर आ झमारल। जल्दिए सुति गेलाह। सात बजे निन्न टूटलनि तऽ कनेक स्वस्थ बुझेलाह। किछु गपशप केलथि। मधु एक गिलास तरबूजक रस देलथिन। धीरे-धीरे पिबैत रहलाह। हम एकटा चिट्ठी देलियनि, जे आइ दुपहरमे आस्ट्रेलियाई महिला डाकपिउन दऽ गेल छलि। चिट्ठी मे मकान भाड़ा बढेबाक नोटिस रहैक। एतय छबे मास पर किराया बढ़ा दैत छैक। ई एकटा सामान्य घटना छिऐक। तैं सौम्य पर एकर कोनो असर नहि भेलनि।

क्रिसमसमे सौम्य आ मधु के वियतनाम आ कम्बोडियाक पन्द्रह दिनक ट्रिप छनि। टिकट पहिनहिसँ कटल छनि। हमरो टिकट लेबऽ चाहैत छथि। लेकिन एकटा समस्या छनि। हमर जे वीजा अछि, से सिंगल एंट्री वला वीजा अछि। वियतनामसँ घुरि कऽ फेर आस्ट्रेलिया आबऽ मे झंझट भऽ सकैत अछि। हम कहैत छियनि अहाँ सभ चल जायब। मधु कहैत छथि–से कोना हेतै। पता करैत छिऐ। कोनो उपाय भऽ गेल तऽ बड़ बेस, नहि तऽ हमहूँ सभ नहि जायब।

एहन सोचक लेल हमर मनमे प्रशंसाक भाव अबैत अछि। लेकिन ई सोचि अफसोस होइत अछि जे टिकट कैंसिल करेला पर हुनका सभकें एक्को टा पाइ नहि भेटतनि। ने वियतनाम-कम्बोडिया घूमि सकताह।

आ ई बात हमरा उदास करैत रहत।

मधु पुछैत छथि–कीवी खेने छी, पापा? कीवी एतुका लोकप्रिय फल थिक। ओ मोबाइल पर कीवीक फोटो देखबैत छथि। हमर प्रिय फल संतोला अछि। सौम्य कहैत छथि एहिठाम संतोलाकें ऑरेंज नहि, मेंडेरिन कहैत छैक।



04.10.2018 मेलबर्न

आइ सौम्य ऑफिस नहि गेलाह। मन ठीक नहि छनि। दस्त होइते छनि। कहलियनि चूड़ा-दही खा लिअ। पेट पकड़ि लेत। सएह केलनि। दुपहरमे कने भातो दालि खा लेलनि। मधु सेहो ऑफिस नहि गेलीह। घरे पर रहि लैपटॉप पर काज करैत रहलीह।

आइ नेहेबाक मन नहि केलक। जाड़ होइ-ए। सुस्ती दाबने अछि। राति ठीकसँ सुति नहि भेल। खा कऽ सूति रहैत छी। छह बजे साँझमे मधु आबि कऽ पुछैत छथि-हम बजार जाइत छी। अहूँ चलब, पापा?

पहिने तऽ हम मना कऽ दैत छियनि। फेर होइ-ए घूमिए आबी। तैयार भऽ कऽ निकलि जाइत छी। सौम्य आराम कऽ रहल छथि।

मधु गाड़ी चलबैत पुछैत छथि—हम केहन ड्राइव करैत छी, पापा?

बहुत नीक।

डर तऽ ने होइ-ए?

एकदम नहि।

ओ कहैत छथि-ड्राइविंग लाइसेंस टेस्टमे हमरा एतय दू बेर फेल कऽ देलक। जँ तेसर बेर फेल कऽ दैत तऽ हम ठोह पाड़ि कऽ कानऽ लगितहुँ।

ओ और बहुत रास जानकारी दैत छथि। प्वाइंट कुक मेलबर्न के पछबरिया भाग छिऐक। एतय इंडियन आ अफ्रीकन बेसी रहैत अछि। क्राइम सेहो होइत छैक।

मधु एकटा एहन दोकान पर लऽ जाइत छथि, जतय तरह-तरह के समुद्री माछ बिकाइत छैक। किछु माछ तऽ एहन जे देखिए कऽ मन ओका जायत। जेना ऑक्टोपस। मधु माछ कीनैत छथि। की तऽ नाम बतेने छलीह। बिसरि गेलहुँ। माछक दू टा चाकर चाकर टुकड़ा। माँउस जकाँ।

आस्ट्रेलियॉक आसमान मे आइ तीन दिनसँ मेघ लागल छैक आ जोर जोरसँ हवा चलि रहल छैक। ठंढा बढ़ि गेल छैक। कनकनी छैक। बजारक शीशासँ बनल मकानसँ निकलिते कँपकँपी शुरू भऽ गेल। हम तऽ झट कारमे ढुकि जाइत छी। ट्राली परसँ सामान उतारि डिक्कीमे राखऽ मे मधुकें थोड़े समय लगैत छनि। कोल्ड बाइटसँ हमर हाथ पयरक चमड़ी फाटऽ लागल अछि। हमरा घर पर छोड़ि मधु आठ बजे जिम चल जाइत छथि।



05 अक्तूबर 2018 मेलबर्न

आइ सौम्यक पेट शांत छनि। नौ बजे बिछान छोड़लथि। अपन फेवरिट जलखै ब्रेड ऑमलेट खा कऽ ऑफिस चल गेलाह। मधु अपना लेल आ हमरा लेल एकटा फ्रांसीसी व्यंजन तैयार कयलथि। अंडा, पनीर आ सब्जीसँ बनल व्यंजन स्केलेट। खाइमे ऑमलेट सन।

आइ मधु घरे पर रहि काज करैत रहलीह। आफिसक काज। हम सभ पाँच बजे पैदले निकललहुँ। गंतव्य प्वाइंट कुक मार्केट प्लेस। बाटमे दूटा स्कूल भेटल। एकटा छोट-छोट बच्चा लेल चाइल्ड केयर। बच्चा सभ खेलाइत रहय। हमरा सभकें देखि चारि पाँच टा बच्चा खुशीमे हाथ हिलबैत हेलो कहैत भागि गेल। नीक लागल।

मधु कहलथि एहिठाम रोड पर चलब मना छैक। कातमे फुटपाथ बनल छैक। हरेक रोड के अलग-अलग स्पीड लिमिट छैक। मेन रोड के सत्तर तऽ स्कूल वला एरियामे चालीस। स्कूल के टाइम नहि रहला पर सत्तर। क्रॉसिंग एला पर मधु ट्राफिक बटन दाबैत छथि। सिगनल पर पैदल यात्री के एकटा लाल चित्र अबैत छैक। जखन ओ हरा भेल तऽ हूटर बाजऽ लागल। आब अहाँ सड़क पार कऽ सकैत छी। दुनू कात वाहन रुकल रहत। लेकिन ओतबे कालक लेल, जतेक मे अहाँ तेजीसँ पार कऽ जाइ। रोड पर कतहु कोनो ठोकर नहि।

प्वाइंट कुकमे 495 नम्बर के बस चलैत छैक। सेहो मैंट्रो स्टेशन धरि, जकर नाम छिऐक विलियम्स लैंडिंग स्टेशन। 495 रूट के बस बहुत छोट दूरीक बीच शटल करैत रहैत अछि।

मार्केट प्लेसमे एकटा लाइब्रेरी छैक। आइ नौ बजे राति धरि खुजल रहतैक। ई लाइब्रेरी सरकारी छिऐक। अहाँ बिना कोनो फीस के सदस्य बनि सकैत छी। पढबा लेल किताब लऽ जा सकैत छी। सदस्य नहि छी

तइयो ओहिठाम बैसिकऽ पढ़ि सकैत छी। बैसबाक बहुत आरामदेह व्यवस्था। मनोहर परिदृश्य। मधु जहिया बेरोजगार छलीह, तहिये एकर सदस्य बनल छलीह। कार्ड हेरा गेल छनि। डुप्लीकेट कार्ड लेल गप कऽ रहल छथि। हम पूरा लाइब्रेरी के एक चक्कर लगबैत छी। आस्ट्रेलियामे अनेक देशक लोग रहैत अछि। बेसी दच्छिन-पूर्व एशियाक लोग। तकर झलक एत्तहु भेटल। ई लाइब्रेरी बच्चा आ वयस्क सभक लेल अछि। अहाँ कंप्यूटरो पर लिखि-पढ़ि सकैत छी। अनेक कम्प्यूटर लागल छैक।

मधु एकटा किताब इशू करबौने छथि येरुशलम। किताब यहूदी खान-पान पर केन्द्रित छैक। मधुकें यहूदी खाना पसिन छनि। पढ़ि कऽ कोनो डिश बनौतीह।

लाइब्रेरीसँ निकलि कऽ हम सिगरेट कीनैत छी। भारतसँ जे दू डिब्बा अनने छलहुँ, से आइ भोरे खतम भऽ गेल। एहिठाम पान नहि भेटैत छैक। पान भेटैत तऽ वैह खइतहुँ। सिगरेट बड्ड महग। जे सबसँ सस्ता, तकर एक डिब्बाक दाम सत्ताइस डॉलर। मतलब एकटा सिगरेट के दाम अड़सठ रुपैया। ई सिगरेट इंडोनेशियामे बनल अछि। मधु कहैत छथि—लोक नहि पीबय, तैं एतुक्का सरकार भारी टैक्स लगबैत छैक।

हम कहैत छियनि—हमरो सोचय पड़त। मधुकें भूख लागल छनि। हम सभ नेनडोज रेस्त्राँ जाइत छी। दस-पनरह मिनटमे सौम्य एत्तहि पहुँचताह। रेस्त्राँमे महिला बहुत छैक। तीन-चरिटा बच्चा।

मधुसँ पुछैत छियनि—एतय सिगरेट पीबि सकैत छी?

मधु कहैत छथि—नहि।

फेर आस्ट्रेलिया के स्मोकिंग रूल्स मोबाइल पर देखबैत छथि। लिखल छैक अहाँ कोनो एहन सार्वजानिक जगह पर सिगरेट नहि पीबि सकैत छी, जे पूर्ण अथवा आंशिक रूपसँ घेरल हो।

हम मधुकें कहैत छियनि—एकर मतलब जे रोड पर, फुटपाथ पर पीबि सकैत छी। ओपन स्पेसमे।

हम आ मधु बिरयानी आ फ्रेंच फ्राइ खाइत छी। सौम्य किछु नहि खेलथि। निकललहुँ तऽ कफ घेर लेलक। खखार फेकलहुँ। कने आगाँ गेला पर सौम्य कहलथि पापा, एहिठाम रोड पर थूक नहि फेकब, ने तऽ फाइन कऽ देत। सेहो दू तीन सौ डॉलर—मधु जोड़ैत छथि।

06.10.2018 **मेलबर्न**

आइ शनि छिऐक। वीक एंडक पहिल दिन। आसमान साफ छैक। हवा मद्धिम। वीक एंड लेल बढियाँ मौसम।

मधु बहुत निचेनसँ इडली, सांभर आ चटनी बनबैत छथि। नीक बनल छैक। हम सभ किछु बेसिए खा लैत छी। एतय दाइ राखब बड़ महग। सौम्य आ मधु मिलि कऽ सबटा काज कऽ लैत छथि। फर्श पर कारपेट बिछायल छैक। वैक्यूम क्लीनरसँ फर्श साफ करैत छथि। डिश वाशमे बर्तन। आइ कपड़ा बहुत छनि। सबटाकें वाशिंग मशीनमे साफ करैत छथि।

तीन बजे हम सभ घूमऽ लेल निकलैत छी। विलियम्स टाउन बीच पर। आधा घंटा लगैत अछि। दूरसँ देखला पर समुद्र समुद्र जकाँ समतल नहि, पहाड़ जकाँ उठल बुझाइत अछि। लग गेला पर ई भ्रम टूटि जाइत छैक। एहन धोखा पहिने कहियो कोनो समुद्र तट पर नहि भेल छल।

तट पर सभ तूरक बहुत आस्ट्रेलियाई नागरिक समुद्रक आनन्द लऽ रहल अछि। बच्चा सभ पानिमे उछल-कूद कऽ रहल अछि। बालु पर दौड़ रहल अछि। कतेको परिवार संगे कुत्तो आयल छैक। ओहो सभ मलकैत अछि।

रौद तऽ छैक, लेकिन तेज ठंढा हवाक कारणे जाड़ लागि रहल अछि। मूल निवासी पर जाड़क कोनो असर नहि होइत छैक। ओ सभ अभ्यस्त भऽ गेल अछि।

हम सभ रेस्टुरेंटक अढमे एकटा बेंच पर बैसि जाइत छी। एतय रौद तऽ छैक, मगर हवा नहि। सामने एकटा आस्ट्रेलियाई परिवार नीचेमे घास पर बैसल छैक। परिवारक एकटा युवती फ्रेंच फ्राइ फेकि रहलि

छैक। पच्चीस-तीसटा चिड़ै के झुण्ड ओहि पर झपटै छैक। पहिने लागल जेना पड़बाक झुण्ड छिऐक। लेकिन ओ पड़बा नहि, सीगल रहैक। से सौम्य बतेलथि। तकर बाद झुण्डमे एकटा पड़बो आबि गेल। ओकर आकार-प्रकार आ रंगरूप ठीक ओहने, जेहन भारतमे होइत अछि। ओ युवती अखनो फ्रेंच फ्राइ फेकि रहल छैक आ ओहि पर सीगल के लुधकब देखि अति आनंदित भऽ रहल छैक। आस्ट्रेलियाई लड़की आ महिला अर्धनग्न अवस्थामे छैक। मात्र बिकिनी (कोपीन, बुट्टा) आ ब्रा (कंचुकी) पहिरने। समुद्रतट पर एहन परिधान ओकरा सभ लेल सहज-स्वाभाविक छैक। नैतिकता, अनैतिकता, लाज, संकोचसँ ऊपर। निरपेक्ष।

सौम्य संगे एकटा भारतीय महिला काज करैत छथिन। स्वस्तिका गोयनका। स्वस्तिका सी.ए छथि। माय-बाप काठमांडूमे कोनो व्यापार करैत छनि। स्वस्तिका आनंदसँ विवाह कयने छथि। आनन्द गोयनका सॉफ्टवेयर इंजीनियर छथि आ मेलबर्नमे कोनो कंपनीमे ठीका पर काज करैत छथि। कने कालमे ओ दुनू आबि जाइत छथि। परिचय होइत अछि। मधु हुनका दुनू लेल एक पैकेट फ्रेंच फ्राइ पहिनहि सऽ कीनि कऽ रखने छलीह। दुनू खायब शुरू करैत छथि। मधु थोड़े फ्राइ फेकैत छथिन। सीगलक झुंड ओहि पर टूटि पड़ैत अछि। सीगलकें देखि हमरा चेखव मोन पड़ैत छथि।

ठीका वला काम मधुकें खूब पसिन छनि। कहैत छथि ओहिमे बहुत पैसा भेटैत छैक। मुदा स्वस्तिका के राय अलग छनि। जँ दू महीना बैठा देलक, काज नहि देलक, तखन तऽ स्थायी आ ठीका दुनू बराबर।

आनन्द आ स्वस्तिका दुविधामे छथि। मेलबर्नमे रही या भारत चल जाइ। मगर तुरंत जाइ के कोनो योजना नहि छनि। भरिसक अपन देशक व्यापार आकर्षित करैत हेतनि।

हम सभ काते कात टहलि रहल छी। कैकटा मोटर बोट बहुत तेज गतिमे समुद्रक पानि चीरने जा रहल अछि। नील समुद्रक ऊपर कोनो अनजान चिड़ै के झुण्ड मड़राइत अछि। हवा खसि पड़ल छैक। पाथरक टीला पर देने हम सभ समुद्रक भीतर जाइत छी। पानिक नीचा पाथर पर कजरी जमल छैक। कतहु-कतहु घोंघा छैक। मधु पुछैत छथि–पापा,

एहीमे मोती होइत छैक?

कहैत छिऐन–न, मोती तऽ गहीर पानि वला सीपमे भेटैत छैक।



स्वस्तिका कहैत छथिन–सब सीपमे मोती नहि होइत छैक।

सौम्य आ स्वस्तिका के आफिस देखबाक प्लान बनैत छैक। मधु, आनन्द आ हमरा लेल ई नव बात होयत। आइ आफिस बंद छैक।

हम सभ बाहरेसँ देखिकऽ अटकर लगबैत रहैत छी जे ओ जगह केहन हेतैक जतय हमर सबहक आत्मीय स्वजन दिन भरि काज करैत छथि।

स्वस्तिकाक इच्छा छनि जे सौम्य हाथक बनल चाह पीबी। हम सभ एस्ले क्रेसेंट चल अबैत छी। मधु मखान भुजैत छथि आ सौम्य चाह। मखान खाइत आ चाह पिबैत दुनिया भरिक गप्प चलैत रहैत अछि।

नौ बजे माइएर जा कऽ हिंदी फिल्म 'सुईधागा' देखबाक अछि। टिकट पहिनहिसँ कटल छैक। मधु पुछैत छथिन। लेकिन आनन्द आ स्वस्तिकाकें फिल्म देखबाक मन नहि छनि।

आइ हमरा बुते डिनर बनायल नहि होयत–आनन्दकें संबोधित करैत स्वस्तिका बजैत छथि। प्लान बनैत छैक जे बाहरे खायल जाय। तकर बाद हम सभ फिल्म आ ओ दुनू अपन घर जेताह।

07.10.2018 मेलबर्न

आइ वीक एंडक आखिरी दिन छिऐक। सन्डे। मधु आठ बजे जिम चल जाइत छथि। सौम्य सफाइमे लागल छथि। हम पढाइ लिखाइमे व्यस्त छी। मेघौन दिन छैक। दुपहरमे भोजनक बाद हम सभ पारिवारिक गपशप करैत रहि जाइत छी। साँझ पड़ि गेल छैक। सौम्य टहलबाक प्रस्ताव रखैत छथि। निकलि जाइत छी। थोड़े दूर पर एकटा फुटबॉल ग्राउंड छैक। ओहिमे टहलैत छी। सौम्य आ मधु दौड़बाक अभ्यास कऽ रहल छथि। मेलबर्नमे चौदह अक्तूबरकें मेराथन छिऐक। ओ दुनू भाग लेताह। दू सौ डालर के टिकट लेने छथि। बाइस किलोमीटर के दौड़। चारि साल पहिने दिल्ली मेराथनमे दौड़ल छलाह। हुनका दुनूक मंथर गति वला दौड़ देखि कऽ कहलियनि–अहाँ सभकें तऽ एको किलोमीटर दौड़ नहि होयत।

मधु बुझबैत कहलनि-मेराथन के मतलब ई नहि जे अहाँ दौड़ते रहू। पैदलो चलू, दौड़बो करू। कसरत एक घंटा चलल। घुरैत काल इंडियन स्टोरसँ नमकीन, चिप्स आ मसाला कीनल गेल। रस्तामे मधुकें मोन पड़लनि कतेक दिनसँ डोसा हट (रेस्तराँ के नाम) मे बिरयानी नहि खेलहुँ।

सौम्य पुछैत छनि–अखन चलब? मधु अनिश्चयमे छथि। सौम्य घरो नहि खोलैत छथि। गाड़िएमे सामान राखि दैत छथिन। गाड़ी स्टार्ट करैत छथि। हम सभ डोसा हट लेल विदा भऽ जाइत छी, जे प्वाइंट कुकसँ दूर छैक। डोसा हटमे हैदराबादी बिरयानी भेटैत छैक। बेजोड़ मटन बिरयानी। ई भारतीय रेस्टुरेंट छिऐक। एहिमे जतेक वेट्रेस छैक सब सुन्दर भारतीय युवती। सब अंग्रेजी बजैत छैक। एकटा युवती जकरा पर हमर नजरि पड़ल, ओ मुस्कुरायल। दोसर बेर ओकरा तखन देखलिऐक जखन ओ

हमर सभक टेबुल क्लियर (साफ) करऽ आयलि। एहिबेर ओकर मुस्की कने लम्बा आ विलंबित छलैक। हमहूँ मुस्कुरेलहुं। सोचैत रहलहुं ओ किएक मुस्कायलि? सद्-भावनावश? रूपाकर्षण या कोनो अदृश्य आत्मिक लगाव? जे हो, सुखायल जीवनमे एहन तरल आत्मिक अनुभूति किछु क्षणक लेल सुख दऽ जाइत छैक।



मधु हमरा लेल पान कीनैत छथि। मीठा पान। पानक-अभाव-पूर्ति। दाम साढ़े तीन डालर। भारत के हिसाबसँ पौने दू सय टाका। हमर मध्यवर्गीय मानसिकता अखनो पाछु नहि छोड़ि रहल अछि। हम सब चीजक तुलना भारतसँ करैत रहैत छी। सिनेमा के एक टिकट के दाम दू हजार हमरा अखनो बड़ महग बुझा रहल अछि। मधु कहैत छथि–अहाँ ओहि तरहें सोचनाइए छोड़ि दिअ।

मीठा पान तऽ हम खाइते ने छी। मैनेजरसँ पुछैत छिऐक जर्दा या कोनो पत्ती भेटत?

मैनेजर लाचार मुस्की छोड़ैत कहैत अछि–न्न!

पेमेंट भऽ गेल छैक। हम मन मारि कऽ मुँहमे पान धऽ लैत छी आ घर पहुँच कऽ ओहिनाक ओहिना कूड़ेदानमे उगलि दैत छी। जी पर बेमजा के मिठास पसरल अछि।

08.10.2018 **मेलबर्न**

आइयो मेघौन छैक। हम सभ संगे संग जलखै खाइत छी। सौम्य आ मधु आफिस जाइत छथि। हम कल्हुका डायरी लिखैत छी।

दुपहरमे मधु फोन कऽ कें पुछैत छथि–भोजन कयलहुँ? ओ कुशल गृहिणी छथि। सभ चीजक ध्यान रखैत छथि।

ओ दुनू छह बजे साँझमे घुरलथि। आइ हम सभ प्वाइंट कुक मार्केट दिस जायब। हम घरसँ पहिनहि निकलि गेल छी। गेटक बाहर ठाढ़ छी। देखैत छी एकटा महिला कारसँ निकलि हमरा दिस तकैत छथि आ मुस्कुराइत हाथ हिला रहल छथि। हमहूँ मुस्कुराइत हाथ हिलबैत छी। ओ हमर सभक पड़ोसिनी छथि। दहिना कातक सटल डुप्लेक्समे रहैत छथि। आइ हुनका पहिल बेर देखलियनि। भरिसक पंजाबी सुदर्शना। मधु निकललथि तऽ हुनका बतेलियनि। कहलथि–मुस्कुरायब, हाथ हिलायब एहिठामक सामान्य व्यवहार छिऐक।

हम सभ पैदल जा रहल छी। सड़क के दुनू बगल घर छैक। फूलक गाछ छैक। सभक गाड़ी घरक आगाँमे बनल खुला पार्किंगमे लागल छैक। एकटा लैंड रोवर दिस इशारा करैत मधु कहैत छथि–पापा, हमहूँ एहिने गाड़ी लेब। लेकिन बड़ महग छैक। पचहत्तर लाख।

हम कहैत छिऐनि–पहिने अपन घर कीनू। तखन गाड़ियो कीनि लेब। अखन तऽ तीस लाखक एतेक बढियाँ टोयोटा अछिए।

हँ, पापा! पहिने घर कीनब। –मधु कहैत छथि।

वुल्वर्थ्स आबि गेल। बगलेमे मधुक जिम छनि। ओ जिम चल जाइत छथि। सौम्य आ हम कनेक और आगाँ जाइत छी। एकटा स्कूल अबैत छैक, जतय फुटबाल आ क्रिकेट ग्राउंड छैक। ग्राउंडमे हम टहलैत छी आ सौम्य मेराथनक प्रैक्टिस करैत छथि। एकटा अफ्रीकी जोड़ा

कभर्ड ग्राउंडमे क्रिकेट खेल रहल अछि। एकटा ऑस्ट्रेलियाई महिला अपन दू-तीन सालक बच्चा संगे फुटबॉल खेलाइत अछि। बच्चा धुस-धुस खसैत छैक। बगलमे बेबी सिटर राखल छैक। ग्राउंडक एक छोर पर कोनो पति-पत्नी अपन कुत्ता संगे टहलि रहल अछि। अनचोके पानि पड़ऽ लगैत छैक। हम शेड दिस पड़ाइत छी। शेडमे झटका आबि रहल छैक। हम भागिकऽ स्कूलक बरंडा पर चल जाइत छी।

सौम्यो ओत्तहि आबि जाइत छथि। छनेमे मैदान खाली भऽ गेलैक। के कतय गेल, तकर कोनो थाह नहि।

पानि पहिने जोरसँ पड़ैत रहलैक, फेर मद्धिम भऽ गेलैक। बरंडा पर ठाढ़ भेल हम दुनू पानिक टिपकब देखैत रहलहुँ। पूरा बुनछेक नहि भेल रहैक। लेकिन सौम्य राउंड लगबऽ निकलि गेलाह।

हम बरंडे पर रहि गेलहुँ। बरखा भेलाक कारणे ठंढा कने बढ़ि गेलैक। हमरा लग्घी लागि गेल। बरंडा पर दू टा टॉयलेट छलैक, मगर दुनू बन्न। हम निरीक्षण करऽ लगलहुँ कोनो दोसर उपाय छैक कि नहि। कोनो उपयुक्त स्थान नहि। मन भेल सौम्यकें हाक दिअनि आ जिम दिस चल जाय। लेकिन ओ ग्राउंडक दोसर छोर पर छलाह। प्रेशर ततेक बढि गेल जे भेल आब कपड़ेमे भऽ जायत। ता एकटा आदमीकें देखलिऐक। ओ हॉल खोलि किछु देखलक आ हमरा दिस आबऽ लागल। भेल जे ई गार्ड अछि। दूरसँ लागल जेना इंडियन हो। लेकिन ओ ऑस्ट्रेलियन रहय।

हम पूछलिऐक–एक्सक्यूज मी, कैन आइ यूज योर टॉयलेट? (क्षमा करब! की हम अहाँक शौचालयक उपयोग कऽ सकैत छी?)

कहलक-नो इट्स नॉट एलाउड। बट आइ विल ओपेन इट फोर यू। (नहि एकर अनुमति नहि छैक, लेकिन हम अहाँ लेल खोलि देब)

फेर पुछलक–हाउ लॉन्ग विल इट टेक? (कतेक समय लागत?)

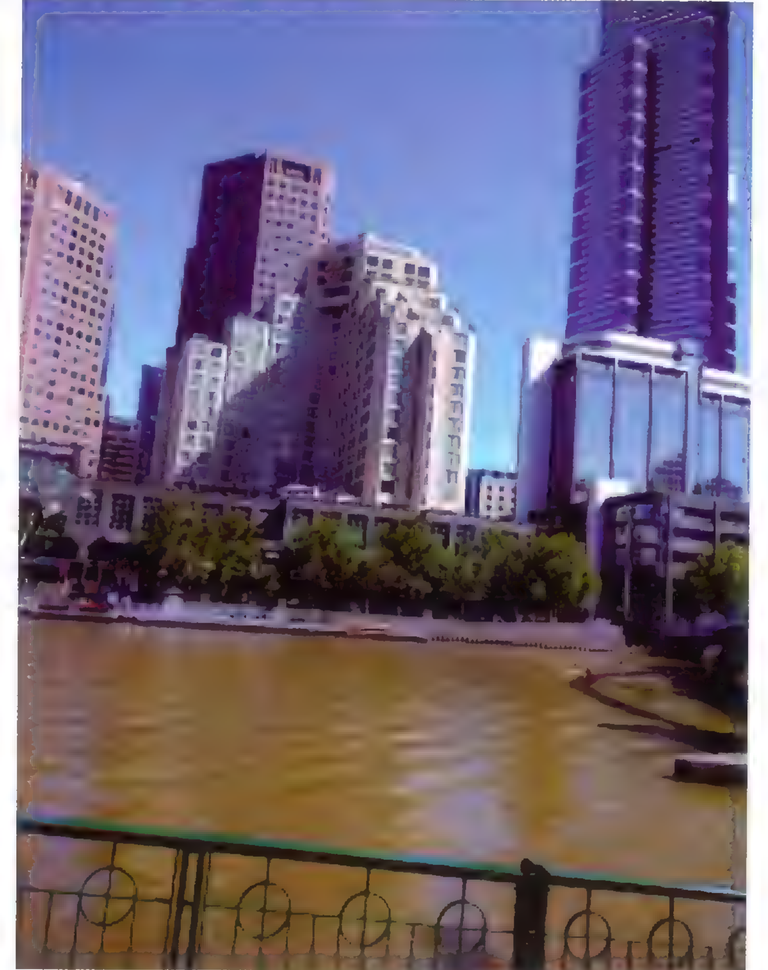
कहलिऐक–इट विल हार्डली टेक टू मिनट्स। (बस, दुइए मिनट लागत।)

ओके। हियर इज दि लाइट। क्लोज दि डोर बिफोर लीविंग।

(ठीक छैक! एतय लाइट के स्विच अछि। जाइसँ पहिने केबाड़ लगा देबैक)–ई कहैत ओ चलि गेल।

थैंकयू। हम हृदयसँ धन्यवाद देलिऐक।

हल्लुक भेलहुँ तऽ आराम भेटल। प्रसन्न मनसँ बरंडा पर चक्कर लगायब आरंभ कयलहुँ। अहि रे बा! लाइट आ पंखा बन्न करब तऽ बिसरि गेलहुँ। आब की हेतैक? जा कऽ टॉयलेटक हैंडिल घुमेलिऐक। ओ किएक खुजत! बाहर मे कोनो स्विच नहि जाहिसँ आफ कऽ सकी। बड्ड अपसोच होइत रहल। ओ की सोचत? केहन भुच्च रहैक जे लाइटो ने आफ केलक। पता नहि कतेक गारि देत!



09.10.2018 मेलबर्न

मेलबर्न के आसमान आइयो मेघसँ भरल छैक। रहि-रहि कऽ पानि पड़ैत छैक। बहुत तेज ठंढा हवा चलि रहल छैक।

मौसम ततेक विकराल छैक जे बाहर जाइ के हिम्मत नहि होइत छैक। लेकिन सिगरेट सठि गेल अछि। घरोक किछु सामान चाही। हमर सिगरेट पिबाक फ्रीक्वेंसीसँ मधुकें चिंता होइत छनि।

ओ सौम्यकें कहैत छथिन–पापाक हेल्थ इंश्योरेंस अखनधरि नहि भेल छनि। जँ किछु भऽ गेलनि तऽ बहुत भारी पड़त।

हम कहलिऐन–एखन हमरा किछु नहि होयत। जँ भेल, तखन करा लेब।

एहिठाम प्रीमियम बहुत लगैत छैक। एक महीनाक पाँच सौ डालर। एक डालर पचास रुपया के बराबर।

एक तऽ मौसम, दोसर थकान के कारणे मधु घरे रहि गेलीह। सौम्य आ हम गाड़ीसँ निकललहुँ।

सैंनक्वुअरी लेक्समे एकटा दोकान छैक-टोबैको शॉप। ओतय सिगरेटक बहुत ब्रांड रहैत छैक। वर्किंग डेजमे ओ पांचे बजे सांझमे बंद भऽ जाइत छैक। अखन आठ बजि रहल छैक। सौम्य किछु सब्जी आ फल लेलथि। जाहि झीलक नाम पर ई बजार बनल, से सैंनक्वुअरी लेक्स एतयसँ कनेक हटिकऽ अछि। हमरे देखेबाक लेल सौम्य ओहि झीलक एक चक्कर लगबैत छथि।

लम्बा-चौड़ा मनोरम झील। काते कात सुंदर मकान। ई सभ गाड़िएमे बैसल बैसल देखैत छी आ प्वाइंट कुक मार्केट सेंटर दिस निकलि जाइत छी। ओतय कोल्समे सिगरेट भेटत आ वुल्वर्थ्समे धनिया पत्ता। कोल्स आ वुल्वर्थ्स ई दुनू खुदरा व्यापार करऽ वला कंपनीक नाम छिऐक। पूरा

ऑस्ट्रेलियामे एही दुनू कंपनीक रिटेलर्स चेन छैक।

सिगरेटक दोकान पर एकटा अठारह-बीस सालक सुंदर ऑस्ट्रेलियाई युवती तैनात रहय। ओ पुछैत रहलि जे कोन ब्रांड चाही। ब्रांडक नाम हम बिसरि गेल रही। ओ कैटलाग देखौलक, तैयो मोन नहि पड़ल। कहलिऐक-स्ट्रौंग सिगरेट। ओ अकबका गेलि। कहियो सिगरेट पीने रहैत तखन ने बुझितिऐक जे कड़क की होइत छैक! ओ चल गेलि। दोसर स्त्री आयलि।

देखलासँ बंगालिन बुझायत छलि।

पूछलिऐक–आपनार बाड़ी कोथाय?

जवाब देलक–आमी बंगलादेशी।

ओ स्ट्रौंग आ कड़ा-दुनू बूझि गेलि।

ओ ठीक वैह ब्राण्ड देलक जे पछिला बेर लऽ गेल रही।

मार्केट सेंटरमे आइ बड़ कम लोग छल। वीक एंडमे भरल रहैत छैक। आइ तऽ ओहुना मौसम बहुत खराब छैक। हवा ततेक तेज जे ठेल दैत छैक।





आइ फेर पूरा दिन मेघ लागल रहलैक। पानि नहि भेलैक। साँय-साँय हवा चलैत रहलैक। बाहर निकलब तऽ हाथ पएर सुन्न भऽ जायत। तैं ब्लोअर चलाकऽ बिछान पर पड़ल किताब पढैत रहलहुं।

खालिद हुसैन के किताब–ए थाउजेंड एस्प्लेंडिड संस। अफगानी लेखक खालिद हुसैन मधुकें बड़ प्रिय छनि। ई किताब मधुए देने छथि।

खालिद के लेखन शैली एहन नहि जे अहाँकें बान्हि लिअय। साधारण आ तुच्छ विवरणक भरमार। सतही विवरणात्मकतामे हमर रूचि नहि अछि। किताबमे मन नहि लागल। मधुकें किएक पसिन छनि, पता नहि। सभ के अपन-अपन दृष्टि होइत छैक।

आइ कैक दिनक बाद रौद निकललै। हवा नहि रुकलै। मंद जरुर पड़ि गेल छैक।

एहिठाम एतेक हवा किएक चलैत छैक। टापूक देश छिऐक तैं ने तऽ? आइ सौम्य अपन रेजुमे एकटा रिक्रूटिंग एजेंसीकें पठौलथि। एतय कंपनी नौकरी के विज्ञापन नहि दैत छैक। रिक्रूटिंग एजेंसियो विज्ञापन नहि निकालैत अछि। एजेंसी के कोनो परिचित व्यक्ति कोनो अभ्यर्थीक नामक संस्तुति करैत अछि। तखन ओ रेजूमे मंगैत छैक। इंटरव्यू लैत छैक। फेर अभ्यर्थी सभकें शार्टलिस्ट कऽ कए कंपनीकें पठबैत छैक। कंपनी दोबारा इंटरव्यू लैत छैक। ओहिमे सफल भेलहुं तखने नौकरी भेटत। सौम्य अढाइ सालसँ एके कंपनीमे छथि। आब चेंज चाहैत छथि।

आइ भारतसँ एकटा सुखद समाचार आयल अछि। युनिवर्सिटी हमर पेंशनक बकाया राशि भुगतान करऽ लेल तत्पर भेल अछि। हाईकोर्टमे चारि सालसँ केस चलि रहल छैक। कंटेम्प्ट के सुनवाई हफ्ता दस दिनमे शुरू हेतैक। एकरे डरसँ ई सभ भऽ रहल छैक। ई जानि भारी चिंता भेल जे विश्वविद्यालयमे कोनो रेकॉर्ड नहि छैक। कतेक भुगतान भेलै, कतेक नहि तकर कोनो थाह नहि। अपन वकीलसँ गप कयलहुं। वकील साहेबकें हमर क्लेमसँ बेसी अपन फीसक चिंता छलनि। आब सेटेलमेंटक जे हो!

मधु अपन आफिसमे एकटा मीटिंग आहूत कयने छलीह। मेलबर्न मेट्रो के सेफ्टी एंड सेक्युरिटी पर। हुनका एकटा भारी भरकम आ मजबूत बूट भेटलनि। कहियो जरूरत भेला पर पहीरि कऽ स्पॉट पर जयतीह। ओ अपन भैयारी के एकटा खिस्सा सुनेलथि। हुनका भायक मित्र मंडलीमे जकर ककरो जन्मदिन मनाओल जाइ उमर के हिसाबसँ

ओकरा ओतेक बूट गिन कऽ मारल जाइ। क्रुएल सेलीब्रेशन! मेट्रोमे दुर्घटनाक कोनो इतिहास नहि छैक। कहियो काल जँ ट्रेन तीन मिनट लेट भेल तऽ पूरा तफसील संगे स्पष्टीकरण दिअ पड़ैत छैक जे एना किएक भेलैक।

दूर-दूर जाइ वला ट्रेन जकरा एतय बिलाइन रेल कहल जाइत छैक, ताहूमे दुर्घटना नहि घटैत छैक। कहियो विरले कोनो ट्रेन पटरीसँ उतरि गेल।



11.10.2018 **मेलबर्न**



आइ सौम्य आ मधु नौ बजे रातिमे घुरलथि। होटलसँ खाना पैक करबा कऽ अनने रहथि। मेलबर्न मेराथनमे भाग लेबाक लेल जरूरी कागज आ बैज लेबाक रहनि। तैं लेट भऽ गेलनि।

सौम्य वर्ल्ड टूर पर एकटा गाइड बुक नेने आयल छलाह। सौम्य आ मधुकें घुमबाक बहुत सख छनि।

आइ वीकएंड छिऐक। अखनधरि हम सिटी नहि गेल छी जे मेलबर्न के मुख्य आ केंद्रीय इलाका छिऐक।

सिटी लेल दुपहर बारह बजे निकलैत छी। रस्तामे एकटा जगह छैक–लेभर्टन मार्केट।

एतय हरेक वीक एंडकें हटिया लगैत छैक। लोक गाड़ीमे सामान भरि कऽ अनैत अछि आ तम्बू लगा कऽ बेचैत अछि।

सब तरहक सामान। दैनिक उपयोगमे आबऽ वला हरेक तरहक चीजक अलावा गाछ आ फूलपातसँ लऽ कऽ पोसुआ रंगीन माछ आ चिड़ै तक। प्रवेश शुल्क पांच डॉलर।

अद्भुत बजार छैक। अनेक देशक लोक किननिहार। रंग-बिरंग के कपड़ा पहिरने लोक। एकटा स्त्री मुखड़ा लगाकऽ घुमैत। सब सहज, स्वाभाविक आ स्वतंत्र।

खुलापन आ व्यक्तिगत आजादीक एहन अनुभव विलक्षण अछि।

बहुत दूरेसँ सिटी के गगनचुंबी मकान सभ देखाइत अछि। मेलबर्न के रिहायशी इलाकामे एहन मकान सभ अखन धरि कतहु नहि देखायल रहय।

ई एकदम अलग परिदृश्य अछि। चौकोर सुरुंग बिल्डिंगसँ भरल भूखंड।

पहिने एकटा क्रीक(समुद्रक फोंड़ी) अबैत अछि। फेर अनेक ओवरब्रिजक जाल देखाइत अछि।

ओवरब्रिजक मठौत परसँ जहिना ढलान शुरू होइत अछि तहिना सामनेमे समुद्रक अत्यंत आकर्षक दृश्य देखाइत अछि। कोनो जादुइ सौंदर्य जकाँ चमत्कृत करैत।

सिटी अनेक तरहक व्यवसाय, दफ्तर, संस्था, दोकान, होटल आ रेस्त्रांसँ आबाद अछि। सिटीमे ट्राम चलैत छैक।

हमरा होइत रहय जे ट्राम खाली कलकत्ते टा मे बचल छैक। से भ्रम टूटि गेल। एतुक्का ट्राम बेसी आरामदेह आ देखनुक छैक।

मधुकें बुकसेल्फ आ टेबुल लैंप किनबाक छलनि। हम सभ रोड साइड पेड पार्किंगमे गाड़ी लगेलहुँ। फर्नीचर के दोकान गेलहुँ।

लेकिन दुनूमे कोनो चीज पसिन नहि भेल।

पहिने मधुक ऑफिस एही इलाकामे रहनि। ओ रोज एकटा थाइ रेस्त्रांमे लंच करैत छलीह। आइ हम सभ ओहीमे गेलहुँ। रेस्त्राँ दूटा महिला मिलिकऽ चलबैत छलि।

बुझाइत रहय ओ दुनू या तऽ माय-बेटी होयति या सासु-पुतौह। एकटा भानस करैत छलि आ दोसर गहिकी सम्हारैत छलि। गहिकी सम्हारै वाली जे सुन्दर थाइ युवती छलि, तकरा एक-डेढ़ सालक बच्चा रहैक।

काउंटरसँ सटल टेबुल पर बैसल ओ बच्चा चम्मचसँ भात खाइत रहय। खाइसँ बेसी छिड़ियाबैत रहय।

जखन ओ युवती भनसाघरसँ टेबुल आ टेबुल लगसँ भनसाघर जाइत-अबैत छलि तऽ बच्चा मम्मी कहिकऽ हाक दैक।

युवती बच्चा दिस तकै आ चल जाइ। बच्चो चुप भऽ जाइ। ने चिचिआइ, ने जिद करै।

रेस्त्राँ बहुत छोट रहैक। मात्र छह टेबुल वला। लेकिन साफ-सुथरा आ चिक्कन चुनमुन। सभ टेबुल पर गहिकी रहैक।

युवती अंगरेजी बाजऽ मे निपुण छलि आ दक्षतापूर्वक सब टेबुलकें सम्हारने छलि।

सौम्य आ मधु अपना लेल आर्डर देलथि। हमरा भूख नहि रहय। युवतीसँ लाइटर मांगि हम रेस्त्राँसँ बाहर निकलि गेलहुँ। पेभमेंट (सड़क के कतबाहि) पर ठाढ़ भऽ कऽ सिगरेट धरेलहुँ आ बाहरक जीवन-प्रवाह देखऽ लगलहुँ।

एशियाई मूल के लोक बेसी बुझायल। चीन, जापान, थाइलैंड, म्यांमार आदि देशक लोककें दू टा चीजसँ चिन्हल जा सकैत अछि।

ओहि सभक आँखि छोट आ मूनल रहैत छैक जेना हाथी के। दोसर जे ओ सभ भुटारि होइत अछि। स्त्री-पुरुष सब न्यूनतम वस्त्र पहिरने। किछु ऑस्ट्रेलियाई महिला तऽ खाली जंघिया आ चोली पहिरने देखायल।



सड़क पर कार, ट्राम आ बस एक परतार चलि रहल छैक। कखनो पतराइ नहि छैक। सड़कक दुनू कात पैदल चलनिहारक आवाजाही अविराम चलैत रहैत छैक।

सड़कक कात चलैत लोकमे सँ किछु हमरे जकाँ सिगरेट पीबि रहल अछि। कतहु-कतहु पिलहा सिगरेटक टुकड़ी फेकल छैक। और कोनो गंदगी नहि।

रेस्त्राँसँ निकलि कऽ हम सभ आइकिया शॉपिंग सेंटर जाइत छी।

आइकिया स्वीडेन के कंपनी छिऐक जे कपड़ा, फर्नीचर आ समस्त घरेलू सामानक व्यापार करैत अछि।

भारतमे मुम्बई आ दिल्लीमे ओकर ब्रांच छैक। ओ बहुत फैंसी चीज सभ रखैत अछि।

जे बुकसेल्फ मधुकें पसिन भेलनि, से स्टॉकमे नहि रहैक। एक जोड़ा टेबुल लैम्प लेलथि।

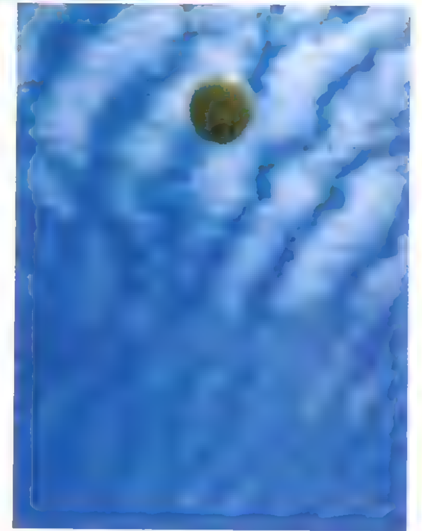
घर घुरैत काल सिटी के किछु एहन रेस्त्राँ भेटल, जकर विस्तार फुटपाथ धरि रहैक।

टेबुल-कुर्सी पर बैसिकऽ खाइत आ सड़क पर चलैत जीवन-प्रवाह के आनंद लेब–की मजेदार दृश्य छल!

14.10.2018 मेलबर्न

आइ मेलबर्न मेराथन छिऐक, जकर आयोजन श्रीलंका एयरलाइंस कयने अछि। सौम्य आ मधु पौने सात बजे भोरे निकलि जाइत छथि। मधु बेसी उत्साहित नहि छलीह। डर रहनि दौड़ हेतनि कि नहि। प्रैक्टिस साफे नहि रहनि। सौम्य ऊद चढ़ौलकनि। तैं चल गेलीह। बाइस किलोमीटर के हाफ मेराथन। स्टार्ट आ फिनिश प्वाइंट सिटी क्रिकेट ग्राउंडमे रहैक। हाफ मेराथनमे दौड़निहारक संख्या पांच हजार छलैक। सभ तूरक लोग। अस्सी साल के बुढ़बा-बुढिया सेहो। अद्‌भुत दृश्य।

रस्तामे जगह-जगह पानि, टायलेट आ प्राथमिक उपचारक व्यवस्था रहैक। सौम्य पौने तीन घंटामे रेस पूरा कयलथि आ मधु तीन घंटामे। दुनूकें मेराथन फिनिशर वला मेडल भेटलनि आ एक-एकटा तौलिया। लेकिन थाकिकऽ चूर भऽ गेल रहथि। एक किलोमीटर दूर जतए गाड़ी पार्क कयने रहथि, ओतय पैदल जेबाक हिम्मत नहि भेलनि। टैक्सी कऽ कें गेलथि।



डोसा हटमे बिरयानी लऽ कऽ घर आबि गेलथि। हालत पस्त रहनि। थकान आ भूखसँ चलल नहि होइन। घुट्ठी आ ठेंगहुनमे दर्द रहनि। भोजन कऽ कऽ सूति गेलथि। रातिमे गरम पानिसँ पएर सेकलथि।

आइ फेर मेघ लगेने छैक। आ पुरबा हवा झोंकने छैक। पता नहि पानि हेतैक कि की!

दू दिनसँ गरमी कने बढ़ि गेल छैक। चारि-पाँच दिनसँ हमरा एगो नव परेशानी शुरू भेल अछि। रहि-रहि कऽ कंठ सूखि जाइत अछि। तकर बाद खोंखी। पानि पीला पर शांत भऽ जाइत अछि। बुझा नहि रहल अछि जे एना किएक होइत अछि। गरमीसँ, हवासँ या कोनो आन कारणसँ। भऽ सकइए टौंसिल बढ़ि गेल हो।

आइ राहुलसँ गप भेल। केदार काननक भातिज राहुल वत्स। ओ इन्जीनियर छथि। मेलबर्नमे नौकरी करैत छथि। हुनक पत्नियों इन्जीनियर छथिन। ओहो एतहि नौकरीमे छथि। एकटा बेटी छनि। अगिला वीक एंडमे भेंट होयत।

एक और व्यक्तिसँ गप भेल। मूल रूपसँ किशनपुर निवासी अहमद नोमानी पंद्रह-बीस सालसँ मेलबर्नमे रहैत छथि। एकटा पेट्रोल पंप आ अपन घर छनि। कोनो दिन हुनको ओतय जायब।

रातिमे कखनो गरमी तऽ कखनो जाड़ होइत रहय। ठीकसँ निन्न नहि होइत छल। बिछौन पर आँखि मुनने पड़ल छलहुँ। ओहि निशाभाग रातिमे हठात एकटा स्त्रीक चिचिआयब कानमे पड़ल। के छिएक? की भऽ रहल छैक? पहिने लागल जेना कोनो पति-पत्नीमे झगड़ा होइत हो। लेकिन से नहि रहैक। स्त्रीक करुण क्रंदन सुनिकऽ बुझायल जेना क्यो ओकरा मारैत हो। ओकर निस्सहाय रुदन विचलित कऽ देलक। उठि गेलहुँ। विंडो ग्लासक ओहि पार सड़क पर हियासलहुँ जे कतऽ की भऽ रहल छैक।

देखलहुँ एकटा कार स्टार्ट भऽ रहल छैक।

कारक बाहर दू टा हब्सी ठाढ़ भेल किछु बजैत रहैक। कार तेजीसँ निकलि गेलैक। कारक संगहि स्त्रीक क्रंदन सेहो दूर चल गेल। हम स्तब्ध भेल विंडो के पार एहि मायावी संसारकें चिन्हऽ चाहैत छी। स्त्रीक आर्तनाद अंतर्मनमे ध्वनित-प्रतिध्वनित भऽ रहल अछि।



साँझमे चाह पिबैत काल मधु पुछैत छथि-पापा, अहाँ लग कैश तऽ नहि होयत?

अछि।

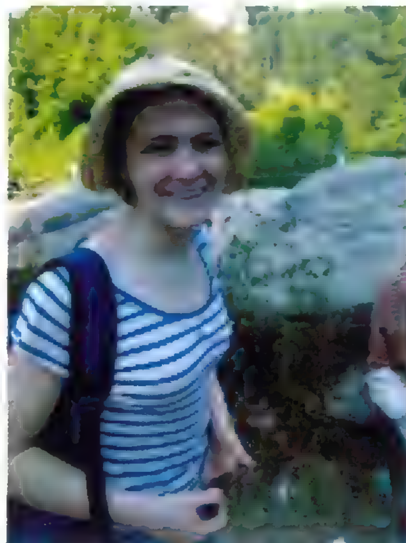
के देलक?

और के देत? सौम्य देलथि।

कतेक अछि?

डेढ़ सौ डालर।

तखन ठीक अछि। डेढ़ सौ डालर कम नहि होइत छैक, पापा। संगमे रहबाक चाही। कखन कोन जरूरत पड़ि जायत तकर कोन ठीक! कतेक गार्जन धियापूता लग गेल तऽ ओहि देशक मुद्रा पहिनहि कीनि लेलक। अहूँ जँ ओहिना करितहुँ तऽ हमरा बड्ड खराब लगैत। मधु थोड़े आउट स्पोकेन छथि। आस्ट्रेलियाक फैमिली स्पौंसर्ड वीजामे शर्त रहैत छैक जे, जे व्यक्ति स्पौंसर कऽ रहल छैक तकरा सभटा खर्च उठबऽ पड़तैक। भोजन, आवास, स्वास्थ्य पर जतेक खर्च हेतैक, सब ओकरे जिम्मेदारी। स्पोंसर्ड व्यक्ति पूर्णतः आश्रित रहैत अछि। कहियो लोकसँ भूलचूक भेल हेतैक तैं एहन कानून।



आइ महाष्टमी छिऐक। मेलबर्नमे एकटा जगह छैक रॉकबैंड। रॉकबैंडमे दुर्गा टेम्पुल छैक। दुर्गापूजामे एतय हरेक साल हजारो लोग अबैत छैक। चारि-पाँच एकड़ के घेरम्मा। सरकारी जमीन छिऐक। दानमे भेटल छैक। ई इलाका सुनसान छैक। कोनो बस्ती, कोनो आबादी नहि। कच्चा सड़क।

हम सभ आठ बजे रातिमे पहुँचैत छी। तारसँ घेरल मंदिरक हातामे खाली कारे कार देखाइत छैक। मंदिरमे प्रवेश करैत छी। सामनेमे दुर्गा के स्थायी प्रस्तर प्रतिमा। शांत मुद्रामे बैसल। हाथमे खुखरी। कनेक अलग हटि कऽ बामा कात राधा कृष्ण के छोट प्रस्तर प्रतिमा आ दहिना कात लक्ष्मीक पाषाण मूर्ति।

पुरहित हवन कुंड लग बैसल ककरोसँ गप करैत छलाह। एकटा मंडली भजन गबैत छल। हॉलमे अनेक परिवार भक्ति भावमे डूबल तन्मय भऽ कऽ भजन सुनैत छल। किछु गोटय लक्ष्मीक सामीप्य दर्शन आ आशीर्वाद लेल लाइनमे लागल रहय। निकास द्वार लग प्रसाद भेटाइत छैक। मंदिरसँ कने हटिकऽ भंडारा चलि रहल छैक। एतुक्का दुर्गापूजा भारतसँ भिन्न अछि। एहिठाम हिंसाक कोनो स्थान नहि छैक। मोन पड़ैत अछि चारि साल पहिने महिषी गेल रही। ठीक महाअष्टमीक दिन। तारानंद वियोगीक बहुत इच्छा रहनि जे हम सभ आबी। वियोगी प्रायः सब साल दुर्गापूजामे गाममे रहैत छथि। ओहि बेर चढ़ौवा-तढ़ौवा रहनि। प्रसाद खाइ के आग्रह कयने छलाह। ओना तऽ महिषी कैक बेर गेल छलहुँ, लेकिन महाअष्टमी दिन नहि। तारा थानक महाअष्टमी बहुत नामी छैक। केदार कानन गाड़ी ठीक कयलथि। हम केदार, सुस्मिता, टुस्सी आ रमण कुमार सिंह एगारह बजे महिषी पहुँचलहुँ। पहिने तारा

थान गेलहुँ। तारा थानक परिसर ढोल-पिपही आ नगाड़ाक आवाजसँ आंदोलित छल। माँ ताराक दर्शन आ बलि-प्रदान अविराम चलि रहल छलैक।

बेरुपहर वियोगी संगे कारू थान गेलहुँ। कारुथानमे लोग दूध चढ़बैत अछि।

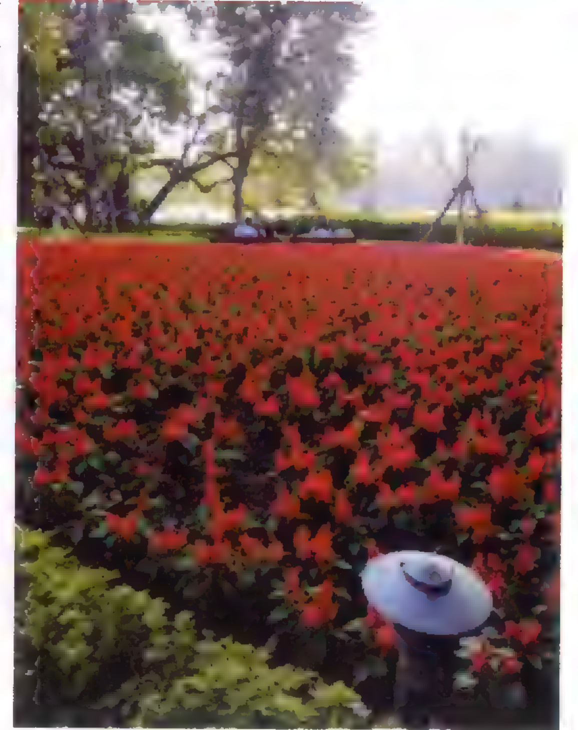
दूध बहिकऽ कोसीमे जाइत छैक। महिषी आ कारूथान बहुत लग अछि। वियोगी कहैत छथि–देखहक भैया, की विरोधाभास छैक। तारा थानमे रक्त बहैत छैक आ कारू थानमे दूध बहैत छैक!

वियोगीक बातसँ बुझायल जे ठीके, एतय कतेक शांति छैक आ ओतय कतेक कोलाहल रहैक।



18.10.2018 मेलबर्न

आइ प्वाइंट कुक लाइब्रेरी गेलहुँ। घरसँ लाइब्रेरी धरि पैदल जाइमे तीस-चालीस मिनट लागै छैक। फुटपाथ पर हम असकर यात्री। पूरा रस्ता क्यो नहि भेटल। खाली एकटा महिला बस स्टाप पर बैसलि छलि।



ओना मेन रोड पर कार लगातार साँय-साँय करैत निकलल जाइत रहय। कार ड्राइवर बेसी महिले। एहिठाम कतहु ने तऽ ट्रैफिक पुलिस भेटत, ने पुलिस के गश्ती दल। घुरैतो काल क्यो नहि भेटल। असकरे चलैत रहलहुँ। ट्रैफिक के हलचल आ आवाज संग चलैत रहल।

19.10.2018 मेलबर्न



आइ दिन भरि गरमी छलैक। हवा गुम रहैक।

मधु ऑफिससँ अयलीह तऽ थाकल छलीह। आइ ऑफिस पार्टी छलैक। ऑफिस पार्टी के मतलब ऑफिस दिससँ देल गेल शराब पार्टी। मधु हैंगओवर मे छलीह। पूरा दुनियामे सबसँ बेसी शराब के खपत भरिसक ऑस्ट्रेलिएमे होइत छैक।

किचेन के सामान आनऽ हम सभ मार्केट सेंटर गेलहुँ। मधु गाड़िएमे बैसल रहि गेलीह। चलक मन नहि केलकनि। हम आ सौम्य सामान कीनि कऽ बाहर निकललहुँ तऽ देखलिऐक पानि पड़ि रहल छैक। दौड़ कऽ गाड़ी लग गेलहुँ। मधु गाड़ी लॉक कऽ कए सूति गेल छलीह। सौम्य के नॉक केला पर निन्न टुटलनि। शराब के असर अखनो खतम नहि भेल छलनि।

20.10.2018 मेलबर्न

भोरे निन्न टूटल तऽ देखलिऐ पानि पड़ि रहल अछि आ जोर जोरसँ हवा चलि रहल अछि। आइ चिड़ियाघर जेबाक प्रोग्राम रहय। टिकट लेल छल। भविष्यवाणी अछि जे आइ दिन भरि पानि पड़ैत रहत। एहन मौसममे चिड़ियाघर जेनाइ ठीक नहि रहत। हँ, मेलबर्न के सबसँ बड़का मॉल चैडस्टन जा सकैत छी। राहुलसँ भेंट कऽ सकैत छी। रच्छ रहल जे टिकट दूरि नहि भेल। चिड़ियाघरक टिकट एक साल धरि चलत। कतेक बढ़िया नियम छैक। जँ एहन नहि होइतइ तऽ एक आदमी के दू हजार टाका बरबाद भऽ जइतइ।

अढाइ बजे मौसम कने ठीक भेलै तऽ निकललहुँ। चैडस्टन आखिरी छोर छिऐक सिटी के। विशाल मॉल। जॉन आ मायर–इएह दू टा स्टोरमे चारि घंटा कोना बीत गेल, तकर थाह नहि लागल। सेंटेक स्टॉल तऽ एक सौ। तहिना सभ चीजक। गहिकीयो के भारी भीड़। तीस अक्तूबरकें सौम्य के बर्थ डे छियनि। हुनका लेल मधु किछु गिफ्ट किनलथि।

सात बजे साँझमे सिटी के एकटा होटलमे हम सभ जमा भेलहुँ। राहुल, राहुल के पत्नी अश्विनी, बेटी अयस्का, सौम्य, मधु आ हम। ई हमर सभक पहिल भेंट छल। ओ तीनू देखऽ मे बहुत सुंदर। तहिना स्वभाव आ व्यवहारमे स्पृहणीय। राहुल आ अश्विनी सॉफ्टवेयर इंजीनियर छथि। मेलबर्नमे डेढ़ साल सँ छथि। पहिने बैंगलोरमे रहथि। अश्विनी किछु दिन अमेरिकोमे नौकरी कयने छथि। मगर आब मेलबर्नमे बसि जेतीह। बेटी अयस्का अंगरेज भऽ गेल छनि। साढ़े तीन साल भेल छैक आ अखनेसँ अंग्रेजी बजैत छैक।

सौम्य चार्टर्ड एकाउनटेंट छथि आ मधु सॉफ्टवेयर इंजीनियर। पहिने सौम्य मुम्बई आ मधु दिल्लीमे नौकरी करैत छलीह। सौम्य तीन सालसँ

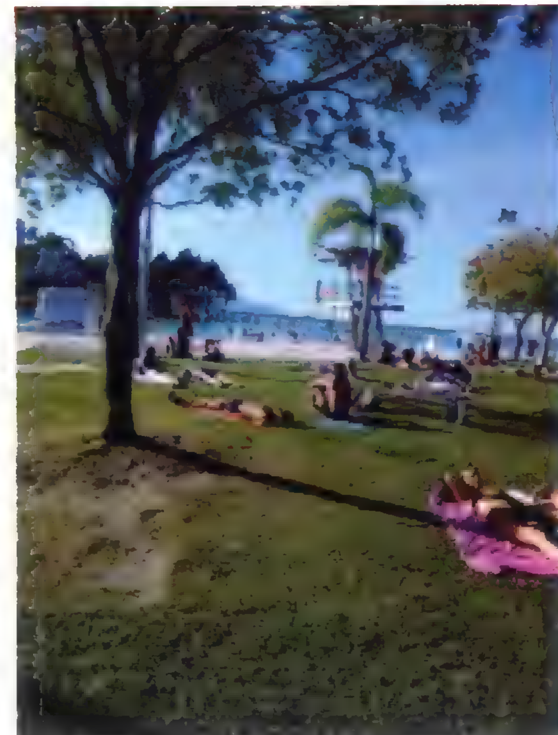
मेलबर्नमे छथि। आ मधु डेढ़ सालसँ। सौम्य अपन घर कीनऽ चाहैत छथि। अखन पता लगा रहल छथि। ओहो एत्तहि बसऽ चाहैत छथि। चारि साल पूरा हेतनि तऽ नागरिकता लेल अप्लाइ करताह।

हम सभ दच्छिन भारतीय व्यंजन खयलहुँ। राहुल पंजाबी व्यंजन। डेढ़ घंटा कोना बीति गेल से पते ने चलल। चलैत काल अयस्का मैथिलीमे बाजल–गोड़ लगैत छी। प्रसन्नता भेल मैथिली अयस्का संगे जीवित रहतीह।

बाहर बहुत तेज ठंढा हवा चलैत रहैक। एक्केटा चद्दरिमे एक दोसरसँ सटल दू टा स्त्री सड़क पर चलल जाइत छलि। बहुत संभव जे लेस्बियन हो।



21.10.2018 मेलबर्न



रावण के पुतलादहन, जे भारतमे परसूए भेलै, से मेलबर्नमे आइ भऽ रहल छैक। रॉकबैंड दुर्गा टेम्पुलमे आठ बजे साँझमे पुतला दहन हेतैक। आइ काल्हि मेलबर्नमे साढ़े आठ बजे अन्हार होइत छैक। आइ रवि छिऐक। छुट्टिए खातिर पुतला दहनकें आगू बढ़ा देल गेलैक।

अमृतसरमे भेल पुतलादहन के त्रासदी सभकें बूझल छैक। सभकें अफसोस छैक। तइयो दस-पंद्रह हजार लोक जुटल अछि।

सौम्य आ हम लेट पहुँचलहुँ। दूरेसँ देखलिऐक आसमानमे रंग-बिरंग के आतिशबाजी भऽ रहल छैक। बारूदी खेल-जे कतहु तमाशा तऽ कतहु मातम बनि जाइत अछि!

22.10.2018 **मेलबर्न**

सवा आठ बजे सौम्य आ मधु ऑफिस लेल विदा भेलथि। तखन खूब नीक रौद रहै। मन भेल कने काल रौद तापि ली। गेटक सटले बाहर ठाढ़ भेल देहमे रौद लगबऽ लगलहुं। ठंढा हवा चलैत रहैक। तइयो रौदमे नीक लागैक। पियरगर रौद के आनंद लैते रही कि गेट फटाकसँ बन्न भऽ गेलैक। सेल्फ लॉक। पल्ला हवामे ठेला गेल रहैक। आब की हेतै? दुश्चिंता आ भयसँ माथ सुन्न भऽ गेल। हैंडिल घुमबैत रहलिऐ, मगर गेट नहि खुजल। एकटा चाभी सौम्य लग आ दोसर घरक भीतरे बंद भऽ गेल। संगमे मोबाइलो नहि अछि जे फोन करबै। ने नंबर मोन अछि। बुझायल जेना आइ बताह जकाँ भरि दिन भटकऽ पड़त। अगल-बगल वला कोनो पड़ोसियोकें कहियो नहि देखलिऐ जे जान-पहचान भेल रहैत। ने संग मे एक्कोटा पैसा अछि। विचित्र फाँसमे पड़ि गेल छी।

मोन पड़ल आँगन दिसका शीशा वला शटर खुला छैक। आँगन सात फीट ऊँच मोटका फाइबरसँ घेरल छैक। जँ कोनो विधिएँ फानि सकी तऽ घरमे प्रवेश कऽ सकैत छी। घूमिकऽ पछुआर दिस गेलहुं। मनमे आशंका अछि जे जँ क्यो देबाल फनैत देख लेत आ पुलिसकें बजा लेत तऽ भारी झमेलामे पड़ि जायब। लेकिन दोसर कोनो उपाय नहि छैक।

देबालसँ सटल युक्लिप्टस के एगो गाछ छैक। आइ पहिल बेर बुझायल जे एहि गाछ पर पएर रोपबाक कोनो गर नहि होइत छैक। बड़ी काल धरि कोशिश करैत रहलहुँ, लेकिन देबाल पर चढ़ि नहि भेल। मनमे निराशा आ डर पैसि गेल। की कयल जाय सोचैत रहलहुं। हठात कचड़ा वला ढोल पर ध्यान गेल। देखलिऐ ढोलमे

पहिया लागल छैक। ओकरा गुड़का कऽ अनलहुँ। देबाल आ गाछमे सटा कऽ ठाढ़ कयलहुँ। फेर सभ चीज कें संतुलित करैत ढोल पर चढ़लहुं। दम फूलि गेल। हाथ-पएर काँपय लागल। कने स्थिर भेला पर देबाल पर पोन रोपलहुँ आ अजमा कऽ कूदि गेलहुँ। बाँचि गेलहुँ। हाथ-पएर नहि टूटल। लेकिन ई भयावह अनुभव मनकें घोर केने रहल।



सौम्य ऑस्ट्रेलियामे बसऽ चाहैत छथि। मधुओ बुझै छथि जे ने तऽ जीवनक दृष्टिएँ, ने पाइ के दृष्टिएँ-कोनो हिसाबें एहिठामक परतर भारत नहि कऽ सकइए। लेकिन मधुकें डर होइ छनि। एतुक्का सामाजिक आ व्यक्तिगत निस्संगतासँ मधुकें डर होइ छनि। हारी-बीमारीमे एतय क्यो संग देबऽ वला नहि। होटलसँ खाना मंगाकऽ घर पर खायब ततेक महग छै जे बिका जायब। भारतमे अहाँ दाइ-नौकर राखि सकै छी।

फोन पर आर्डर दऽ कऽ खाना घर पर मंगबा सकै छी। आंग-समांग भेला पर यार-दोस्त हाजिर रहत। ऑस्ट्रेलियामे ई सभ सपने सन लगैत अछि।

इंडियामे पाबनि-तिहारमे अहाँ अपन गाम-घर जा सकै छी। होली, दसहरा आ दीवाली सम्पूर्ण उत्साह आ उमंग संगे मना सकै छी। विदेशमे सब त्यौहार खंडित, अपूर्ण आ झुझुआन बुझाइ छै। उत्साह आ आनंददायक परिवेशसँ रहित। फिक्का!

आस्ट्रेलियामे रियल इस्टेट (जमीन-घर) के दाम उतार पर छै। पछिला एक सालमे सिडनीमे छह प्रतिशत तऽ मेलबर्नमे चारि प्रतिशत दाम गिरल छै। लेकिन अखनो ततेक महग छै जे लोग कीनि नहि पाबि रहल अछि।

मधु डिस्ट्रेस प्रॉपर्टी कीनऽ चाहैत छथि। जेना उत्तराधिकारी विहीन जमीन आ घर, तलाकशुदा दम्पतिक घर, नीलामी सम्पत्ति आदिकें डिस्ट्रेस प्रॉपर्टी कहल जाइ छै। एहन संपत्ति सस्त होइ छै। मधु कहिकऽ रखने छथि। जहिया मौका एतै, ओ आदमी खबर करतनि।

आइ महेन्द्रसँ गप्प भेल। लेखक आ प्रोफेसर महेन्द्र झा, जे हमर लंगोटिया दोस छथि। सूचना देलथि जे जून-जुलाइ के पेंशन आयल अछि।

महेन्द्रकें होइ छनि जे हमर ऑस्ट्रेलिया प्रवास साहित्यिक दृष्टिसँ ऊर्वर हो। केदार, कामता, विनय कुमार झा, वैद्यनाथ झा आ आन अनेक गोटयकें होइत छनि जे हम खूब लिखी। 'मडर' उपन्यासक पहिल अंश, जे अंतिकामे मार्च 2016 मे छपल छल, ओकर बाकी अंश अखन धरि नहि लिखल गेल अछि। ओकरा पूरा कर' लेल केदार पचासो बेर कहने हेताह। आइ महेन्द्र सेहो कहि रहल छथि।

पता नहि ओ उपन्यास केहन हेतै। हम बहुत आश्वस्त नहि छी। ओकर ढाँचा (form) ठीक नहि बुझा रहल अछि। होइ-ए जे ओहि ढाँचामे पात्र सभ बहुत उन्मुक्त भऽ कऽ अपन व्यक्तित्वक प्रसार नहि कऽ सकत। देखल जेतै। केदार ओकर फोटो व्हाट्सएप पर पठौताह, तखन देखबै।

सौम्य ऑफिससँ आबिकऽ कल्हुका तैयारीमे लागि गेल छथि। काल्हि नौ बजे एकटा इंटरव्यू छियनि। लैपटॉप पर ओहि कंपनी के प्रोफाइल देखि रहल छथि।

मधु डिनर तैयार कऽ रहलि छथि। आइ मटर-पनीर के सब्जी बना रहलि छथि। ओ रोज नव व्यंजन बनबैत छथि।

हम टहलइ लए निकलि जाइ छी। दिन भरि मेघ लगेने रहै आ हवा चलैत रहै। अखन बाहरमे बहुत ठंढा छै।

आइ एगो नव उपन्यास लिखब शुरू केने छी। नाम अखन फुरायल नहि अछि।



केदार उपन्यास अंश के फोटो पठा देने छथि। पढ़िकऽ देखलिऐ। बेजाय नहि बुझायल। सच्चिदानंद सच्चूकें 'मडर' के अंश बहुत नीक लागल छलनि। प्रशंसा करैत एकटा मैसेज पठेने छलाह। ओना तऽ जा धरि पूरा नहि होयत, ता धरि नीक की आ बेजाय की! लेकिन पढ़िकऽ भेल जे एकरा पूरा कयल जा सकइए। अखन तऽ एकटा शुरू कऽ देने छी। बादमे देखबै।

पुनर्वास (सुपौल) वला खेतक धान दस दिनमे कटि जेतै। धनकटनी के बाद माटि भरबा सकै छी। जँ अखन नहि भरेबै तऽ बटेदार कोनो फसल बाउग कऽ देत। फेर कइएक मास के बादे भरल जेतैक। दू गोटयसँ गप चलि रहल अछि। सूनामे केहन काज करत, पता नहि। माटि केहन देत, नहि देत। पैसा टानिकऽ ठकि ने लिअय। धोखा ने दऽ दिअय। सब तरहक दुविधा आ चिंता घेरने अछि।

मेराथन के बाद मधुकें ठेंगहुनमे दर्द शुरू भेलनि। आइ सात बजे साँझमे डॉक्टर संगे एप्वाइंटमेंट छनि। सौम्य आ हम टहलय निकलि जाइ छी। मधु डॉक्टर लग जाइ छथि। डॉक्टर एक्सरे करबाबऽ कहलकनि-ए। काल्हि करबौतीह।

हम सभ वेरीबी चल जाइ छी। वेरीबीमे एकटा इंडियन रेस्त्राँ छै–करी गुरु। एतुका नान आ माछ–मौंस बढ़िया होइ छै। मधु तीन गिलास व्हाइट वाइन के ऑर्डर दइ छथिन। रेड़ वाइन के टेस्ट हुनका पसिन नहि छनि। ओना एतय बेसी गोटय रेडे वाइन पी रहल अछि। व्हाइट वाइन ऑस्ट्रेलिया के देसी शराब छिऐ। स्वाद ताड़ी जकाँ छै। रेस्त्राँमे सब स्त्री-पुरुष पीबि रहल अछि। इंडियन आ ऑस्ट्रेलियन सब। किछु गोटय पूरा बोतल मंगेने अछि। रेस्त्राँमे बी वाइ ओ लिखल छै जे हमरा लए अबूझ अछि। सौम्य ओकर फुल फॉर्म बतबैत छथि–ब्रिंग योर ओन। मतलब ई जे अहाँ बाहरोसँ शराब आनिकऽ एतय पी सकैत छी। सुनै छिऐ संसार भरिमे सबसँ बेसी शराब के खपत आस्ट्रेलियामे होइ छै। लेकिन एतय लोग पी कऽ बहकै नहि छै।

हम जतय बैसल छी ओकर ठीक सामने सड़क के ओइ पार बोर्ड पर लिखल छै पटेल ब्रदर्स सुपर मार्केट। मधु कहैत छथि एतय बहुत गुजराती छैक।

मेलबर्नमे सुक्कर के साँझ बहुत इतमिनान आ खुशी के साँझ होइ छै। वीक एंड के उत्साह। कोनो हड़बड़ी नहि, कोनो भागदौड़ नहि। बस फुरसत, छुट्टी, आनंद।

27.10.2018 मेलबर्न

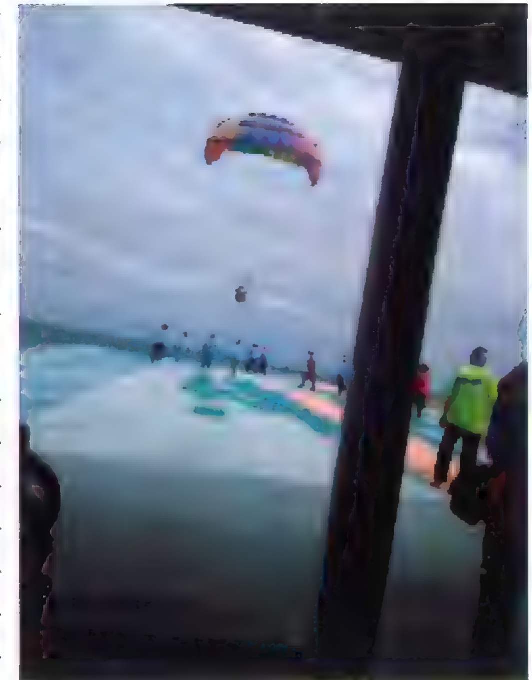
आइ सबेरेसँ मेघ आ हवा छै। मधु लैपटॉप पर सर्च करैत छथि जे प्रॉपर्टी इंसपेक्सन कोन-कोन प्राइम लोकेशन पर होइ बला छै। अखनेसँ देखब शुरू करथिन तबे अनुभव हेतनि जे केहन आ कोन मकान लेब ठीक रहतनि।

हम सभ दुपहरमे निकलि जाइ छी। विलियम्स टाउनमे दू टा प्रॉपर्टी इंसपेक्सन लए ओपेन छै। एकटा बीच के बगलेमे छै। दू परानी अपना आ एकटा बच्चा लए घर बहुत सुंदर छै। दाम बहुत छै–साढ़े आठ लाख डॉलर। लोकेशन सुंदर छै। साँझ–भोर समुद्रक कातेकात टहलि सकैत छी। सामने ओहि पार डॉक एरिया आ सिटी के मनोरम दृश्य देखाइत छै। बगलमे मार्केट छै। मार्केटमे हम सभ गार्लिक ब्रेड आ पिज्जा खाइत छी। सौम्य एकटा जापानी व्यंजन सेहो कीनैत छथि, जे बसियाहा भात आ मुर्गा के बनल अछि। नाम छिऐ–सुसी। सुसी एतय खूब बिकाइ छै।

दोसर मकान जे देखै छी, से पैघ छैक। तीनटा बेड रूम आ कोर्ट यार्ड। गैरेज सेहो पैघ। अखन ओहिमे एकटा रेंज रोभर लागल छै। मकान लेबाक योग्य तऽ छै, मगर पुरान बुझाइ छै।

सब इंसपेक्सन साइट पर सेल्स एक्सक्यूटिभ रहैत छैक जे चार्ट पर अहाँक नाम आ फोन नम्बर नोट करत। एकटा ब्रोशर देत जाहिमे मकान के फोटो आ आन जानकारी छपल रहैत छैक। निर्धारित तिथि धरि मकान नहि बिकायल, तखन नीलामी होइत छैक।

तेसर प्रॉपर्टी इंसपेक्सन साढ़े तीन बजे मेलबर्न पोर्टमे छै। अखन दुइए बजल छैक। हम सभ अलटोना बीच पर चल जाइत छी। ठंढा समुद्री हवा स्वागत करैत अछि। तीन-चारि किलोमीटर लम्बा बीच बड़

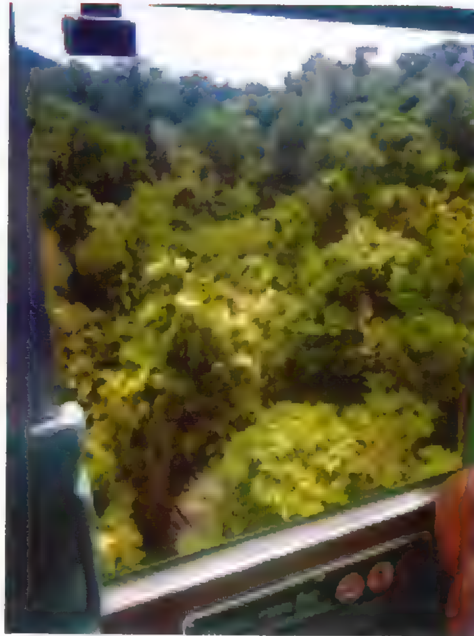


मनोरम छै। सीगल चिचिआइत उड़ान भरि रहल अछि। किछु फ्रेंच फ्राइ के आसमे बाउल पर टहलि रहल अछि। खाइ वला अपन धुनमे खेने जा रहल अछि। ओकरा सीगल के चिंता नहि छैक।

अलटोना बीच के लम्बाइमे सड़क के एक कात हजारो-हजार कार लागल छै आ दोसर कात अनेकानेक डिजाइन वला मकान के पाँति अद्‌भुत लगैत छैक।

अलटोना के बाद हम सभ गार्डेनसेंटर जाइ छी। एहिठाम खाद-बीज आ तरह-तरह के फूल-पत्ती तऽ भेटाइते छैक घरेलू आ दैनिक उपयोग के आन अनेक वस्तु भेटै छै। सौम्य एक-डेढ़ किलो वला खाद के पैकेट और दू टा बल्ब कीनै छथि।

पोर्ट वला घरक लोकेशन बहुत नीक छैक। लेकिन ओ घर कम आ अपार्टमेन्ट बेसी लगैत छैक। दामो बहुत बेसी। हम सभ टहलैत समुद्रक कात चल अबैत छी। मेलबर्न पोर्ट के ई इलाका दू-अढाइ सौ साल पुरान छै। बंदरगाह पर एकटा विशाल क्रूज लागल छै। समुद्रमे सैर-सपाटा वला अनगिनत नाह सेलिंग कऽ रहल छैक। किछु गोटय सी स्कीइंग करैत काल लहर संगे उछलैत आ गोता खा रहल छैक। पोर्ट पर यॉट क्लब छैक। बहुत दूर धरि पसरल ई इलाका रमणीक छैक। आकृष्ट आ सम्मोहित करैत छैक।

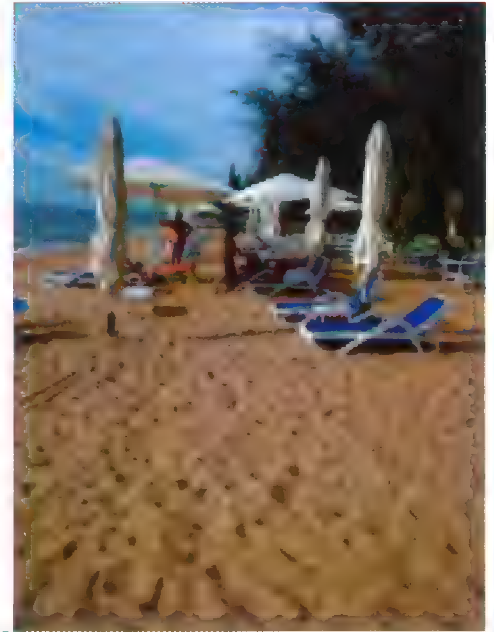


आइ सब दुपहर धरि सफाइमे लागल छलाह। सौम्य दू बजे माछ अनलथि। समुद्री माछ। बारामुंडि। एहि माछमे काँट बहुत कम होइ छै। आकार रौह जकाँ, लेकिन ओतेक काँट नहि। स्वाद ओहन नहि जे मिथिलाक माछमे होइत अछि। पोखरि, चाँप आ धारक माछक ओ अपूर्व स्वाद कतऽ पाबी।

सौम्य आ मधुक घरमे एकटा छोट सनक बार छनि। बारमे अनेक देशक शराब राखल छै। सौम्य आ हम रेड ऑस्ट्रेलियन वाइन पिबैत छी। एहिमे नशा बहुत कम होइ छै। जँ कम मात्रामे पीबी तऽ स्वास्थ्यवर्धक होइ छै।

मधु स्वाइट वाइन पिबैत छथि। रेड हुनका पसिन नहि छनि।

रमण कुमार सिंहकें 'फेर सँ हरियर' काव्य संग्रह पर पुरस्कार भेटल छनि। हुनका बधाइ देलियनि। ओ गुलो के हिंदी अनुवाद कऽ रहल छथि।



मधु आ सौम्य आफिस चल गेल छथि। हम एक पेज के डायरी लिखै छी। फेर तैयार भऽ कए लाइब्रेरी चल जाइ छी। संगमे डायरीनुमा नोटबुक अछि जाहिमे उपन्यास लिखब शुरू केने छी।

घर पर लेखन वला काज ससरैत नहि अछि। आलस होइत अछि। तैं सोचलहुँ जे लाइब्रेरी चल जाइ। ओतय लिखब बाध्यता भऽ जायत।

से भेबो कयल। चारि पेज लिखलहुँ। एतबो रोज लिखि ली तऽ एक महीनामे उपन्यास पूरा भऽ जायत। आइ लाइब्रेरीमे एकटा नव स्थान के पता लागल, जतय चाह आ कॉफी फ्री मे भेटाइ छै। सामान राखल छै, बस बनाकऽ पी लिअऽ। लाइब्रेरी आ अन्य सुविधा एहिठामक नगर परिषद् उपलब्ध करबैत अछि। नगर परिषद्कें एहिठाम विनढम कहल जाइत छैक।

साँझमे मधु केक बनबैत छथि। तीस अक्टूबरकें सौम्य के जन्म दिन छियनि। बारह बजे रातिमे केक कटत।

मेलबर्न सिटी पोर्टमे समुद्रक ठीक सामने एकटा रेस्टुरेंट छैक-मिस्टर लाउरेंस। मधु अही रेस्त्राँमे सीट रिजर्व करबेने छथि। सीट रेस्त्राँ के फ्रंटमे छैक। ओहि ठामसँ समुद्र के बहुत पैघ भाग देखाइत छैक। तट पर घुमैत लोक आ समुद्रमे चलैत जहाज बड़ मनोरम लगैत छैक।

पौने आठ बजे साँझमे जखन हम सभ मिस्टर लाउरेंस पहुँचलहुँ तऽ अन्हार नहि भेल रहै। लेकिन ततेक ठंढा समुद्री हवा चलैत रहै जे बाहरमे ठाढ़ होइ के हिम्मत नहि करै। हम सभ बिना देरी केने सीट पर बैसि गेलहुँ। शीशाक ओहि पार तटक काते कात अर्धनग्नावस्थामे चल जाइत किछु लोकक देखि आश्चर्य भेल। ओहि सभकें ठंढा नहि लगै छै की!

सौम्य, मधु आ हम डिनर करऽ आयल छी। बर्थ डे डिनर। रेस्त्राँमे बेसी लोक नहि छैक। सात-आठ गोटय हेतैक। ताहूमे बेसी ऑस्ट्रेलियाई स्त्री। रेस्त्राँमे किछु पेंटिंग टांगल छैक। ओल्ड लुकिंग थीम प्रेजेंट करबा लेल कतहु-कतहु छेनीसँ देवालमे छेद कऽ देल गेल छैक। ई थीम कोनो सुखद सौन्दर्यक सृष्टि नहि करैत छैक। विकर्षक आ रुग्ण प्रभाव छोड़ैत छैक।

खैर! हमरा सभक सोझाँ रोशनीमे जगमगाइत समुद्र तट अछि। तट पर चलैत जीवनक हलचल अछि।

एहि रेस्त्राँसँ मधुकें खास लगाव छनि। जहिया हुनका मेट्रोमे नौकरी भेटल छलनि, तहिया एत्तहि सेलिब्रेट केने छलीह।

हम सभ एक-एक पेग वाइन आ मोरक्कन डिश लैत छी आ रोशनीमे झिलमिलाइत समुद्र देखैत रहैत छी। सौम्य वाइन नहि लैत छथि। हुनका ड्राइव केनाइ छनि। ओ किछु फोटो खिचैत छथि।

मधु आइ ऑफिससँ सबेर घुरलीह। कहलनि-आइ अहाँकें एकटा अद्भुत जगह पर लऽ जायब। सौम्य जहिया छुट्टी पर इंडियामे छलथि, तहिया हम वीक एंडमे ओतय जाइ आ किताब पढी। ओ जगह हमरा बहुत पसंद अछि। जमीन के एकटा प्लॉटो देखने छी जे किनबाक मन अछि।

चाह पीकऽ हम सभ विदा भेलहुँ। मधुए ड्राइव करैत छलीह। हम सभ घरसँ पन्द्रह-बीस किलो मीटर दूर प्वाइंट कुक के एक छोर पर पहुँचलहुँ। ओहि छोर लगसँ समुद्र शुरू होइत रहै। तट लग पहुँचैसँ पहिने जाहि इलाकासँ गुजरलहुँ से अप्रत्याशित छल। ओ फार्म हाउस वला इलाका छल। दस किलोमीटर धरि खाली फार्म आ फार्म हाउस। सैकड़ो एकड़ के एक-एकटा विशाल भूखंड आ ओहिमे एकटा फार्म हाउस। बेसी खेत खाली। कतहु-कतहु कोनो फसल लागल। घासक एकटा विशाल मैदानमे भेड़ आ गाय चरैत रहै। एहन दृश्य हमरा लेल अभिनव छल।

मधु समुद्रक कछेरमे गाड़ी लगेलथि। बाहर आबिते तेज ठंढा हवासँ सामना भेल। हवामे अजब सड़ल गंध रहै। देखलिऐ काते कात समुद्रक पानि करिछौन रहै। सौम्यकें बुझा पड़लनि जे कोनो टैंकरसँ तेल चूबल हेतै। समुद्रक काते कात दूर दूर पर फार्म हाउस रहै।

मधु ओ प्लॉट देखेलथि जे हुनका पसिन छलनि। प्लॉट रोड के सटल आ समुद्रक सामनेमे रहै। एकटा पिलर गाड़ल रहै जाहि पर लिखल रहै–सेल (sale)। मधुकें पहिने भ्रम भेलनि जे सोल्ड लिखल छैक। तैं एक क्षण लेल अफसोस भेलनि। हमरा लगैत रहल इलाका शहरसँ बहुत दूर आ वीरान छैक।

आइ कनेक सबेरे लाइब्रेरी चल गेलहुँ। एक बजे। काल्हि जाहि सीट पर बैसल छलहुँ से खाली रहय। लेकिन अपन स्थान परसँ कनेक घुसकल आ व्यवस्थित। ई सीट हमर लेखन लेल अत्यंत सुविधाजनक अछि। लगभग चारि पेज रोज लिखैत छी।

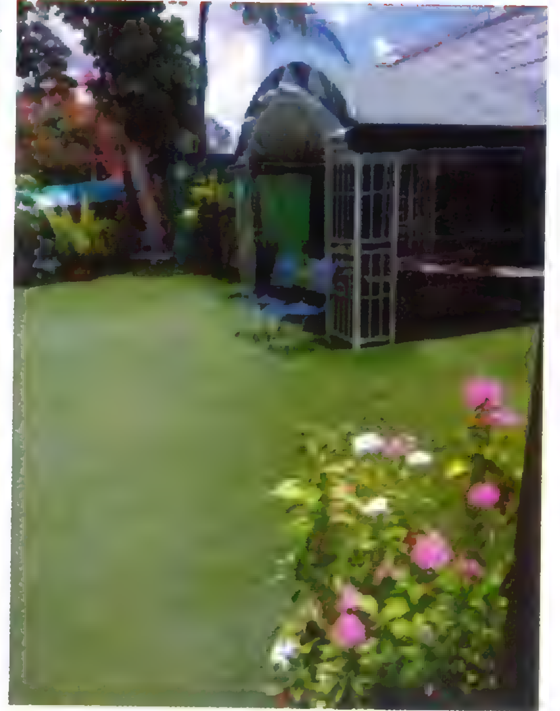
बगल वला सीट पर जे लड़की काल्हि रहय, सैह आइयो अछि। ओकर मुँह हद्दोघड़ी चलिते रहैत छैक। पता नहि की चिबबैत रहैत अछि। कंप्यूटर पर कोनो चीज टाइप करैत रहैत अछि आ रहि-रहिकऽ केश पर हाथ फेरैत अछि। करीब पच्चीस सालक ओ लड़की ऑस्ट्रेलियाई मूल के लगैत अछि।

लाइब्रेरीमे आइ अफ्रीकी अभिवादनक एकटा नव तरीका देखलिऐ। एकटा अफ्रीकी जोड़ा भेंट भेला पर मुट्ठी पर मुट्ठी टकरेलक। लाइब्रेरी के बाहर बहुत तेज हवा चलैत रहै। शीशा के ओहि पार गाछ-पात जोर-जोरसँ हिलैत रहइ। भेल जे आइ घर जाइत काल बड जाड़ होयत। लेकिन बाहर निकलिते देखलिऐ गरम हवा के धुक्कड़ चलि रहल छै। आश्चर्य भेल जे मेघो छै, हबो छै, तइयो आन दिन जकाँ ठंढा नै छै, गरम हवा झोंकने छै।



आइ बुझायल जे आब एतय गरमी शुरू भऽ गेलइ। पछिया हवा चलै छै।

लाइब्रेरीके एकटा भाग एहन छैक, जतय बैसला पर अहाँकें झील देखायत। गाछ-बिरीछ देखायत। प्राकृतिक सुन्दरतासँ भरल एहन रोमांटिक जगह पर बैसि कऽ पढबा-लिखबामे किछु दोसरे तरहक आनंद छैक। तैं ओ भाग कखनो खाली नहि रहैत छैक। पाँच टा टेबुल लागल छैक, पाँचो भरल रहै छैक।



आइ संयोगसँ एकटा खाली रहै, जाहि पर हम बैसि गेल छी।

बीच-बीचमे जे विराम लैत छी तऽ परिवेशक सौन्दर्य ताजगी आ स्फूर्तिसँ भरि दैत अछि।

03.11.2018 **मेलबर्न**

मेलबर्नमे आइ-ए दिवाली छिऐ। भारतसँ चारि दिन पहिनहि। सात तारीखकें मेलबर्नमे छुट्टी नहि रहतै।

तैं आइ-ए भऽ रहल छै। आइ वीकएंड छिऐ। मेलबुर्न के अनेक जगह पर दिवाली के उत्सव मनायल जा रहल छैक।

प्वाइंट कुक, वेरीबी आदिमे। सबसँ पैघ उत्सव सिटीमे हेतैक। अइठाम दीया नइ बारल जाइ छै। खाली नाच-गान आ आतिशबाजी होइ छै।

सौम्य आ हम सिटी लेल विदा होइ छी। मधु हमरा सभकें कारसँ मेट्रो स्टेशन विलियम्स लैंडिंग धरि छोड़ि देतीह।

हम सभ मेट्रोसँ फ्लिन्डर्स स्ट्रीट जायब। ओकरे बगलमे फेडरेशन स्क्वायर छै, जतय उत्सव हेतै। फ्लिन्डर्स स्ट्रीट सिटी के आखिरी मेट्रो स्टेशन छिऐ।

विलियम्स लैंडिग स्टेशन के डिजाइन मेट्रो के डिब्बा जकाँ छै। मेलबर्नमे ई हमर पहिल मेट्रो यात्रा छी। सौम्य माइकी कार्ड कीनैत छथि।

एकटा हमरा लेल आ एकटा अपना लेल। माइकी कार्ड एकटा पास छिऐ जे देखाकऽ अहाँ मेट्रो, बस आ ट्राममे सफर कऽ सकै छी।

चेक प्वाइंट पर जे मशीन छै, तै पर कार्ड रखबै तऽ बेरियर खुलि जायत। अहाँ स्टेशनक भीतर प्रवेश कऽ जायब।

कंप्यूटरमे ईहो दर्ज भऽ जायत जे अहाँ कतऽ चढ़लिऐ। सिटी जाइ वला मेट्रो अपन टाइम पर ठीक सवा तीन बजे खुलि गेल।

सीट पर बैसि गेलहुँ। भीड़ नहि छै। बहुत जल्दिए अगिला स्टेशन आबि गेल—एयर क्राफ्ट। अजीब नाम छै।

सौम्य बतेलथि—ई इलाका एयर फोर्स के छावनी छिऐ। तकर बाद कैक टा स्टेशन आयल। अलटोना, सीहोम, न्यू पोर्ट इत्यादि।

न्यू पोर्टमे एकटा ऑस्ट्रेलियाई महिला हमर सभक डिब्बामे चढ़ल। पैंतीस-चालीस सालक स्वस्थ, मांसल, अधेड़ महिला।

ओ माँगै वाली छल। हरेक पसिंजर लग जाइ आ कहै—एस्क्यूज मी। कैन यू स्पेअर सम चेंज? (माफ करू। अहाँ किछु खुदरा दऽ सकब!)

एक डॉलर, दू डॉलर—जकरा लग रहइ से देलकइ। सौम्यकें भेलनि जे ओ ड्रग्स खातिर मँगैत होयत।

फ्लिन्डर्स स्ट्रीटमे उतरलहुँ तऽ देखलिऐ मुँहमे सिगरेट दबेने ओ सामनेसँ आबि रहल अछि।

ओ दहिना हाथसँ अपन छातीकें मललक जेना छाती दबा कऽ लाइटर ताकि रहल हो। ई भरिसक ओकर कामुक इशारा रहै।

स्टेशनसँ बाहर निकलैत काल फेर माइकी कार्ड मशीनसँ स्पर्श कराबय पड़ल, तखने निकलि भेल।

बाहर एकदम सामने फेडरेशन स्क्वायर वला उत्सव चलैत रहै। कोनो स्कूल के लड़की सभ डांस करैत छल।

ओकर सभक भाव-भंगिमा आ लय-ताल पर देसी-विदेशी दर्शक सेहो डांस कऽ रहल छल।

सजावट बहुत सुंदर रहै। कार्यक्रममे विविधता रहै। मराठी, पंजाबी, राजस्थानी आदि डांस आ गीतनाद के अनेक आइटम रहै।

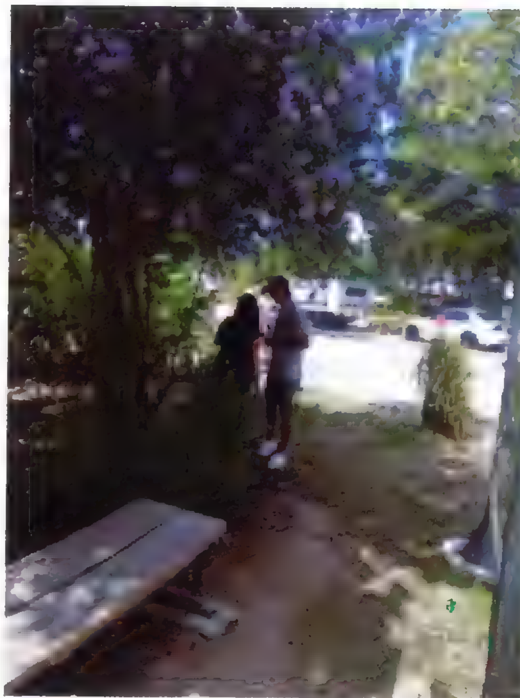
बहुत रास कंपनी प्रचार आ विज्ञापन लेल स्टॉल लगेने छल। एक भागमे बहुत दूर धरि खाय-पिबै के स्टॉल लागल छलै। ग्राउंडमे सेक्यूरिटी के चुस्त इंतजाम।

ऊपर आसमानमे हरेक पांच मिनट पर हेलीकॉप्टरसँ एयर पेट्रोलिंग। दस-पन्द्रह हजार के भीड़।

फेडरेशन स्क्वायर के नीचामे रिभरलैंड छै। एहि पर जे पुल छै से डेढ़-दू सय साल पुरान। नदीमे बोट लागल छै। काते-कात टहलबा लेल खूब चौड़गर रास्ता।

रास्ता के ऊपरमे ड्रिंकिंग बार आ रेस्त्राँ। रिभरलैंड अद्भुत आ

आकर्षक जगह छै।



नौ बाजि गेल छैक। नाच-गाना के कार्यक्रम शिखर पर छै। नगर परिषद् दिससँ घोषणा होइ छै जे मेलबर्न के स्कूलमे आब हिंदी, पंजाबी आ तमिल के पढ़ाइ हेतै।

खुशीमे लोग गर्जना करैत अछि। नाच-गाना के बाद आतिशबाजी हेतैक। कखन हेतै पता नहि। हम सभ थाकि गेल छी। साढे नौ मे मेट्रो छै। हम सभ विदा भऽ जाइ छी।

पौन घंटामे पहुँचब। मेट्रोमे हमर सामने एकटा थाइ दंपति बैसल अछि। दोसर कात दू टा आस्ट्रेलियाई गप्प मारि रहल अछि आ बगलमे महिला मोबाइलमे व्यस्त अछि।

कने दूर पर तीनटा बुजुर्ग भारतीय महिला गप कऽ रहल अछि।

विलियम्स लैंडिग स्टेशन आबि गेल। निकलैत काल माइकी कार्ड मशीन पर रखैत छी। सात डॉलर तीस सेंट कटल अछि।

एहि ठाम भरि दिन अहाँ ट्राम, बस आ मेट्रोमे कतबो यात्रा कऽ लेब तऽ आठ डॉलर तीस सेंटसँ बेसी नहि कटत। ई ओकर ऊपरी सीमा छिऐ।

बाहर कारमे मधु प्रतीक्षा कऽ रहल छथि।

आइ मधु मसाज पार्लरसँ दुपहर बारह बजे के अप्वाइंटमेट लेने छथि। ठेंगहुनमे अखनो हल्का दर्द रहै छनि। डीप टिस्सू मसाज हेतनि। सौम्य सेहो रेमेडियल बॉडी मसाज करबेताह।

हेमोग्लोबिन के स्तरकें सामान्य राखक लेल हमरा मासमे एक बेर एनफो नामक इंजेक्शन लेबऽ पड़ैत अछि। एहिठाम एनफो नहि भेटै छै। ओकर जे स्थानापन्न छै तकर दाम साढ़े पैंतालिस हजार छै। भारतमे एनफो के दाम अढ़ाइ हजार छै। ओहिठाम सरकार सबसिडी दै छै। पार्सलसँ नहि मंगा सकै छी। इंजेक्शनकें एकटा खास टेम्परेचर पर राखय पड़ै छै। कस्टम के झंझट अलग छै। सौम्य दू टा भारतीय निर्यातकसँ गप्प केलथि। लेकिन क्यो तैयार नहि भेल। अखन तऽ तबीयत ठीक अछि। बिगड़ल तऽ भारत वापस जांय पड़त।

सौम्य आ मधुकें पन्द्रह दिनक लेल वियतनाम-कम्बोडिया जेबाक छनि। एक्कैस दिसम्बरकें जेताह। हम अठारह-उन्नैस दिसम्बरकें निकलि सकै छी। फोन पर संजयसँ गप्प भेल। लैपटॉप पर ओ टिकट के पोजीशन देखलथिन। क्रिसमस के कारणे टिकट के दाम बहुत बेसी छै। बिजनेस क्लास के टिकट दू-अढाइ लाखमे भेटि रहल छै। इकोनोमी के पचास-पचपन हजार। पन्द्रह जनवरी तक इएह हिसाब-किताब रहतै। सितम्बर के अंतमे बिजनेस क्लास के दाम सवा लाख रहै।



अखन सभ किछु अनिश्चित छै। देखै छिऐ की होइ छै।

05.11.2018 मेलबर्न

आइ कने सबेर लाइब्रेरी चल अयलहुँ। राति ठीकसँ निन्न नहि भेल छल। थकान बुझाइत अछि।

हाफी पर हाफी होइ-ए। ओंगही लागि रहल अछि। किछु लिखै के मन नहि होइ-ए। आँखि मुनि लइ छी। निन्न नहि होइए।

डायरी आ कलम छोड़िकऽ रूमसँ बाहर निकलि जाइ छी।

डायरी आ कलम क्यो नहि लेत से बुझै छिऐ। मोबाइलो छोड़ि देबै तऽ किछु नहि हेतै।

एहिठाम ओतेक गरीबी नहि छै जे लोक छोट-छोट चीज चोराओत। केहनो काज होउ, एक घंटा के कमसँ कम बाइस डॉलर भेटै छै।

बाइस डॉलर के मतलब भेलै एगारह सौ टाका।

जेम्हर चाह के सामान छै, ओम्हर चलि जाइ छी। पेपर कपमे पानि पीबै छी। चाह बनाकऽ पीबै छी।



घूरिकऽ रूम चल अबैत छी। कने स्फूर्ति बुझा रहल अछि। लिखबाक प्रयास करैत छी। गति बहुत मंथर अछि, तथापि लागल रहै छी।

बीच-बीचमे हाफी होइ-ए। लगइए आब नहि लिखि होयत। घर जाकऽ आराम करबाक चाही। निकलि जाइ छी।

06.11.2018 मेलबर्न

आइ मेलबर्न कप डे छिऐ। सार्वजनिक छुट्टी छै। रेसकोर्समे घोड़-दौड़ हेतै।

काल्हिएसँ मोबाइल पर एस एम एस आबि रहल छै। कोनो घोड़ा पर बीस डॉलर के बारजीत लगाउ। घोड़ा जीत गेल तऽ एक सय अस्सी डॉलर भेटत।

भिनसरे सऽ पानि भऽ रहल छै। एहन मौसममे रेस कोना हेतै?

दू बजे रौद निकलि गेलै। हम सभ दीया बाती कीनै लेल वेरीबी मॉल जाइ छी।



घुरैत काल रेडियो पर रेस के कमेंट्री आबि रहल छै। चौबीस नम्बर के घोड़ा सबसँ आगू छै। तकर बाद सात आ सतरह नम्बर के घोड़ा।

मेलबर्न कपकें शुरू भेनाइ दू सौ सालसँ बेसी भऽ गेल छैक। एहिमे अनेक देश के घोड़ा भाग लैत छैक। रेस देखबा लेल सम्पूर्ण संसारसँ लोग अबै छैक।

आइ दिवाली छिऐ। सौम्य आ मधु पाँचे बजे घर आबि गेलथि। बिजली वला झालरसँ घर-बाहर सजबैत छथि। दीयामे तेल बाती दैत छथि। नौ बजे पूजा होइ छै आ दीया जराओल जाइ छै। अखने अन्हार भेल छै। मेघ आ हवा छै। बाहरमे दीया हवासँ भिड़ल अछि।

मधु खीर बनौने छथि। सौम्य स्वीट इंडियासँ लड्डू आ पिरुकिया अनने छथि। पश्चिमी मेलबर्नमे स्वीट इंडिया के मिठाई बड़ प्रसिद्ध छैक।

आइ नोत अछि। पौने दस बजे सिटी लेल निकलैत छी। विकास, प्रियंका, अभिषेक, निधि आ अश्विनी हमर सभक प्रतीक्षामे छथि। विकास दू बेर फोन कऽ चुकल छथि। ई पाँचो एक्के फ्लैटमे रहैत छथि। सब आइटी प्रोफेशनल छथि आ एतय नोकरी करैत छथि। विकास आ अश्विनी के नोकरी पर खतरा छैक। ओ दुनू भारी चिंतामे पड़ल छथि। कहिया कखन फायर कऽ देल जेतनि तकर कोनो ठेकान नहि।

प्रियंका आ निधि दुनू मिलिकऽ ढोकला, मिस्सी रोटी आदि कैकटा गुजराती आ राजस्थानी व्यंजन बनौने छथि। विकास, अभिषेक आ अश्विनी सहायक भूमिकामे छलाह।

फुलझड़ी आ फटक्का फोड़य लेल एपार्टमेंट के बाहर सड़क पर जा पड़लैक।

टाटासँ निधिक माँ के फोन आयल छैक। निधि भिडियो कॉल पर माँकें पूजा आ सजावटक फोटो देखा रहल छथिन। माँ प्रसन्न भेलथिन।

हम सभ खा-पीकऽ बारह बजे विदा होइ छी। प्रवेश करैत काल एक्सेस के जे प्रॉब्लम भेल रहय से अखन नहि अछि।

आब ओ सभ जुआ खेलेताह।

प्वाइंट कुक मार्केट प्लेस आब बहुत परिचित भऽ गेल अछि। ई बाजार तीन भागमे बांटल छै। एक भागमे वुलवर्थ्स, दोसर भागमे कोल्स आ तेसर भागमे जिम आ लाइब्रेरी छै।

कोल्स वला भागमे बहुत रेस्त्राँ छै। ओपन स्ट्रीट रेस्त्राँ सेहो।

ओपन स्ट्रीट रेस्त्राँमे बैसिकऽ अहाँ खुलापन के आनंद लऽ सकै छी।

सिगरेट पी सकै छी। बगलमे पालतू कुत्ता लऽ कऽ बैसि सकै छी। बेरुपहरमे स्ट्रीट पर चलैतकाल अहाँ सिगरेट पिबैत स्त्री-पुरुषकें देखि सकै छिऐ। कुत्ता के जिंजीर पकड़ने आ ट्रॉलीमे बच्चाकें पाड़ने दम्पत्तिकें देखि सकै छिऐ। चुम्बन आ आलिंगन करैत लड़का-लड़कीकें देखि सकैत छिऐ।

फुटपाथ पर जगह-जगह आम जनता के बैसबा लेल आरामदेह बेंच बनल छै। एहने एकटा बेंच लाइब्रेरी के सामनेमे छै जतय बैसिकऽ हम सिगरेट पिबैत छी। बेंच के सामने एकटा दोकान छैक-लक्स कटर। नामसँ थाह नै लगै छै जे ई नौआ के दोकान छिऐ। दोकानमे पारदर्शी शीशा लागल छै। मेलबर्नमे घर हो कि दोकान सबमे शीशा लागल रहैत छै। पहिल दिन बेंच पर बैसिकऽ सिगरेट पिबैत काल देखलिऐ चारि-पाँच टा महिला आराम कुरसी पर ओंगठल अछि। क्यो केश, क्यो भौंह तऽ क्यो नह के सिंगार करबा रहल अछि। एकटा महिला कंप्यूटर पर झुकल दोकानक हिसाब-किताबमे लागल अछि। ओकर चेहरा कोनो सुंदर भारतीय स्त्री सन लगैत रहै।

ओ सोझ भेल तऽ हमरा दिस तकलक। ओकरा बुझेलै जे हम ओकरा पहिनहिसँ देखि रहल छिऐ। ओ गहिकी लग गेल। फेर आबि कंप्यूटर पर झुकल। कने काल किछु देखैत रहल। फेर जाय लागल तऽ

हमरा दिस तकलक।

हमर सिगरेट खतम भऽ गेल। उठिकऽ विदा भेलहुँ। शीशाक काते-कात जाइत हमर छाया के आभास ओकरा भेलै। ओ हमरा दिस तकलक। हम ओकरा दिस तकलिऐ। हमरा डर भेल। ओकरा की भेलै?



09.11.2018 मेलबर्न

आइ लाइब्रेरीमे छलहुँ तऽ मधु के फोन आयल। एतुका लोग फ्राइडे इभनिंग (सुक्कर के साँझ) कें वीक एंड जकाँ छुट्टी रूपमे सेलिब्रेट करैत अछि। विकास एंड ग्रुप मधुकें फोन केने छलै। ओ सभ सनसाइनमे फिल्म देखबाक प्रोग्राम बनेने रहय। मधु हमरा पुछै छलीह जे फिल्म देखब? विलेज सिनेमाजमे 'बधाई हो' लागल छैक। हम कहलियनि जे हमरा लाइब्रेरीसँ पिकअप करथि।

लाइब्रेरी छह बजे बन्न भऽ गेलै। तखन हवा आ पानि बहुत तेज रहै। फोन आयल जे हम नेनडोजमे प्रतीक्षा करी। नेनडोज एकटा रेस्त्राँ छिऐ जे लाइब्रेरीसँ लग छैक। हम रेस्त्राँमे बैसल छी। बाहर पानि पड़ि रहल छै।

एहि रेस्त्राँमे अखन तीन टा अफ्रीकी परिचारिका छैक। अफ्रीकनकें जँ हब्शी या ब्लैक कहबै तऽ ओ सभ नाराज भऽ जायत। सबें अफ्रीकन कारी आ लंबा होइत अछि। बहुत कम्मे एहन होइत अछि जकर गढ़नि नीक होइत हो। ई संयोगे छिऐ जे रेस्त्राँमे महजूद अफ्रीकी युवती सुंदर छलि।



हम सभ भोजन अखने कऽ लैत छी। घर घुरैत-घुरैत रातिक एगारह-बारह बजि जायत। सनसाइन पहुँचिकऽ देखै छिऐ ओ पाँचो आयल छथि–विकास, प्रियंका, अभिषेक, निधि, आ अश्विनी। हॉलमे दर्शक कम छैक। फिल्म लगनाइ दू-तीन हफ्ता भऽ गेलै तें भीड़ नहि छैक। फिल्म के थीम नव आ मनोरंजक छैक।

आइ सौम्यकें विक्टोरिया हार्बर जेबाक छनि। एक बजे सीपीए के मीटिंग छिऐक। हमहूँ हुनके संगे निकलैत छी। ओ मीटिंगमे जेताह आ हम मेलबर्न लाइब्रेरी चल जायब। दुनू बिल्डिंग एक्के ठाम छैक।

लाइब्रेरी हार्बर के कछेर पर छैक। बहुत आकर्षक दृश्य छैक। हार्बरमे लागल अनगिनत क्रूज आ मोटरबोट समुद्र-यात्रा पर निकलबाक जेना आमंत्रण दैत हो। रंग-बिरंग के गगनचुम्बी महल तीन दिससँ हार्बरकें घेरने छैक। एकटा महिला मूवी कैमरासँ हार्बर के अनेक ऐंगिलसँ फोटो खींच रहलि छैक।

एकटा क्रूज लग स्त्री-पुरुषक झुंड ओहि पर सवार होइ के प्रतीक्षामे छैक। एकटा मोटरबोट पर छेहा लड़की सबार छैक आ काँय-कचबच कऽ रहल छैक। पता नै कोन द्वीप, कोन देस जेतै?

हार्बर के काते-कात अनेक रेस्त्राँ छैक। अनेक देशक स्त्री-पुरुष रेस्त्राँमे शराब पीबि रहल अछि, खा रहल अछि। पर्यटक आ मोसाफिरक चहल-पहल छैक।

सौम्य के मीटिंग तीन बजे खतम भऽ गेलनि। हम सभ ट्राम पकड़िकऽ एलिजाबेथ स्ट्रीट जाइत छी। फेर पैदले फ्लिंडर्स स्ट्रीट आ यारा नदी टपैत यूरेका स्काई डेक जाइत छी। ई टावर ऑस्ट्रेलिया के सबसँ ऊँच बिल्डिंग छिऐ। ई अठासी मंजिला छैक। चौबीस डॉलर के टिकट लऽ कऽ अहाँ ऊपर जा सकैत छी। लिफ्ट ततेक तेज चलैत छैक जे अहाँ दस मिनट के भीतर सबसँ ऊपर पहुँचि जायब। ओतयसँ पूरा मेलबर्न देखाइत छैक।

मेलबर्न के उत्तर आ पच्छिम मे डैनडेनौंग (DANDENONG) पहाड़ के शृंखला छैक।

दक्षिण आ पूबमे तसमान सागर छैक। यूरेका स्काई डेक के अठासीयम तल्ला परसँ पहिल बेर नीचा देखला पर डर होइ छैक। शीशा वला देबालमे सटऽमे डर होइ छइ। शीशा के क्यूबिकल (कोठली) जे टावर के बाहर निकलि कऽ हवामे लटकि जाइ छैक, से तऽ बड़ भयावह छैक। होइ छइ जेना आसमानसँ सीधे धरती पर खसि पड़ब।

स्काईडेक पर चारो बगल दूरबीन लागल छैक। दूरबीनसँ महत्वपूर्ण स्थल सभ देखल जा सकैत अछि। सबसँ आकर्षक यारा नदी छैक जे डैनडेनौंग पहाड़सँ शुरू भऽ कऽ मेलबर्न सिटी के बीचसँ गुजरैत तसमान सागरमे मिलि जाइ छैक। यारा नदीमे बोटिंग आ फेरी सर्विस के सुविधा छैक। नदी के दुनू कात बैसबाक जगह, बार आ रेस्त्राँ छैक। फ्लिंडर्स स्ट्रीट आ यूरेका के बीच चलैत जीवन-लीला अद्भुत छैक। एहिठामक साँझ बहुत मनोरंजक आ रंगीन होइत छैक।

फ्लिंडर्स स्ट्रीट के सामने यारा नदी पर लकड़ी के पुल छैक। ओहि पुल के बीचोबीच नीचामे लटकल एगो रेस्त्राँ छैक। रेस्त्राँमे बहुत रास स्त्री-पुरुष शराब पी रहल छैक।

नदी के ऊपर पुल आ पुलमे लटकल रेस्त्राँमे मदिरापन करैत नर आ मादा अनुपम दृश्य उपस्थित करैत छैक।

यारा के पुबरिया भागमे बहुत रास कलाकार अपन कला के प्रदर्शन कऽ रहल अछि। एक आदमी नॉर्वेआई पाइप (पिपही) बजा रहल-ए।

थोड़े दूर पर एकटा चित्रकार एक आदमी के पोट्रेट बना रहल अछि। कनेक आगू गेला पर एकटा गायक गिटार बजबैत अंगरेजी गीत गाबि रहल अछि।

पुल लग एकटा बाजीगर अपन करतब देखा रहल अछि। ओ ठोर पर जरैत लुकाठी रखने अछि आ लुकाठी खसय नहि से प्रयास कऽ रहल अछि।

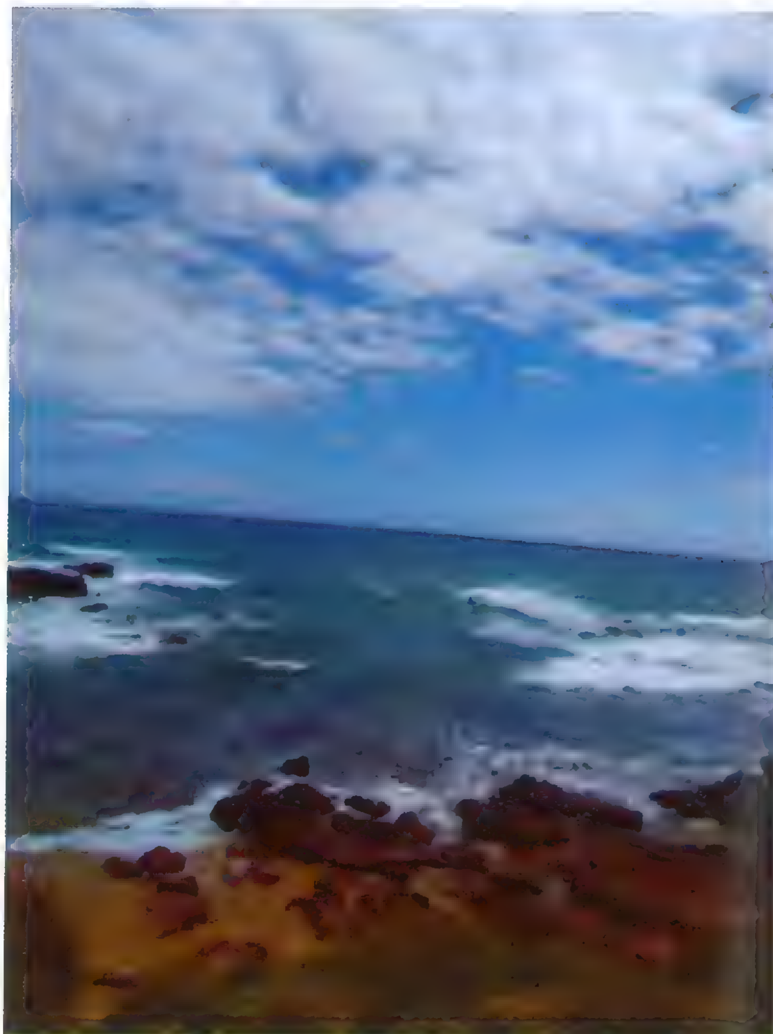
दोसर करतब सोंटा के देखबैत अछि। सोंटा चलबैत छैक तऽ फटाक के आवाज होइत छैक। चाहे देहे पर किएक ने चलबैत हो। ओ हृष्ट-पुष्ट आ कठगर जवान रहय।

ओ सोंटा वला करतब देखाबिते रहय तखने बगलसँ एकटा स्त्री-पुरूष के जोड़ा निकललै। ओ करतब देखेनाइ छोड़ि देलक।

ओहि जोड़ा दिस इशारा करैत बाजल–लुक, ही इज माइ ग्रेट टीचर। एवरी डे, व्हेन आइ सी हिम, ही इज विद ए न्यू वुमन।

(देखियौन, हमर महान गुरुकें देखियौन। ई रोज एगो नव मौगीकें पटिया अनैत छथि)

ओ जोड़ा पलटिकें देखबो नहि कयलक। चल जाइत रहल।



11.11.2018 मेलबर्न

सोलह नवम्बरकें हम सभ क्वींस लैंड जायब। ओहि ठामक मूंगा चट्टान प्रसिद्ध छैक। वएह देखबाक अछि। ओतौके लेल सूती पेंट (शॉर्ट्स) आ टीशर्ट किनबाक अछि।

हाइ प्वाइंट शॉपिंग सेंटरमे नव-नव सूती कपड़ा आयल छैक। ओत्तहि जाइत छी। शॉपिंग कयलाक बाद बेल स्ट्रीट कैंटीनमे लंच करब। एहि कैंटीनमे नेपाली व्यंजन भेटइ छैक। एकर प्रस्ताव स्वस्तिका आ आनंद दिससँ आयल अछि। हुनका दुनूकें नेपाली कनेक्शन छनि। नेपाली बजितो छथि।

हाइ प्वाइंट बहुत विशाल छैक। लोको बड़ आयल छैक। एकटा जापानी स्त्री बड़ छुछुम टॉप पहिरने छल। ओकर स्तनक आधा ऊपरका भाग खुला आ उत्तेजक रहैक। जखन ओ पहीरि कऽ निकलल होयत, तखन ओहि अर्धनग्न अवस्था के कामुकता पर ओकर ओतेक ध्यान नहि गेल हेतैक। लेकिन जखन निकलि गेल आ भीड़क बीच आयल तखन नग्नताक गंभीर बोध भेलैक।

स्त्री हमर आगूसँ गुजरल तऽ देखलिऐ ओ छातीकें हाथसँ झाँपने अछि। हमरा भेल कतहु हमरे देखिकें तऽ ने झाँपलक? हम पलटिकें देखलिऐ जे ओ छाती पर हाथ रखनहि अछि कि नहि। ओकर सामनेसँ कैक गोटय गुजरलै। ओ तखनो हाथसँ छाती झाँपने रहय। हमरा भेल ओकरा पुरुष मात्रसँ लाज भऽ रहल छैक।

हाइ प्वाइंटसँ पैस्को भेल साउथ (PASCOE VALE SOUTH) बहुत दूर छैक। पैंतालिस मिनट के ड्राइव के बाद बेल स्ट्रीट कैंटीन आयल। हम सभ नेपाली व्यंजन मोमो (MOMO) खयलहुँ। कैंटीन दुइये गोटय मिलिकऽ चलबैत अछि। मियां-बीबी। आनंद कहैत छथि एहिठाम

नौकर नहि आनि सकैत छी। कैंटीन बहुत प्राइम लोकेशन पर छैक। एकटा अत्यंत व्यस्त-चौक पर।

हम सभ अपन-अपन कार दिस निकलैत छी। दुइए मिनट बाद आनंद फोन करैत छथि। मधु लेल ओ मौजा अनने छलाह जे गाड़िएमे छूटि गेल रहैक। ओ मौजा लऽ कऽ कैंटीन लग अयलाह। ओ साधारण मौजा नहि रहैक। ओ हैप्पी सॉक्स रहैक। हैप्पी सॉक्स लऽ कऽ मधु एकटा हैप्पी हग आनंदकें देलथि। घर पर मधु मौजा पहीरिकऽ हमरा देखबै लेल अयलीह। पुछलथि–केहन छैक?

मौजा पर रंग-बिरंगा चित्र बनल रहैक। ओ कहलथि–हैप्पी सॉक्स पहीरि कऽ जीवन हैप्पी होइत छैक। हमरा होइत रहल लोकक जीवनमे कोनो-कोनो अंधविश्वासो सुखकर भऽ सकैत अछि।



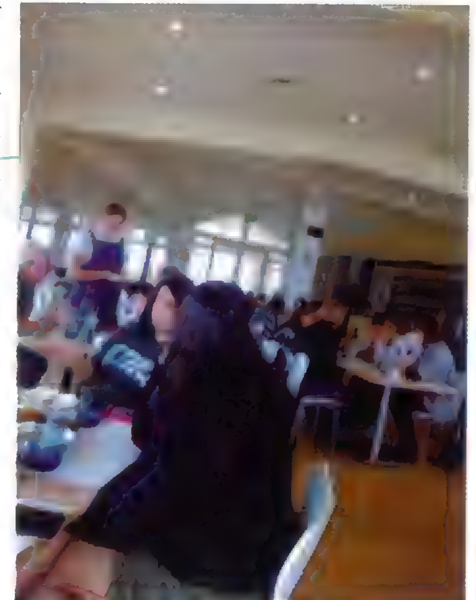
12.11.2018 मेलबर्न

सौम्यकें आइ साढ़े दस बजे इंटरव्यू छनि। जॉब चेंज के पछिला बेर जे इंटरव्यू देने छलाह तकरे सेकेंड राउंड। तैयार होइमे लेट भऽ गेलनि। बिना जलखइ केने निकलि गेलाह।

डेढ़ बजे जखन हम भोजन करैत छलहुँ तऽ मधु के फोन आयल। हमरा भेल रूटीन फोन अछि। ओ रोज पूछै छथि भोजन कयलहुँ कि नहि। लेकिन रूटीन फोन नहि छल। मधु चिंतित छलीह। सौम्य ने तऽ फोन उठबैत छनि ने मैसेज के कोनो जबाब दैत छनि। हुनका भेलनि भऽ सकइए घर आबि गेल होथि।

मधुक फोन हमरो चिंतित कऽ देलक। सौम्यकें की भऽ गेलनि?

बहुत रास आकस्मिताक अंदेशा दिमागकें मथैत रहल। भोजन केलाक बाद फोन केलियनि। कहलथि–कैंटीन मे छी खानाक आर्डर देने छिऐ।



इंटरभ्यू तीन घंटा चललै। तैं मधुसँ संपर्क नहि कऽ सकलाह। अखन गप्प भऽ गेल छनि।

आइ ऑफिसो नहि जा सकलाह।

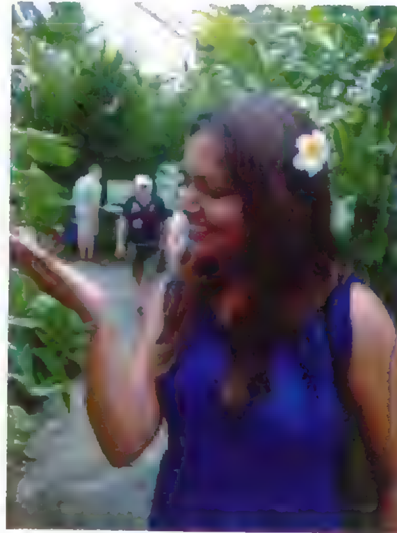
खैर, सुरक्षित छथि।

आइ मेघौन छैक आ गरम हवा चलि रहल छैक।

राति ठीकसँ निन्न नहि भेल। कखनो गरमी तऽ कखनो ठंढा लगैत रहल। काल्हि कतौ घूमइयो लए नहि निकलल छलहुँ। सुस्ती आ कमजोरी बुझा रहल अछि।

सोचने छलहुँ खाकऽ सूति रहब। लेकिन निन्न नहि भऽ रहल अछि। पड़ल-पड़ल मन अकच्छ भऽ गेल। एहिसँ नीक जे लाइब्रेरी चल जाइ। तैयार भऽ कऽ निकलि जाइ छी। तेज गरम हवा चलि रहल छै।

लाइब्रेरी जाइत-जाइत कंठ सुखा गेल। ठंढा पानि पिलहुँ। भेल जे चाहो बनाकऽ पीबिए ली। कने फुरती आबि जायत। चाहक कप लऽ कऽ बगल वला हालमे चल गेलहुँ। हॉलमे सेंसर लागल छैक। अहाँ जहिना प्रवेश करबै, तहिना लाइट जरि जायत, एसी चलऽ लागत। निकलि जेबै तऽ सब ऑफ।



हॉलमे जाइते शीशाक ओहि पार प्रेमी युगल पर नजरि पड़ल। ओ दुनू बेंच पर बैसल प्रेमालापमे डूबल रहय। लड़का लड़की पर झुकल ओकर डाँड़ पकड़ने रहैक। हम सोफा पर बैसि गेलहुँ। ओ दुनू अखनो हमर दृष्टिक परिधिमे छल। चाह पिबैत रहलहुँ। जखन उठलहुँ ओ दुनू हमरा देखलक। लेकिन निर्विकार भावसँ बैसल रहल।

आइ सौम्य अपन मित्र जसवंत सिंह संगे अयलाह। आइटी प्रोफेशनल जसवंत दिल्लीक वासी छथि। कंपनी एक हफ्ता लेल मेलबर्न पठेने छनि। एक बेर पहिनहुँ आयल छलाह। आब चल जेताह। अही मासमे विवाह हेतनि। दिल्ली घुरैसँ पहिने सौम्य हुनका डिनर पर आमंत्रित कयने छनि।

जसवंत शाकाहारी छथि। तें मधु भेज बिरयानी बना रहल छथिन।

सौम्य तारबूज के रस निकालैत छथि। रस पीलाक बाद हम सभ काजू, किशमिश आ नमकीन संगे रेड वाइन पिबैत छी।

जाहि लड़की संगे जसवंत के विवाह हेतै से इसाई छिऐ। प्रेम-विवाह भऽ रहल छैक। शुरूमे थोड़े कठिनाइ भेलै, लेकिन बादमे दुनू परिवार तैयार भऽ गेलै। एंजेलीना सेहो आइटी प्रोफेशनल छिऐ आ दिल्लिएमे नौकरी करैत छैक। धर्म-परिवर्तन के चक्कर नहि छैक। यज्ञो हेतै आ चर्चमे प्रार्थना सेहो। भोजनमे भेज-नॉनभेज के भेदसँ कोनो दिक्कत नहि हेतै। जकरा जे मन हेतै से खायत।



वैवाहिक समस्या के एहन सहज मानवीय समाधान सुनिकऽ प्रसन्नता भेल। बाद मे की हेतै, किं नहि से सोचि कऽ लोक किएक परेशान होयत। जे हेतै देखल जेतै।

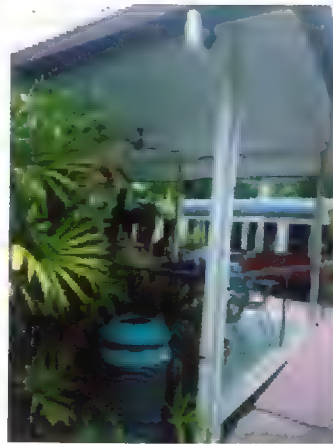
जसवंत प्रसन्न छथि। जाइत काल आग्रह करैत छथि—अंकल, दिल्ली जरूर आयब। एंजेलीनाकें आशीर्वाद देबै।

आइ सौम्य ऑफिससँ घुरलाह तऽ कहलनि एकटा समस्या भऽ गेल अछि। जाहि फ्लाइटमे हुनका दुनूक वियतनाम के टिकट छनि, से फुल भऽ गेल छैक। हमरा दोसर फ्लाइटसँ जाय पड़त। विदेशमे समय आ स्थान के तालमेल बैसायब भारी झमेला ने भऽ जाय! तैं हमर पहिल प्रतिक्रिया तऽ भेल जे हम कतहु नहि जाइ। मेलबर्न मे असकरे रहि जाय। पन्द्रह दिन असकर बितायब बहुत कठिन नहि हेतै।

लेकिन सौम्य कहलथि जे नहि जायब तऽ वियतनाम, कम्बोडिया, लाओस, थाइलैंड सभ छूटि जायत। फेर कहिया मौका लागत, नहि लागत के कहलक-ए।

भेल जे ठीक कहि रहल छथि। अवसर निकलि जायत तऽ अफसोस हएत। फ्लाइट के विकल्प सभ देखऽ कहलियनि।

हुनका दुनूक टिकट एअर एशियामे छनि। ओहि एयरलाइनमे हमरो टिकट भेल। लेकिन हमरा बीस दिसम्बरकें निकलय पड़त। ओ सभ एक्कैसकें निकलताह। हमरा कुआलालम्पुरमे चारि घंटा बैसय पड़त आ दोसर हॉपिंग फ्लाइट लऽ कऽ होची मिन्ह सिटी जाय पड़त।



ऑस्ट्रेलिया वला हमर वीजा सिंगल एंट्री वीजा अछि। तैं हमरा ओम्हरेसँ भारत चल जाय पड़त। सौम्य एअर इंडियामे हमर टिकट बुक करा दैत छथि। हम चारि जनवरीकें बैंकॉकसँ मुंबई चल जायब।

भिनसर चारि बजे निकलय पड़त। कैन्स जायब। कैन्स क्वींसलैंडमे अछि। ई जगह मूंगा चट्टान के लेल प्रसिद्ध अछि।



मधु तीन दिन के लेल एकटा डुप्लेक्स बुक करबौने छलीह। एहि तरहक व्यवस्थाकें एअर बी एन बी (Air bnb) कहल जाइत छैक।

ई होटलसँ सस्ता होइ छैक। लेकिन अखन धरि कंफर्मेशन नहि आयल छनि। तैं चिंतित छथि। रिमाइंडर पठा रहल छथिन।

हमर पैकिंग भऽ गेल अछि। तीन बजे के एलार्म लगाकऽ सूति रहब।

17.11.2018 (CAIRNS) कैन्स, क्वींसलैंड

आइ भिनसर तीन बजे एलार्म बाजऽ लागल। लेकिन कर्कश नहि, मधुर संगीतक स्वरमे। जे कोनो कंपनीक सिम मधु लेने होथि, एलार्म के धुन बड़ कर्णप्रिय आ मोहक रहैक।

उठबाक मन नहि होइत रहय। बहुत लेटसँ सूतल छलहुँ। लेकिन फ्लाइट हमर उठबाक प्रतीक्षा नहि करत।

सौम्य आ मधुकें चाह के आदत नहि छनि। तें हम अपना लेल चाह बनबैत छी। दोकान या फ्लाइट वला चाह हमरा पसिन नहि होइए।

ऑस्ट्रेलियामे पार्किंग सेहो एकटा व्यवसाय छिऐक। सौम्य अपन कारसँ जेताह। एयरपोर्ट लग बीभूर नाम के पार्किंग कंपनीमे कार पार्क करताह।

कंपनी अपन गाड़ीसँ एयरपोर्ट पठा देतनि। भाड़ा वला टैक्सी एतय बड़ महग होइत छैक। हमरा सभ संगे एक्के भानमे एयरपोर्ट गेनिहार एकटा पंजाबी दंपति छल।

रस्तामे कैकटा स्काइ बस भेटल जे सिटीसँ एयरपोर्ट के बीच चलैत अछि।

बोर्डिंग पास मधु पहिनहि ऑनलाइन लऽ लेने छलीह। आब मात्र सुरक्षा जाँच बचल रहय। आश्चर्य भेल जे आस्ट्रेलियामे सुरक्षा जाँच बस नाम के लेल छैक।

अनेर के रोकटोक आ व्यर्थ के औपचारिकता नहि छैक। यात्री पर अगाध विश्वास छैक। जेट स्टार के विमान मे सवार होइ धरि बहुत कम समय लागल। मेलबर्नसँ कैन्स के सफर साढे तीन घंटा के छैक।

मतलब साढे नौ बजे पहुँचब। लेकिन जखन कैन्स पहुँचब तऽ ओतय साढे आठ बजैत रहतैक। मेलबर्न के समय कैन्ससँ एक घंटा

आगू छैक। कैन्स एयरपोर्ट समुद्र के बगलमे बहुत दूर धरि पसरल छैक।

एतयसँ टोकियो, सिंगापुर, हांगकांग, लंदन, न्यूयॉर्क आदि अनेक शहर के लेल सीधा उड़ान छैक।

कैन्समे भाड़ा पर कार देबऽ वला एगो एजेंसी छैक-एटलस। ओकरे संगे तीन दिन के लेल एकटा कार के ऑनलाइन बुकिंग भेल छैक। एयरपोर्टसँ मधु फोन करैत छथिन।

दस-पन्द्रह मिनटमे ओकर गाड़ी अओतै। लाउंज़ एरिया यात्रीसँ भरल छैक। हम सभ कॉफी पिबैत गाड़ी के प्रतीक्षा करैत छी।

गाड़ी अयला पर एटलस के दफ्तर जाइत छी। मधु फार्म भरैत छथि। पेमेंट करैत छथि। एटलस के महिला कर्मचारी मधुकें कार दैत छनि। कार के टंकी फुल छैक।

परसू साँझमे तेल भरबाकऽ घुरबऽ पड़तै। आब हम सभ क्लिफटन बीच जा रहल छी। ओतहि एयर बी एन बी वला फ्लैट भेटत। मधु ड्राइव कऽ रहल छथि।

बीच लग क्लिफ़टन भ्यूज नाम के कैंपस छैक। सैकड़ो फ्लैट वला कैंपस। केअर टेकर पॉल चाभी लऽ कऽ अबैत अछि।

फ्लैट खोलिकऽ देखबैत अछि आ जरूरी जानकारी दऽ कऽ निकलि जाइत अछि। फ्लैटमे सब आधुनिक सुविधा छैक। हम चाह बनाकऽ पिबैत छी। फेर नहाइत छी। आराम करैत छी।

क्लिफटन बीचसँ डगलस पोर्ट धरि समुद्रक काते कात छब्बीस किलोमीटर लम्बा सड़क छैक। एक घंटा के ड्राइभ।

प्राकृतिक सौंदर्यसँ भरपूर एहि इलाकाक आकर्षक यात्रा पर निकलैत छी। छब्बीस किलोमीटर के एहि दूरीमे अनेक बीच छैक।

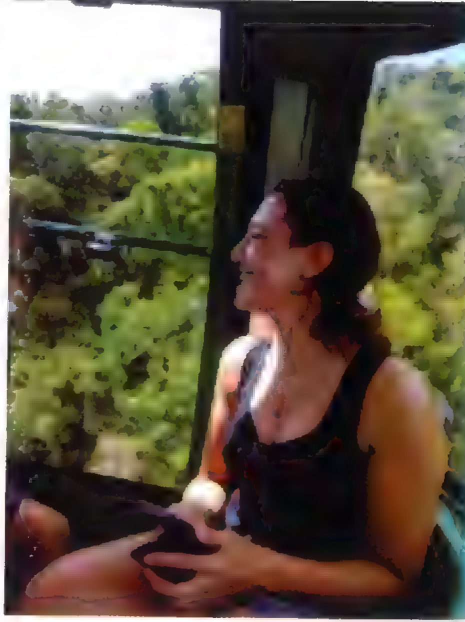
समुद्र, पहाड़ आ जंगल के अनेक नयनाभिराम दृश्य छैक। एकटा रेक्स लुकआउट प्वाइंट छैक, जतय हम सभ रूकैत छी।

ब्लू सी के अनंत विस्तारकें हृदयंगम करैत छी। पारा ग्लाइडिंग(आसमानी झूला) के विस्मयकारी कौतुक देखैत छी।

डगलस बंदरगाह बहुत सुंदर अछि। एक दिस उत्कृष्ट वास्तुकला वला भव्य इमारत के पाँति तकर आगाँ फूलक बाग। बाग के सामने

समुद्रक नील विस्तार आ ओहि पार पहाड़क शृंखला।

ग्रेट बैरियर रीफ, क्वींसलैंड के प्रसिद्ध मूंगा चट्टान छिऐ। ई बीस हजार किलोमीटर के क्षेत्रमे पसरल छैक। चट्टान देखेला के बाद पर्यटककें लऽ कऽ क्रूज सब घूरि रहल छैक।



समुद्रक कतबाहिमे चर्च छैक। चर्चमे एमा आ एलड्रियन के विवाह भऽ रहल छैक।

चर्च के पाछाँ वला कुंजमे घास पर ओंघरायल प्रेमी-प्रेमिका आलिंगनबद्ध अछि। डगलस बंदरगाह के बजार बेस पैघ छैक।

सब तरहक सामान भेटैत छैक। एहिठाम दूटा भारतीय रेस्त्राँ छैक। रेस्त्राँ के मालिक पंजाबी छिऐक। हमसभ सैंडविच खाइ छी।

लेकिन सैंडविच ने तऽ गरम छैक, ने स्वादिष्ट। एकटा पुरुष एकटा स्त्री के कनहा पर हाथ देने ओकर ताबड़तोड़ चुम्मा लेने हमर सभक सामनेसँ जा रहल अछि, जेना कतेक दिनक भूखल हो।

हम सभ पोर्ट डगलससँ विदा होइत छी। कैन्स जायब।

कैन्स पैंसठ किलोमीटर दूर छैक। रास्ता वएह समुद्रक काते कात।

कैंस क्वींसलैंड के प्रमुख आ सुंदर शहर छिऐक। कैन्स के एसप्लेनेड लगून प्रसिद्ध छैक।

ई स्वीमिंग पुल छिऐक। करीब पांच हजार स्क्वायर मीटरमे पसरल छैक। एहि पोखरि के पानि नोनछाह आ रंग नील छैक। नहाइ वला के भीड़ लागल रहैत छैक।

हम सब थाइ रेस्त्राँमे डिनर करै छी आ राति दस बजे क्लिफ्टन पहुँचि जाइत छी।

18.11.2018 — कैन्स, क्वींसलैंड

हम सभ भोर आठ बजे कैन्स बंदरगाह अबैत छी। ओसन फ्रेंड क्रूज के टिकट लैत छी।

क्रूजमे सवार होइते कहइ-ए जूता खोलि लिअ। सामान बॉक्समे राखू। जे कहलक से करइ छी। क्रूज नौ बजे खुजैत अछि। सब बैसल अछि। क्यो नीचा क्यो ऊपर के डेक पर। जे स्कूबा डाइविंग करत तकरा सभसँ फॉर्म भरबाबैत अछि। स्कूबामे रिस्क रहैत छैक। ऑक्सीजन के सिलिंडर ल' क' जाय पड़ैत छैक। स्नोरकेलिंग टिकटमे शामिल छैक।

क्रूज बहुत तेज गतिसँ गंतव्य स्थल दिस जा रहल अछि। क्रूज जखन ऊँचका लहरकें चीरैत अछि त' पानि के छिटकासँ उपरका डेक भीज जाइत अछि। डेक पर ओंगठल कैकटा अर्धनग्न लड़की छिटकासँ भीज क' भागलि। क्रूज के पैंट्री काउंटर पर मौसम्मी, सेब आ बिस्कुट राखल छैक। जकरा जे खाइ के मन छैक से लऽ रहल अछि।

एक-डेढ़ घंटा के बाद क्रूज रुकि जाइत अछि। गंतव्य स्थल आबि गेल छैक। एहिठाम पानि के गहराइ कम छैक। मूंगा के चट्टान सेहो छैक। आ थोड़े दूर पर चहटी छैक, जकरा ई सभ आइलैंड कहैत छैक।

सबसँ पहिने स्नोरकेलिंग होइत छैक। स्नोरकेलिंग सब करैत अछि। हमरे सन दू-चारि गोटय एहन अछि जे खाली तमाशा देखैत अछि। एहिमे आँखि पर चश्मा रहैत छैक जाहिसँ अहाँ पानिक नीचा रीफकें देखि सकी आ मुँहमे एगो पाइप लागल रहैत छैक, जाहिसँ साँस लऽ सकी। पाइप पानिसँ ऊपर निकलल रहैत छैक। जे पूरा डुबकी मारइ-ए, तकरा दिक्कत होइत छैक।

स्नोरकेलिंग के बाद स्कूबा शुरू होइत छैक। एहिमे बेसी गोटय

भाग नहि लैत अछि। स्कूबामे अहाँ एकदम नीचा पानि के तल्ली धरि जा सकैत छी। रीफकें लगसँ देखि सकैत छी। स्कूबा बेसी रोमांचक होइत छैक। सौम्य आ मधु स्नोरकेलिंग आ स्कूबा दुनू इवेंटमे भाग लैत छथि।

बड़ी काल पानिमे रहलाक कारणे कैक गोटयकें थरथरी आबि गेलैक। ऊपरका डेक पर रौद तापैत रहल।

तकर बाद मोटर बोटसँ आइलैंड पर लऽ गेल। तीन खेप। लोग अहूठाम लहर आ रेतमे लोटपोट करबाक आनंद लैत रहल। फोटोग्राफी करैत रहल। जे किछु नहि केलक, खाली ठाढ़ रहल आ पएर के नीचा के बाउलकें ससरैत देखैत रहल से मोहावरा के अर्थ गुनैत रहि गेल।

आइलैंड स्पर्श के बाद लंच आरम्भ भेल। लंच के बाद मोटरबोटसँ रीफ के दर्शन शुरू भेल। बोट के पेनीमे पारदर्शी शीशा लागल छै, जाहिसँ अहाँ नीचाँ के मूंगा चट्टान आ तरह-तरह के रंगीन माछ देखि सकैत छी। समुद्र के तलहटी के रहस्यमय दुनियाकें देखब एकटा विलक्षण अनुभव दऽ जाइत छैक।

आब कोनो एडवेंचर बचल नहि छैक। सब रहस्य आ रोमांच के समापन भऽ गेल छैक। क्रूज वापस पोर्ट दिस जा रहल अछि। लोक अलसायल आ निश्चिन्त अछि। दूटा जोड़ा तऽ कमे जगहमे पटायल रोमांस कऽ रहल अछि।

पैंट्री काउंटर पर अनेक तरहक फल, चाय आ कॉफी राखल छैक। लोक खा-पी रहल अछि। आ गप्प कऽ रहल अछि। हमर सभक बगलमे कैकटा ने विदेशी महिला बैसल अछि। ओहिमे सँ दूटा बेसी सामाजिक अछि। जेस टिया आ बेकी बॉलडॉक। जेस टिया स्विट्जरलैंड आ बेकी बॉलडॉक इंग्लैंड के अछि। जेस टिया गोवा आ पुष्कर मेला घूमि चुकल अछि। पुष्कर के अनुभव विस्तारसँ सुनबैत अछि। ओ दोसर बेर आस्ट्रेलिया आयल अछि। जेस टिया बहुत घुमक्कड़ अछि। ओकरा युद्ध नहि प्रेम चाही। ओकर मान्यता छैक जे प्रेम के बिना सुख संभवे ने छैक।

बेकी बॉलडॉक भारत नहि गेल अछि। आस्ट्रेलिया पहिल बेर आयल अछि। बुझाइ-ए ओ मनोविज्ञान बेसी पढने अछि। ओकरा होइ छैक जे आदमी एक दोसरकें देखिए कऽ बूझि जाइत अछि जे ओ केहन छैक।

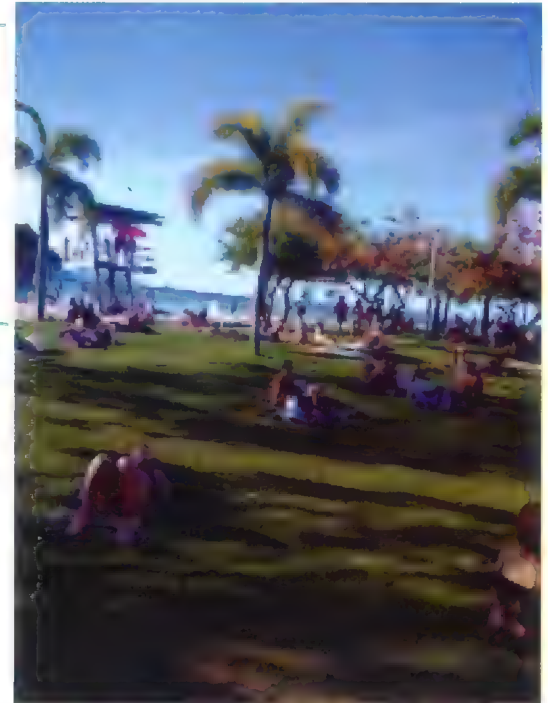
रुचि, पसंद, विचार, स्वभाव आदि देखलासँ बुझा जाइत छैक। ओहि लेल और कोनो परीक्षण के बेगरता नहि छैक।

ओ दुनू भारतीय विवाह तरीका आ ओकर सामाजिक पक्ष पर मधुसँ गप्प करैत अछि। जेस टिया पांच सालसँ लिव-इन-रिलेशनशिप (बिन ब्याह के संग रहब) मे अछि। बेकी बॉलडॉक सेहो अविवाहित अछि। आइ-काल्हि गुस्तायो वेनिज ओकर पछोड़ धेने छैक।

पोर्ट आबि रहल छैक। हम सभ एक-दोसरसँ गला मिलैत छी। आरंभ जेस टिया करैत अछि। बेकी के आलिंगनमे एकटा चुम्बकीय तरंग छैक। कहियो फेर भेंट हेती। अलविदा!

हम सभ एस्प्लेनेड लगून लग एक घंटा रहैत छी। सौम्य नहाइत छथि। मधु शॉपिंग करैत छथि। हम टहलैत रहैत छी। चारुकात विदेशी सैलानी अर्धनग्नावस्थामे घास पर पटायल अछि। एकटा स्त्री एकटा पुरुष के देह पर अपन देह रखने निश्चल पड़लि अछि।

साँझमे पाम कोभ तट पर जाइत छी। बीच बहुत शांत अछि आ रोशनीमे जगमगा रहल अछि। एकटा लकड़ी के पुल पर कैकटा स्त्री पुरुष आ किशोर-किशोरी बंसी पाथने बैसल अछि। एकटासँ पुछै छिऐ–डिड यू गेट एनी? (एक्कोटा माछ भेटल कि नहि) दोसर आदमी जे ओकरा बगलमे बंसी पाथने रहै से चट सिन डेलीकें झाँपि लेलक।



10.11.2018 **केन्स, क्वींसलैंड**

रेन फारेस्ट देखबाक अछि। तैयार होइत होइत सवा आठ बाजि गेल। पहिने नौ के बाद के टाइम रहै। स्काई रेलसँ अखन सौम्यकें फोन अयलनि जे पिकअप टाइम आठ पचास छैक। कुरांडा स्काई रेल स्टेशन लग बस भेटतैक। गूगल बता रहल छैक कारसँ कुरांडा पहुँचइमे आधा घंटा लगतैक। विदा होइ छी। दुर्गम पहाड़ी रास्ता। सेहो चढ़ाई। घुमावदार पहाड़ी रास्ता के हिसाबसँ सौम्य गाड़ी बहुत तेज चला रहल छथि। ओना सड़क टूलेन छैक। तैयो डर होइ छैक। कनेको हुसलै तऽ कार हजारो फीट नीचा घाटीमे जाकऽ खसतै।

हम सभ जहिना बस पार्किंग लग पहुँचै छी तहिना बस खुजि गेलै। बस छूटि गेल। आब की हेतै? सौम्य फोन करैत छथि। स्काई रेल कहैत अछि आब हम सब स्मिथफील्ड चल जाइ। स्काई रेल ओतहिसँ शुरू होइत छैक आ कुरांडामे खतम होइत छैक। पहिनहि कहैत तऽ हम सभ एतय नहि अबितहुँ। सीधे स्मिथफील्ड चल जइतहुँ। क्लिफ्टन बीच (जतय टिकल छी) सँ ओ लग रहैक। आब फेर सड़क बाटे पहाड़-जंगल टपय पड़त।

स्मिथफील्ड पहुँच कऽ सौम्य फेर स्काईरेलकें फोन करैत छथि। एकटा महिला कर्मचारी अबैत अछि। आब हम सभ स्काईरेलमे सवार होइ के प्रतीक्षा कऽ रहल छी। स्काईरेल के एकटा नाम और छैक स्काई केबल वे।

अंग्रेजी, चीनी आ स्पेनी भाषामे उद्घोषणा भऽ रहल छैक। आस्ट्रेलियामे चीनी आबादी बहुत तेजीसँ जमीन आ मकान कीनि रहल अछि।

स्काई रेल के डिब्बा बहुत छोट होइत छैक। मात्र छह आदमी बैसि सकैत अछि। सीट के ऊपर वला भागमे चारूकात पारदर्शी शीशा लागल छैक।

एकटा चौकोर क्यूबिकलमे हम सभ पाँच गोटय बैसे छी। तीन हम सभ आ एक जोड़ा ब्रिटिश नागरिक। आसमानी रेलमे सफर केनाइ अद्भुत आ रोमांचकारी लगैत छैक। नीचा विशाल पर्वत आ घनघोर जंगल। ऊपरमे मोटका तारमे लटकल हम सभ।

जंगलमे कतहु-कतहु कोनो कोनो गाछ फूलसँ लदल छैक। लाल, पीयर, बैगनी, उज्जर-अनेक रंगक फूल। हम सभ फोटो खींचैत छी। पहाड़, झरना आ जंगल के फोटो। झील आ नदी के फोटो।

आसमानी रेल दू स्टेशन पर रुकैत छैक। एकटा के नाम छैक–रेड पीक आ दोसर के बैरोन फॉल्स। दुनू स्टेशन पर उतरिकऽ प्राकृतिक छटा के आनंद लिअ। लकड़ी के पुल पर टहलिकऽ प्राकृतिक दृश्य के अवलोकन करू। बैरोन झरना पर मुग्ध होउ। पैरोनेला पार्कमे मौज मस्ती करू। कुरांदा अद्भुत जगह छैक। एहि ठाम स्काई रेल के अलावे सीनिक रेलवे सेहो छैक जे पहाड़ तोड़िकऽ बनायल गेल छैक। सीनिक रेलवेकें सौ सालसँ बेसी भऽ गेल छैक।

कुरांदामे जल-थल आ नभ एहि तीनूमे रहइ वाला जीव के संरक्षण स्थल छैक। अहाँ एतय साँप, बोच, कुआला, चिड़ै आ तितली सबकें आरामसँ देखि सकैत छी।

फ्रॉग्स रेस्त्राँमे घड़ियाल के माउस खा सकैत छी। कंगारू के खाल कीनि सकैत छी। आस्ट्रेलियाई आदिवासीकें प्राचीन डिजेरिडू वाद्य (didgeridoo) बजबैत सुनि सकैत छी।

कुरांडामे बटरफ्लाइ सैंकचुअरी छैक। कहियो कल्पनो नहि कयने छलहुँ जे तितलियो के संरक्षण स्थल भऽ सकैत छैक। संसार भरिमे और कतहु तितली के सैंकचुअरी छैक कि नहि, पता नहि। लेकिन एतुका ई सैंकचुअरी तऽ अद्भुत छैक। तितली के प्रजनन, पालन-पोषण आ ओकर विभिन्न प्रजाति के संवर्धन के लेल अनुसंधान–एतय सब किछु होइ छैक।

धीयापूता तितली पर मुग्ध अछि। एगो तितली मधु के आंगुर पर बैसि गेलै। पंद्रह बीस मिनट धरि बैसले रहलै।

जखन उड़ि गेलै तऽ मधु भावुक भऽ गेलीह। तितलीक विछोहमे द्रवित भऽ गेलीह। व्याकुल भऽ प्रयास करैत रहलीह जे कोनो तितली

फेर हाथ पर बैसय।

मधु सुंदर फूल छलीह। तैं तितली बैसल रहलनि।

एकटा तख्ती पर अंगरेजीमे लिखल छैक–चिंता नहि करब। तितली अहाँकें फूल बूझि लेत आ बैसि रहत।

एकटा तितली हमरो माथ पर बैसल रहय।

मधु मुग्ध भेल हाथ पर बैसल तितलीकें देखि रहल छथिन। सौम्य कैमरासँ फोटो खिचलथिन्ह आ फेसबुक पर पोस्ट कऽ देलथिन।

कुरांदा के सीनिक रेलवे स्टेशन, ट्रेन आ चारू भागक प्राकृतिक परिदृश्य अत्यंत आकर्षक छैक। ट्रेनसँ हम सभ दू घंटामे फ्रेशवाटर नामक स्टेशन पहुँचैत छी। बीचमे ट्रेन पंद्रह मिनट के लेल रुकैत अछि। यात्री उतरि जाइ-ए। लकड़ी के पुल पर चढ़िकऽ पहाड़, जंगल आ झरना के मनमोहक दृश्यकें देखइ-ए आ मुग्ध होइ-ए। गंतव्य धरि पहुँचैत ट्रेन अनेक सुरंग आ पुल पार करैत अछि।

एहि ट्रेन के यात्रामे सुंदरता, रहस्य, रोमांच आ प्रकृति के विराटता–सभक गहन अनुभूति होइत अछि।

फ्रेशवाटर स्टेशन पर ट्रेन खाली भऽ जाइत छैक। प्लेटफार्म के बगलमे सड़क पर बस सभ लागल छैक। बस के गंतव्य अलग-अलग छैक। ड्राईवर लग पैसेंजर के चार्ट छैक। एहि तरहक बसकें ट्रान्सफर कहैत छैक। यात्री ट्रेनसँ बसमे ट्रांसफर भऽ जाइत अछि। एहि बसमे हम सभ पाँचे गोटय छी। स्मिथफील्डमे सवारी उतारि कऽ बस फ्री भऽ जायत। हमर सभक कार ओतहि लागल अछि। कार एटलस वलाकें दिअ पड़तै। छह बजे साँझ धरि समय सीमा छैक। हमर सभक सब सामान कारेमे अछि। क्लिफ्टन वला फ्लैट भोरे खाली कऽ देने रहिऐक। साढ़े सात बजे के फ्लाइटसँ मेलबर्न चल जायब।

कार जमा करऽ मे अखन दू घंटा छैक। कैन्स चल जाइत छी। एसप्लेनेड के लगून लग बैसिकऽ समुद्र आ मानव प्राणीक जीवन-प्रवाहकें देखैत रहैत छी।

लगूनमे सब तूरक नर-मादा नहा रहल अछि। किछु जलक्रीड़ा संगे रोमांस के सुख लऽ रहल अछि। हम रही या नहि रही। जीवन के ई क्रम चलैत रहत।



राति खन सुतैत-सुतैत अढाइ बाजि गेल। किछु तऽ फ्लाइट लेट रहय आ मेलबर्न पहुँचिते समय एक घंटा आगू ससरि गेल। बीभर वला स्काई कोच समयसँ पहिनहि आबि गेल आ बेसी प्रतीक्षा नहि केलक। हड़बड़ाकऽ खालिए गाड़ी लऽ कऽ घूरि गेल। फोन कयला पर फेर आयल।

उजगी आ थकनीसँ हालत खराब रहय। माथा सुन्न बुझाइत रहय। सुतलहुँ, लेकिन बढियाँ जकाँ निन्न नहि भेल। आठ बजे बिछान छोड़लहुँ। जलखै कयलहुँ। सौम्य आ मधु ऑफिस गेलथि। हुनको सभक हालत खराबे रहनि। सौम्यकें ऑफिसमे झपकी अबैत रहलनि आ मधु के पीठमे दर्द छलनि। हमरा बहुत कमजोरी बुझाइत रहल। दिनभरि। बस पड़ल रहलहुँ। आराम करैत रहलहुँ।

भरिसक काल्हि शरीर सामान्य अवस्थामे चल आबय। तकर बादे किछु कऽ सकब।



आइ बेरूपहर लाइब्रेरी चल गेलहुँ। साइलेंट स्टडी रूममे बैसिकऽ लिखैत रहलहुँ।

आठ बजे साँझमे लाइब्रेरी बंद भेलै तऽ निकललहुँ। बाहर हवा चलैत रहै आ पानि टिपकैत रहै। दुपहरमे गरमी रहै। तैं कोट या जैकेट किछु नहि अनने छलहुँ। से बहुत जाड़ हुअय लागल।

सौम्य अखन जिममे हेताह। फोन पर गप भेल रहय। हुनके संगे गाड़ीसँ निकलि जायब। जिम जाइमे दू-तीन मिनट लागल। सौम्य भेटलाह। साढ़े आठ बजे निकलताह। ताबत प्रतीक्षा करैत रहलहुँ।

युवा लड़का-लड़की कें व्यायाम करैत देखि उत्साह के अनुभव होइत रहल।

ताकत, स्फूर्ति, आत्मविश्वास आ उमंगसँ भरल जवानीक तरंग जेना हमरो तरंगायित कऽ रहल हो।



आइयो लाइब्रेरीमे बैसिकऽ लिखैत रहलहुँ। आइ कोट पहीरिकऽ आयल छी। दुपहरमे पानि पड़ल छलैक। हवा तऽ चलिते छैक।

आठ बजे बाहर निकललहुँ। बाहरमे हवा बहुत तेज रहै। कोट पहिरने छलहुँ तइयो जाड़ होइत रहय। पैदल घर जाइमे हालत खराब भऽ जायत। नहि जा होयत। जिम चल गेलहुँ। मधु भेटलीह। नौ बजे जयतीह। गाड़ी लऽ कऽ आयल छथि। आइ सौम्य नहि अयलाह। घरे पर छथि। आब ओ भोरे छह बजे जिम अओताह। ई जिम चौबीसो घंटा खुजल रहैत छैक।

हम ओतहि बैसिकऽ लिखैत रहलहुँ।



आइ मेलबर्नमे भारत-आस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मैच छिऐ। मधु आ सौम्य के कैक महीना पहिनहिसँ टिकट लेल छनि।

लेकिन मौसम बहुत खराब छैक। मेघ लागल छैक। रहि-रहि कऽ पानि पड़ैत छैक। हवा चलि रहल छैक।

मैच साढ़े छह बजे साँझमे शुरू हेतै। सौम्य आ मधु ऑफिसेसँ चल जेथिन।

हम घरे पर आराम कऽ रहल छी। कतहु निकलै वला नहि छैक।

हमरा होइत रहय सौम्य आ मधु साँझमे सबेरे घुरि अओथिन लेकिन नै एलथिन। फेसबुक पर एकटा फोटो अयलनि जाहिमे ओ दुनू मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंडमे बैसल छथिन। राति एगारह बजे आबिक' कहलनि मैच अदहे-छिदहे भेलै। बीच-बीचमे पानि पड़ि जाइ।



सौम्य आ मधु आइ दस बजे उठलथि। आइयो मौसम खराबे छैक। खाइत-पिबैत दू बजि गेल।

पहिनहिसँ प्लान छल जे सी लाइफ जायब। सी लाइफ सिटीमे छैक। प्रसिद्ध मछली घर। लेकिन नहि जा भेल।

चारि बजे ओ दुनू निकलि गेलथि। कोनो मित्रक बच्चा के बर्थडे छिऐक। पार्टी कोनो होटलमे छैक। बुकिंग पहिनहिसँ भेल छैक।

घुरैत काल हमरा लेल बिरयानी नेने अओताह।

आइ कमजोरी बुझा रहल अछि। बेसी काल पड़ले रहल छी।

सौम्य आ मधु के विवाह के दू साल पूरा भऽ गेल छनि। आइ सालगिरह छियनि। जलखै खाइत काल पता चलल ओ दुनू दि केप किचेनमे टेबुल बुक कयने छथि। केप किचेन रेस्तराँ के नाम छिऐ। जे फिलिप आइलैंडमे छैक। फिलिप आइलैंड मेलबर्नसँ डेढ़ सौ किलोमीटर दूर छैक। कारसँ ओतय जायमे दू घंटा लगैत छैक। आठ लेन वला सड़क पर एक सौ किलोमीटर प्रति घंटा के रफ्तारसँ गाड़ी चलैत रहैत छैक।

मेलबर्न सिटीसँ निकलि गेला पर एकटा सुरंग आयल जे पाँच-छह किलोमीटरसँ कम नहि हेतै। अखनधरि जतेक सुरंग टपल छी से अन्हार कुप्प छल। लेकिन ई ओरसँ छोर धरि रोशनीसँ जगमगाइत रहय। खूब चाकर आ लंबा सुरंग।

कूवी रूप नाम के जगह धरि पहुँचैत-पहुँचैत सड़क के दुनू कात आबादी पातर भऽ गेल। आब दूर-दूर पर कतहु-कतहु एकाध टा घर भेटय लागल। खाली जगह मे घास के मैदान। आ मैदान के विस्तारमे गाय, भैंस आ भेड़ निश्चिन्त भऽ कऽ चरैत। कोनो चरवाह नै।

जाहि मैदानमे गाय चरि रहल छैक ओतय खाली गाइए गाय देखायत। दोसर कोनो जानवर नहि। सेहो एक्के नस्ल आ एक्के रंग के। करिक्की के लाट अलग तऽ भुल्ली के लाट अलग।

जँ भैंस चरैत छैक तऽ ओतय दूर-दूर धरि खाली भैंसे देखायत।

तहिना भेंड़ देखबै तऽ छुच्छे भेंड़े देखायत।

अपना ओहिठाम जे आरि-धूर वला बाध-बोन होइत छैक, तेहन एतय नहि छैक। एतय सौ-सौ दू-दू सौ एकड़ के विशाल आ विस्तृत चंक होइत छैक, जकरा फार्म कहल जाइत छैक। जेना अपन सभक गाममे घरे पर घर होइत छैक, एतय तेना नहि छैक। एतय एक किलोमीटर दू किलोमीटर पर एक-दू गो घर रहैत छैक। जकरा फार्म हाउस कहैत छैक। आस्ट्रेलिया के गामघर आ बाध-बोन एहने छैक। यैह ग्रामांचल छिऐक।

बीच-बीचमे कतहु कतहु कोल्स के शॉपिंग सेंटर आ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स छैक। जगह-जगह पेट्रोल स्टेशन छैक। एकठाम सौम्य पेट्रोल भरलथि। एतय अपनेसँ पेट्रोल भरऽ पड़ैत छैक। जतेक लेबाक हो, ओतेक भरि लिअ आ काउंटर पर चल जाउ। कंप्यूटर पर देखिकऽ कार्डसँ पेमेट लऽ लेत। एतय डिजिटल लेन-देन बहुत बेसी होइत छैक। नकदी कारोबार बहुत कम।

फिलिप आइलैंड बहुत सुंदर छैक। अनेक रमणीय समुद्र तटसँ भरल। नयनाभिराम दृश्य सभ। दि केप किचन मे जहिना ढुकलहुँ तहिना सामनेमे नील सागर के अनंत विस्तार देखायल। केप किचेन समुद्रक कछेर पर छैक। समुद्रसँ एकदम सटल। नीचामे लहर चट्टानसँ टकराइत छैक आ पानि टूटिकऽ बहुत ऊपर धरि उछलैत छैक।

जे टेबुल हमरा सभ लेल रिजर्व अछि से समुद्र के सामने अछि। बीचमे कोनो अवरोध नहि। हम सभ अपन टेबुल पर बैसल-बैसल समुद्रक ज्वार-भाटा आ नील विस्तारकें देखैत रहैत छी। रेस्त्राँ गोरकी मेमसँ भरल अछि। साहब बड़ कम। सब शराब पी रहल अछि। तरह-तरह के व्यंजन के स्वाद लैत गप्प कऽ रहल अछि।

हम आ मधु रेड वाइन लैत छी। सौम्यकें ड्राइव केनाइ छनि। स्टार्टरमे हम सभ पोर्क लैत छी। आइ पहिल दिन पोर्क (सुग्गरक माउस) खा रहल छी। बेजाय नहि अछि। मेन्समे बतख खा रहल छी। ई बतख पानि वला नहि, जमीन वला अछि तैं बिसाइन नहि अछि। बतखो हम पहिले बेर खा रहल छी। पोर्क आ डक दुनू नीक अछि। हमर सभक परिचारिका अद्‌भुत सुंदरी अछि। स्वस्थ-सुडौल काया, नील आँखि आ लावण्यसँ दीप्त ओहि युवतीक ठोर पर जे मादक मुस्की रहैक से ककरो मोहित कऽ सकैत रहय।

आब हम सभ फिलिप आइलैंड के छोर पर जा रहल छी। रस्तामे कंगारू आ डक भेटैत अछि। एकठाम लिखल छैक-बीवेयर, बर्ड्स आर ऑन दि रोड (देखब, सड़क पर चिड़ै छैक)।

हम सभ कैकटा भ्यू पॉइंट पर रुकैत चलैत छी। किछु गोटय रैफ्ट सर्फिंग कऽ रहल अछि। किछु नहाय रहल अछि किछु फोटो खींच रहल अछि।

फिलिप आइलैंड के छोर पर साँझमे पैंगिवन निकलैत अछि जकरा पैंग्विन पैरेड कहैत छैक। एकठाम बिल मे सँ हुलकी मारैत एकटा पैंग्विन देखायल। एहिठाम साँपो बहुत निकलैत छैक। टापू के ई छोर बहुत आकर्षक छैक। पहाड़सँ उतरि नीचा समुद्र धरि जेबा लेल बहुत दूर धरि लकड़ी के पुल बनल छैक। घंटो रमण कयल जा सकैत अछि। प्राकृतिक सौन्दर्य के आनंद लेल जा सकैत अछि।

साँझ भेल जाइत छैक। आब निकलऽ पड़त। जाड़ो होइ-ए। ठंढा समुद्री हवा चलि रहल छैक।

अलविदा फिलिप आइलैंड!

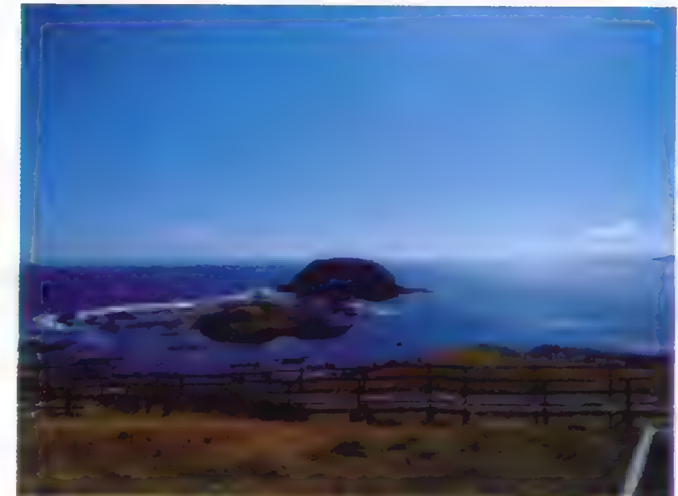


20.11.2019 मेलबर्न

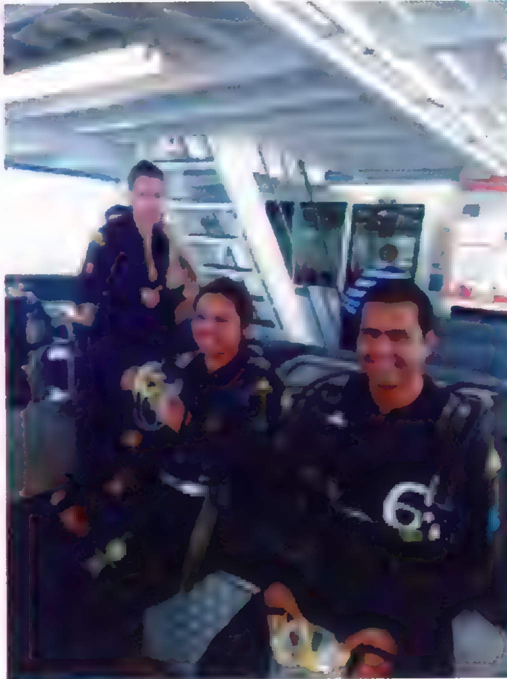
भोरे केदार के मैसेज देखलहुँ। डीएम साहेब गप्प करऽ चाहैत छह। की बात छिऐ? चिंता भेल। अखन तऽ साते बजल छै। भारतमे अखन राति के अढाई बजैत हेतैक। मेलबर्नमे जखन दुपहर के बारह बजतैक तखने भारतमे ककरोसँ गप्प कऽ सकैत छी।

कैक बेर कोशिश केलहुँ। अंततः गप्प भेल। हुनका खाली जिज्ञासा रहनि जे मेलबर्नमे कोना छी। हमहूँ निश्चिन्त भेलहुँ। कहलियनि जनवरीमे आयब।

लाइब्रेरीमे कैक घंटा बीतल। देखलिऐ दूटा लड़की एक दोसरकें कसिकऽ पकड़ने चुम्मा-चाटी लऽ रहल अछि। कामांध जकाँ। बुझाइ-ए लेस्बियन अछि। आस्ट्रेलियामे समलैंगिकता वैध छैक। गे गे संगे आ लेस्बियन लेस्बियन संगे विवाहो कऽ सकैत अछि।



मधुकें वीजा के चिंता छनि। ओ चाहैत छथि जे पहिनहि अप्लाइ कऽ दिऐ जाहिसँ पहुँचला पर कोनो दिक्कत नहि हो। वियतनाम के एकटा शर्त छैक जे अहाँक पासपोर्ट अगिला छह महीना धरि वैध हो। हमर पासपोर्ट अट्ठाईस जून धरि वैध अछि। हम बाईस दिसम्बरकें वियतनाम पहुँचब। तैं छह महिनाक शर्त कें पूरा करैत छी। लेकिन बाकी देशमे की हेतै? पता नहि। वीजामे बहुत पेंच छैक। पहिने हवाई जहाज के टिकट लिअ, फेर होटल बुक कराउ, तखने अप्लाइ कऽ सकै छी। वियतनाम भारतकें डिफिकल्ट कंट्री के लिस्टमे राखने अछि आ वीजा के फीसो आन देशसँ बेसी लैत अछि।



आइ भोरे सिडनीमे चक्रवाती बिहाड़ि अयलै। जानमाल के नोकसान भेल छैक। अखनो हवा चलि रहल छैक आ पानि पड़ि रहल छैक। पता नहि कि हेतै! हमर सभक जहाज आ होटल बुक अछि। एक दिसम्बर के भोरे जेबाक अछि। आब जे होइ।

आइ भोर छह बजे मेलबर्न के दोसर एयरपोर्ट (एवलोन) सँ रवाना भेलौं। ई वेरीबी के एक छोर पर समुद्र कातमे छैक। जेट स्टार साढ़े सात बजे सिडनी उतारि देलक।

एयरपोर्टसँ मेट्रो लऽ कऽ सर्कुलर क्वे आबि गेलहुँ। एत्तहि सिडनी ओपेरा हाउस आ हार्बर छैक। ई दुनू विश्व प्रसिद्ध छैक।

ओपेरा लग अनेक स्ट्रीट रेस्त्राँ छैक। ओहिमे बैसिकऽ हार्बर के दृश्यावलोकन करैत रहलहुँ। सामनेमे एकटा विशाल क्रूज लागल छैक। ओहि क्रूजकें देखि टाइटैनिक मोन पड़ैत रहल। क्रूज भरिसक तस्मानिया जेतैक। सुनै छिऐ एहि तरहक क्रूज मे होटले जकाँ रूम सभ आ स्वीमिंग पुल बनल रहैत छैक।

क्रूज के बगलमे हार्बर ब्रिज छैक। ई हावड़ा ब्रिज जकाँ छैक। लेकिन बनलै ओहिसँ पहिनहि। सिडनी हार्बर ब्रिज चौड़ाई आ उँचाईमे बेजोड़ छैक। एहिपर रेल, बस, कार, आ पथिक सब चलैत रहैत छैक।

सिडनी ओपेरा हाउस अपन विलक्षण स्थापत्य कलाक कारणे संसार भरिमे प्रसिद्ध अछि। एकर भीतरमे डांस, ड्रामा, कंसर्ट आदि रोज होइत रहैत छैक। मधुकें ई दिल्ली के लोटस टेम्पुल सन लगैत छनि।

ओपेरा के बगलमे रोयाल बोटेनिक गार्डेन छैक। ई गार्डेन अत्यंत विशाल सुंदर आ रमणीक अछि।

ओपेरा के उत्तर सामनेमे हमर सभक होटल अछि। बीचमे समुद्र नहि रहैत तऽ सोझे चल जइतहुँ। घूमिकऽ जाय पड़त। सिडनी हार्बर ब्रिज पार करय पडत। सिडनीमे बेसी गरमी छैक। हम सभ पैदले होटल जाइत छी। आइ वीकेंड छिऐक। हार्बर के अगल-बगल भीड़ छैक। कैकटा स्ट्रीट सिंगर भेटइ-ए। कोनो अंगरेजी गीत गबैत गिटार बजा

रहल अछि। लोग सिक्का दइ छैक। एक डॉलर दू डॉलर। तीन चारि दिन पहिने जे बिहाड़ि आयल रहइ से अपन निशान छोड़ने गेल छैक। कतहु-कतहु सड़क कातमे टूटल ठाढ़ि-पात जमा छैक।

फेनफेरी होटलमे तीन-चारि घंटा आराम कयलाक बाद हम सभ बोनडाइ बीच जाइत छी। ई सिडनी के सबसँ सुंदर आ नामी बीच छैक। बहुत भीड़ छैक। क्यो नहा रहल अछि, क्यो रैफ्टिंग कऽ रहल अछि क्यो बोटिंग के आनंद लऽ रहल अछि। क्यो मैदान के घास पर पड़ल हवा आ रौद लगा रहल अछि। क्यो रोमांस कऽ रहल अछि। क्यो खाय-पिबैमे मस्त अछि।

बोनडाइसँ हमसभ सेंट्रल आ सेंट्रलसँ पारामता स्टेशन जाइत छी। ई सिडनी के सुदूर इलाका छिऐक। एहि दिस बेसी भारतीय रहैत छैक। हम सभ जाहि डिब्बामे छी, ताहिमे दूटा जनानी बहुत उछल-कूद आ हल्ला मचा रहल अछि। क्रिसमस के जोश छिऐक कि किछु और, पता नहि।

पारामाता स्टेशन पर अंकुर आयल छथि। ओ मधु संगे पढ़ै छलाह। ओ हमरा सभकें बाबर्ची नाम के रेस्त्राँमे लऽ गेलाह। ई भारतीय रेस्त्राँ अछि। रेस्त्राँ मे अंकुर के पत्नी आ पाँच बरखक बालक प्रतीक्षामे बैसल छलथि। खाइत-पिबैत राति के एगारह बाजि गेल। विदा भेलहुँ।

एहि बेर फेर दू टा जनानी डिब्बामे चढलि। ई दुनू दोसर छलि। लेकिन उछल-कूद आ ठिठिआयब ओहिना। मधु बतेलथि ई सभ रेभलर्स अछि। निशां वला सुइया लऽ कऽ मस्ती करैत रहैत अछि। हम सभ सर्कुलर क्वे अबैत छी। एतयसँ टैक्सी करऽ पड़त। बाहर स्ट्रीट फूड लग लोक निशां आ कामुकतामे डूबल छल। टैक्सी लेलहुँ। होटल पहुँचैत-पहुँचैत राति के एक बाजि गेल। आस्ट्रेलिया के सबसँ पुरान शहर सिडनी पहिले दिन अनेक प्रकार के अनुभव आ ठेहीसँ भरि देलक।



[illegible] सिडनी

साढ़े नौ बजे धरि तैयार भऽ जाइत छी। होटलमे जलखै कंप्लिमेंटरी छैक। दस बजे धरि भेटत। देखै छिऐ दस-पंद्रह किसिम के व्यंजन राखल छैक। अंडा, चिकेन, बीफ, पोर्क सब छैक। निरामिष व्यंजन सेहो। साबूत फल आ रस दुनू। जे खाउ, जतेक खाउ। जे रुचल से खा लेलहुँ।

एगारह बजे होटल छोड़ि देलहुँ। सिडनी के सीलाइफ देखऽ आयल छी। एहिठाम तरह-तरह के समुद्री जीवजन्तु छैक। अनेक रंग आ प्रकार के माछ। ऑक्टोपससँ लऽ कऽ ह्वेल धरि। कोरल रीफ। पेंग्विन चिड़इ। घोंघा। सीप, शंख। कछुआ।

कैंटीनमे किछु खाइ छी। एकटा प्लेज होर्डिंग लागल छैक। प्रतिज्ञा करक लेल कहल जाइत छैक जे आइ दिनसँ हम समुद्रकें स्वच्छ राखब। ओकर कचरा साफ करब।

मछली-घरसँ निकलि दस मिनट पैदल चलला पर सिडनी टावर अबैत छैक।

ई पचहत्तर मंजिला छैक। सिडनी के सबसँ ऊँच मकान। ऊपरसँ पूरा सिडनी देखाइत छैक। जे मेलबर्न के यूरेका स्काइडेक देखने अछि, तकरा ई ओतेक आकर्षक नहि बुझेतै। सिडनी शहर के अधिकांश भागमे समुद्र घोंसिआयल छैक। टावरमे मैडम तुसाइ के मोम के प्रतिमा छैक। प्रतिमा बहुत जीवन्त छैक। अद्भुत।

टावर के बगलमे वेस्टफील्ड स्ट्रीट छैक। एहि स्ट्रीटमे अनेक बेंच छैक। बेंच पर बैसिकऽ लोक स्ट्रीटमे चलैत अनेक तरहक प्रोग्राम देखि सकैत अछि। गायन आ वादन के संगीतमय कार्यक्रम। बहुत गोटय कलाकारकें चारो दिस सऽ घेरने रहैत अछि। सिक्का दैत रहैत अछि।

कलाकार संगे फोटो खिंचबैत अछि। बेहतरीन कलाकार के बेहतरीन अड्डा। हम सभ घंटो बैसल रहैत छी।



फेर ओपेरा हाउस चल अबैत छी। एहिठाम बहुत हलचल छैक। स्त्री-पुरुष सब वीक एंड के मस्तीमे अछि। क्रिसमस के उछाह अखनेसँ देखा रहल छैक। लोग क्रिसमस ट्री लग ठाढ़ भऽ कऽ फोटो खिंचा रहल अछि।

हम ओपेरा हाउस के एक चक्कर लगबैत छी। ओपेरा हाउस के पाछूमे एकटा लड़का-लड़की रोमांस के अनेक मुद्रामे पेशेवर फोटोग्राफरसँ फोटो खिंचवा रहल अछि।

हम ओपेरा आ हार्बर के रात्रिकालीन फोटो खींचैत छी आ मेट्रो पकड़ि लैत छी। मेट्रो एयरपोर्ट धरि जायत। दस बजे के फ्लाइट अछि। म्यूजियम स्टेशन पर मेजर डिले के घोषणा होइत छैक। हम सभ भारी चिंतामे पड़ि जाइत छी। नौ दस भेल छैक। फ्लाइट ने छूटि जाय। ट्रेन छोड़ि दैत छी। टैक्सी पकड़ैत छी। उड़ान भरैसँ बीस मिनट पहिने बोर्डिंग गेट पर पहुँचैत छी। फ्लाइट भेटि गेल। आब चिंता आ तनाव खतम भऽ गेल अछि। अफसोच यैह जे अनेर के पाइ बर्बाद भेल। ब्लू माउन्टेन आ ग्रेंड पेसेफिक ड्राइव छूटि गेल। नहि देख सकलहुँ। ओहि लेल दू दिन और चाही छल।

09.12.2018 हिल्सविल, यारा घाटी

आइ कैक दिनक बाद निकलल छी। हिल्सविल जा रहल छी। ई मेलबर्नसँ एक सौ किलोमीटर दूर छैक। डेढ़ घंटा के ड्राइव। घाटी इलाका छैक। तैं गति सीमा अलग-अलग छैक। कतहु साठि, कतहु अस्सी तऽ कतहु सौ। लेकिन बेसी काल गाड़ी अस्सी-सौ के स्पीडमे चलै छैक। दुइए गोटय छी। हम आ सौम्य। सौम्य ड्राइव कऽ रहल छथि। मधु आइ घरे पर आराम करैत छथि।

हिल्सविलमे चिड़ियाघर छैक। नाम छिऐ हिल्सविल सैंकचुअरी। ई विक्टोरिया राज्य के सबसँ बड़का चिड़ियाघर छिऐक। रोज सैकड़ो लोक जाइत रहैत छैक। मेलबर्नसँ निकललाक बाद कैक टा छोट-छोट कस्बा अबैत छैक। ग्रींसबोरो, डायमंड क्रीक, यारा ग्लेन आ तकर बाद हिल्सविल। शुरूमे थोड़े दूर सड़कक दुनू कात आबादी भेटैत छैक। लेकिन तकर बाद घास के विशाल मैदान या दूर-दूर धरि लतरल अंगूरक खेत के विस्तार देखाइत छैक। कतहु-कतहु मैदानमे घास के गोलिआयल गट्ठर सभ पड़ल छैक। कतहु गाय तऽ कतहु भेड़ के झुंड घास चरि रहल छैक।

डायमंड क्रीक के बाद यारा घाटी शुरू होइत छैक। भिन्न-भिन्न आकार-प्रकार के पहाड़ आ जंगल। प्राकृतिक सौन्दर्यसँ भरल लैंडस्केप। मनमोहक दृश्यावली। हएत जे देखिते रही।

एहि जंगलमे गरमीमे आगि लगैत रहैत छैक। आगि के चेतावनी देल छैक। एक ठाम लिखल छैक-फायर नॉट ऑन रोड। छोट-पैघ सुखलहा गाछ सभ नीचामे खसल पड़ल देखलिऐ। ने कोय काटै छैक, ने उठबै छैक। ओहिना सुखायल पड़ल रहैत छैक-कोसक कोस।

एहिठाम अंगूर के खेती होइत छैक तैं शराब के कारखाना सेहो

छैक। एकठाम वाइनरी के बोर्ड लागल रहैक। यारा ग्लेन प्राकृतिक सुंदरता, अंगूर आ शराब लेल प्रसिद्ध छैक।

हिल्सविल सैंकचुअरी जंगल आ पहाड़ वला प्राकृतिक परिवेशमे बनल छैक। ओतय एगो झील छैक आ एकटा झरना कलकल करैत बहैत रहैत छैक।

सभसँ पहिने कोआलासँ भेंट होइत अछि। दू बीत के गोलमटोल झबरा कोआला एगो ठाढ़ि पर गबदी मारने बैसल अछि। लोकक भीड़-भाड़सँ उदासीन आ निरपेक्ष भेल ओ निस्पंद घंटो-घंटा बैसल रहि जाइत अछि। ओकरा भारी आलसी जीव मानल जाइत छैक। मधु कहने छलीह—कोआलाकें हमर दिससँ हेलो कहबै। की हेलो कहने कोआला सुनत? ओकरामे कोनो हलचल हेतै? न्नः। मधु के हेलो प्रॉक्सी प्रेजेंस बनिकऽ रहि जेतनि।

आब कंगारूसँ भेंट होइ-ए। कंगारु बहुत सहमिलू होइत अछि। एकदम लग आबिकऽ देहमे सटि जाइत अछि। एकटा कंगारू के पेटसँ बच्चाकें हुलकी मारैत देखलिऐ। लेकिन ओकर थैला कोना खुलैत आ बंद होइत छैक, से पता नहि चलल।

एमू चिड़ै देखलहुँ। एहन विशाल आ ओज़नी चिड़ै आइ धरि नहि देखने छलहुँ। एकर ओजन साठि किलो धरि होइ छैक।

पेलिकन चिड़ैकें पहिल बेर देखलहुँ। एकर चोंच बहुत लंबा आ चपटा होइत छैक। पेलिकन उज्जर रहय। पता नहि दोसरो रंग के होइ-ए कि नहि।

एकटा लायर बर्ड रहय। पाँखि पसारय तऽ बुझाइ जेना मोर हो।

अन्य अनेक रंग के चिड़ै आ जानवरसँ साक्षात भेल। कतेको जीव एहन छल जे आब बिला जायत। जेना तस्मानिया डेविल्स। लुप्तप्राय जीव के संरक्षण के प्रयास कयल जा रहल अछि। सैंकचुअरीमे वन्यप्राणी लेल एकटा अस्पताल छैक।

एतय जे दर्शक अबैत अछि, तकर सभ तरहक सुविधा आ आराम के व्यवस्था छैक। जगह-जगह बनल बेंच पर बैसिकऽ अहाँ वन्य प्राणी संगे जीवन बितेबाक आनंद लऽ सकैत छी। एतय रोज बरखा होइ छैक। अखने आधा घंटा धरि खूब पानि भेलै। तैं एतय जे क्यो अबैत

अछि, सब छत्ता लऽ कऽ अबैत अछि।

यारा उपत्यका के ई यात्रा मनमे एकटा सुखद अनुभूति दऽ गेल अछि।

एकरा छोड़ब उदास कऽ रहल अछि।



20.12.2018 मेलबर्न

लगभग तीन मास पहिने आस्ट्रेलिया आयल छलहुँ। आइ जा रहल छी। मधु पुछैत छथि—ट्रिप केहन रहल? की नीक की बेजाय?

हम कहैत छियनि—सब बढ़िये रहल। अफसोस इएह जे बहुत किछु छूटि गेल। नहि देखि सकलहुँ।

एतेक टा विशाल देशकें अहाँ एतबे दिनमे कोना देखि लेबै!—मधु कहैत छथि। सौम्य चुपचाप सुनैत रहैत छथि।

धरती के दक्षिण-पूर्वी छोर के आखिरी देश छोड़ि कऽ जा रहल छी।

आस्ट्रेलिया के बाद की छैक? किछु नहि। हिंद आ प्रशांत महासागर के विस्तार आ अंटार्कटिका के बर्फे बर्फ। खाली पानिए पानि कि बर्फे-बर्फ। दक्षिणी ध्रुव धरि कोनो आबादी नहि।

आइ एहि समृद्ध आ सुंदर देशसँ विदा भऽ रहल छी। जीवन-स्तर के दृष्टिसँ संसारक सर्वोत्तम शहर मेलबर्न छूटि रहल अछि।

एगारह बजे रातिमे एअर एशिया के फ्लाइट अछि। आठ घंटामे कुआलालंपुर पहुँचब। ओतय तीन घंटा रुकय पड़त। फेर हॉपिंग फ्लाइटसँ दू घंटामे हो ची मिन्ह पहुँचब। खाली यात्रा आ थकान। शरीरक हालत जे हुअय। ओना सौम्य नेक पिलो किनने छथि आ हमरा लेल एक्स्ट्रा लेग वला प्रीमियर सीट बुक कयने छथि।

हुनको दुनूक बुकिंग अही फ्लाइटमे ट्रांसफर कऽ देल गेलनि अछि। तैं संगे छी।

ऊबर टैक्सी वला हैदराबाद के अछि। एवलोन एयरपोर्ट जाइ के रस्तामे ओकरासँ गप्प होइत अछि। ओ चौदह साल पहिनहि मेलबर्न आयल छल। आइ.टी. के पढाइ केलक। फेर बहुत दिन रेस्टुरेंट चलेलक। दुनू परानी मिलिकऽ बिजनेस केलक। घर आ गाड़ी किनलक। तकर बाद बिजनेससँ थाकि गेल। भेलै किछु दिन आरामसँ जीवन बिताबी। दू चारि घंटा गाड़ी चला लैत अछि। बाकी समय आराम करैत अछि। जीवनमे आनंद छैक। एयरपोर्ट पर ओ बहुत हार्दिकता संगे हमरा सभसँ हाथ मिलाकऽ विदा भेल। क्यो फीलिंग्सकें शेयर करऽ वला तऽ भेटलै!

सवार भेलहुँ तऽ बुझायल जे ई एयर एशिया के जम्बो जेट अछि। चारि सौ सँ बेसी के यात्री विमान। एहन विशाल विमानमे ई हमर पहिल यात्रा अछि। ई मलेशिया के विमान छिऐक। तैं सब परिचारिका मलय युवती।

हम घंटा दू घंटा पर उठिकऽ ठाढ़ भऽ जाइत छी। खाली जगहमे कनेक काल टहलैत छी। कनेक काल झपकी आयल। बुझू जे राति भरि जागले रहि गेलहुँ। उद्घोषणा होइत अछि कुआलालम्पुर आबि गेलहुँ। मेलबर्नमे अखन भोर के आठ बजैत हेतैक। एतय भिनसरवा के चारि बाजल छैक। समयमे चारि घंटा के फरक छैक।



21.12.2018 कुआलालम्पुर एवं हो ची मिन्ह सिटी

कुआलालम्पुर एयरपोर्ट बहुत पैघ छैक। दिशा निर्देश बेसी स्थानीय भाषामे छैक। अंगरेजीमे कम छैक। तैं बाहरी यात्रीकें थोड़े असुविधा होइत छैक।

हम सभ एकटा रेस्त्राँमे बैसि जाइत छी। टोस्ट खाइत छी। चाह पिबैत छी। अखन भिनसर छैक, तैं रेस्टुरेंटमे बहुत कम लोक छैक। एक घंटा बैसल रहै छी।

बोर्डिंग गेट लग जाइत काल रस्तामे एकटा रेस्ट एन गो स्टेशन भेटैत अछि। ओहि ठाम चारि टा गद्देदार सोफा लागल छैक। सोफा मसाज करैत छैक।

पहिने सोफा पर बैसि जाउ। सोफेमे एकटा बॉक्स छैक।

बॉक्समे मलेशिया के पाँच टाका द' दिऔ। बस अहाँ के मालिश शुरू भऽ जायत। पंद्रह मिनट धरि टांगसँ लऽ कऽ मूड़ी धरि मालिश होइत रहत। सब ठेही उतारि देत।

हम तीनू मालिश करेलहुँ। एहन मसाज स्टेशन दूर-दूर देशांतर कयनिहार लोकक लेल रामबाण छैक।

एयर एशिया के एकटा छोट विमान साढ़े सात बजे उड़ान भरैत अछि। ई दू घंटामे होची मिन्ह सिटी पहुँचा देत। आब एहिना दू-दू चारि-चारि घंटा के फ्लाइट रहत। अठ-अठ घंटा के नहि। मसाज लेल मलेशियाकें धन्यवाद।

जहाज उड़ान भरैत अछि। सुरुज मेघ संगे नुका चोरी खेलाइत अछि। नीचा पहाड़ के शृंखला देखाइत अछि। कने कालक बाद जहाज बहुत ऊपर आबि जाइत अछि। आब पहाड़ नहि मेघ देखाइत अछि। उज्जर दपदप मेघ। बुझाइत छैक जेना सगरे बर्फ पीटल हो। बगुला सन

उज्जर मेघ के अनंत विस्तार।

जहाज होची मिन्ह एयरपोर्ट पर उतरि गेल अछि। नीचामे देखै छिऐ सामान उघै वला लॉरी लागल छैक। लॉरी पर लिखल छैक साइगोन ग्राउंड सर्विस। साइगोन नाम अखनो चलि रहल छैक। उन्नैस सौ पचहत्तर धरि साइगोन अमेरिका के उपनिवेश छल। अमेरिकासँ मुक्त भेलाक बाद एकर नाम होची मिन्ह पड़ि गेलैक। कान्तिकारी अंकल हो के नाम पर। उत्तरी आ दक्षिणी वियतनाम के एकीकरण सेहो भऽ गेलैक।

भौगोलिक दृष्टिसँ ई देश छुरकी जकाँ अछि। एकर लम्बाई मलेशियासँ शुरू भऽ कऽ थाइलैंड, कम्बोडिया आ लाओस होइत चीन धरि जाइत अछि। वियतनाम के दुन्नू छोर बेसी चौड़ा छैक, लेकिन बीच के चौड़ाई मात्र पचास किलोमीटर के।

एयरपोर्ट पर वीजा आ इमिग्रेशन के कागजी चक्करमे दू घंटा लागि जाइत अछि। टूरिस्ट के बहुत भीड़ छैक। लेट भेला के कारण बैग लौस्ट एंड फाउंडमे चल गेल। बैगो लेबामे आधा घंटा लागि जाइत अछि।

टैक्सीसँ होटल जा रहल छी। देखै छी एतुक्का लोग गोर आ दुब्बर-पातर अछि। स्त्री-पुरुष सब मोटर साइकिल आ स्कूटर पर जा रहल अछि। दुपहिया के हुजूम अछि। रेड लाइट पर जहिना गाड़ी रुकैत अछि तहिना दुपहिया के ढट्ठ पड़ि जाइत अछि। एकरा दुपहिया के शहर कहल जाय तऽ कोनो हर्ज नहि। एक करोड़ के जनसंख्या वला शहरमे सत्तर लाख दुपहिया छैक। तहिना एतय सैकड़ामे सत्तर आदमी सिगरेट पिबैत अछि।

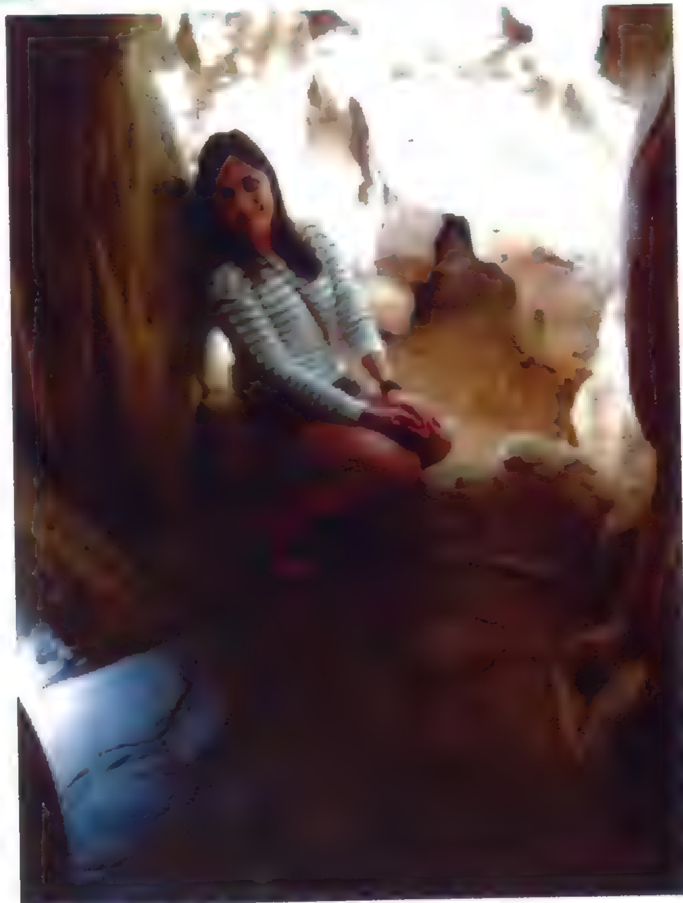
सिगरेट सस्ता छैक। साइकिल विरले देखायल। प्रदूषण बहुत छैक। हरदम कुहेस लागल रहैत छैक। एतुक्का मुद्रा बड़ दुबेल। एक डॉलर बराबर चालीस हजार दोंग। एक डिब्बा सिगरेट के दाम पच्चीस हजार दोंग।

साँझमे होटलसँ निकललहुँ। पपेट (कठपुतली) शो देखबाक रहय। देरीसँ पहुँचलहुँ तैं नै देखि भेल। एकटा पार्कमे चालीस-पचास आदमी के झुंड संगीतमय व्यायाम करैत छल। नाइट मार्केटमे जनीजातिए दोकान चलबैत रहय। मसाज के बहुत रास पार्लर रहैक। स्त्रीगण

खोशामद करैत रहय जे मालिश करा ली।

नाइट मार्केटमे एकटा विशाल फूड मार्केट छैक। एतय अनेक देश के व्यंजन भेटैत छैक। इंडियन, चाइनीज, वियतनामी, थाई, इटालियन। अहाँ जे खाइ से भेटि जायत। विदेशी सभ के भारी भीड़ रहैत छैक। हमहूँ सभ एतहि खेलहुँ।

एतय दूर-दूर धरि तरह-तरह के दोकान छैक। ई सब दोकान टूरिस्टेकें ध्यानमे राखिकऽ चलैत छैक। मधु एकटा वियतनामी मैगनेट कीनैत छथि। भिन्न-भिन्न देश के मैगनेट जमा करै के हुनका बहुत सख छनि।



22.12.2018 **साइगोन, वियतनाम**

आइ दिन भरि के लेल एकटा टैक्सी बुक अछि। पहिने कूची जायत, तकर बाद मेकौंग रिवर। डेढ़ सौ किलो मीटर के यात्रा अछि।

आठ बजे होटलसँ निकलैत छी। संगमे महिला गाइड अछि–तोइ। ड्राइवर के नाम छिऐ नियोम। ई दुनू वियतनामी अछि।

तोइ सबसँ पहिने साइगोन के छोर पर हैंडीक्राफ्ट्स फैक्ट्री लऽ जाइत अछि। एहिठामक जतेक तरहक हस्तकला छैक, सब विकलांग कलाकार द्वारा तैयार कयल जाइत छैक। अद्भुत ई छैक जे हस्तकला के निर्माण अंडा के खपलोइया आ सितुआ के टुकड़ीसँ होइत छैक। एहि दुनू के अलावा निर्माण सामग्रीमे लकड़ी आ रसायन के उपयोग होइत छैक। कलाकारमे स्त्री-पुरुष दुनू अछि। निर्मित कलाकृति कोनो चमत्कारसँ कम नहि अछि।

तोइ पुछैत अछि–यू नो कोच्चि? असलमे कूच्चि नाम के एकटा जगह एत्तहु छैक जे केरल के कोच्चिसँ मिलै छैक। आब हम सभ ओतहि जा रहल छी। कूची साइगोनसँ सत्तर किलोमीटर दूर छैक। कूचीमे सुरंग के जाल छैक। एकटा सुरंग के लम्बाई तऽ अढाई सौ किलोमीटर छैक। तैं एकर नामे पड़ि गेलैक कूची टनेल। सुरंगेमे खाउ, सुरंगेमे सूतू, सुरंगेमे युद्ध संबंधी मीटिंग आ तैयारी करू। सुरंग के एहन व्यवस्था अद्भुत रहैक। जाहि सुरंगमे भानस होइ, ओहिसँ दूर दोसर सुरंग देने ओकर धुइयाँ निकलैत रहैक। ई सभ साइगोनकें विदेशी गुलामीसँ मुक्त करेबा लेल क्रांतिकारी जनता द्वारा तैयार कयल गेल रहैक। एहिठाम युद्धमे अमेरिकी सेना द्वारा प्रयुक्त अनेक घातक हथियार अखनो ओहिना राखल छैक।

विदेशी सेना खातिर बहुत रास फंदा छैक जाहिमे फँसला पर प्राणांत निश्चित।

एकटा वियतनामी टायर आ ट्यूबसँ बहुत मजबूत चप्पल बनबैत रहैक। धरती पर पड़ऽ वला चप्पल के निशान भरमाह रहैक। अहाँ पूब जायब तऽ निशान बतायत जे अहाँ पच्छिम गेल छी।

जतय अमेरिकी सेना बमबारी केने रहैक, ततय अखनो बड़का-बड़का खाधि विद्यमान छैक। सगरे युद्ध के तबाही के अवशेष बचल छैक।

आब हम सभ युद्धसँ निकलिक' शांति दिस आ मृत्युसँ निकलि कऽ जीवन दिस जा रहल छी। जीवनदायिनी नदी मेकौंग दिस। मेकौंग अद्भुत नदी छैक। ई अनेक देशक यात्रा करैत दक्षिणी वियतनाममे प्रवेश करैत अछि। चीनसँ निकलि कऽ ई म्यांमार, लाओस, कम्बोडिया आ थाइलैंड के यात्रा करैत वियतनाम पहुँचैत अछि। सत्तर किलोमीटर और आगू जाकऽ समुद्रमे मिलि जाइत अछि।

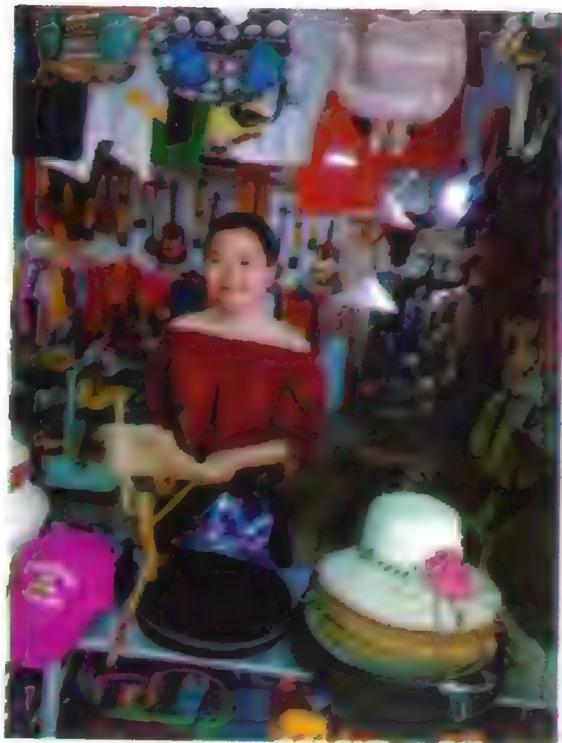
मेकौंग दिस जाइत अनेक चीज ध्यान आकृष्ट कयलक। पूरा डेल्टा पनियाह आ दलदलाह अछि। खेत सभमे पानिए पानि देखलिऐ। सूखल बाध-बन बड़ कम। एहि इलाकामे खाली धान के खेती होइ छैक। तीन फसला। कतहु धान कटि गेल छैक, कतहु लागल छैक। कतहु रोप भऽ गेल छैक। मशीनसँ धनकटनी होइत पहिल बेर देखलिऐ। तीन चारि ठाम थोड़े मकइ लागल देखलिऐ। खजूर आ नारियल के गाछी भेटल। कतहु-कतहु दस-बीस टा गाय चरैत छल। खपड़ा आ टीन के किछु घर। मेकौंगसँ पहिने चारि-पाँच टा छोट-छोट नदी भेटल।

दिन के दू बजे तोइ एकटा आलीशान रेस्टुरेंटमे लऽ गेलि। नाम रहैक मेकौंग रेस्ट स्टॉप। रेस्त्राँ विदेशी घुमक्कड़सँ भरल रहैक। खाना बहुत स्वादिष्ट आ शानदार। पैघ सन सौंसे तरल माछ तऽ अभूतपूर्व।

समूचा दच्छिन वियतनाममे फेर ओहन भोजन नहि भेटल।

हम सभ मोटर बोटसँ मेकौंग नदी के सैर केलहुँ। मेकौंग के ओहि कात उतरिकऽ दू घंटा बितेलहुँ। तोइ एकटा रेस्टुरेंटमे लऽ गेलि, जतय केला के शराब चिखलहुँ। स्वाद नीक छल।

मेकौंग के कातमे गामक किछु कलाकार विदेशी पर्यटक के मनोरंजन करैत रहैत छैक। दूटा पुरुख गिटार बजबैत रहल आ दू-तीन टा स्त्री



लोकगीत गबैत रहलि। छोट-छोट मधुर गीत।

यात्री सभ कलाकारकें पुरस्कृत करैत छैक।

काते कात मेकौंग नदी के जे छाड़न छैक ताहिमे नौका विहार होइत छैक। गामक स्त्री-पुरुष नाह चलबैत अछि। ओकर सभक वएह जीविका छिऐक। नाह के सवारी हमहूँ सभ केलहुँ। वएह नाह मोटर बोट लग पहुँचा देलक, जे प्रतीक्षा मे लागल रहय।

वियतनामी साँपो खाइत अछि। कुत्तो खाइत अछि। विश्वास छैक जे कुत्ता के मांउस पुंसत्व बढबैत छैक।

तोइ नमस्कार, स्वागत, धन्यवाद आदि लेल वियतनामी शब्द सभ सिखेने छलि। भरिये दिनमे सबटा बिसरा गेल। खाली केमोन मोन रहल, जकर अर्थ होइत छैक धन्यवाद।

वियतनाममे महाप्रकाश बहुत मोन पड़ि रहल अछि। भरिसक वियतनाम पर ओ कोनो कविता लिखने रहय। कोन कविता रहैक पता नहि। रहबो करैक कि ई खाली हमर भ्रम अछि, सेहो नहि जानि। लेकिन ओ लगातार मोन पड़ि रहल अछि। कतय छें, महाप्रकाश?

23.12.2018 साइगोन

आइ सिटी टूर छल। गाइड सबसँ पहिने इंडिपेंडेंस पैलेस लऽ गेल। विशाल आ भव्य महल। ई महल एक सौ साल के युद्ध आ उथल-पुथल के साक्षी अछि। पहिने ई नरोदम महल छल। एहि महलसँ युद्ध के संचालन होइत रहैक। एक बेर एहि पर बमबारियो भेल छलैक।

तकर बाद म्यूजियम गेलहुँ। कैम्पसमे अनेक युद्धक विमान, हेलीकॉप्टर आ टैंक राखल छैक। अमेरिकी युद्ध सामग्री। वियतनामी कैदीकें यंत्रणा देबाक लेल लोहा के पिजड़ा, पएर जकड़ै वाला हड़ी, अत्यंत संकीर्ण सेल, पीड़ादायक लोहा के अनेक औजार देखब भयानक अनुभव छल। म्यूजियम के भीतर युद्ध, शांति आ स्वतंत्रता के साक्षी अनेक चित्र लागल छैक। म्यूजियम युद्धसँ होइ वला विनाश, यातना आ भयावहता के जीवन्त दस्तावेज अछि। वियतनामी जनता के संघर्ष आ बलिदान अद्‌भुत छैक।

तेसर गंतव्य चीनी पगोडा छल। एहिमे चीन के देवता के पूजा होइत छैक। चीनी भक्त सब फल फूल आ अगरबत्ती लऽ कऽ पूजा करैत अछि। पगोडा के बाहर दू गो आदमी पिजड़ामे फुद्दी सन बहुत रास चिड़ै राखने अछि। जकरा बाल बच्चा नहि होइत छैक से चिड़ै किनैत अछि आ उड़ा दैत अछि। विश्वास छै जे चिड़ै उड़ा देलासँ बच्चा भऽ जाइत छैक। एगो बच्चा चाही तऽ एगो, नै दूगो चाही तऽ दू टा चिड़ै कीनि कऽ उड़ा दियौ। मधु एकटा चिड़ै किनैत छथि आ हाथ ऊपर उठाकऽ उड़ा दैत छथिन। हम पाँच मिनट धरि चिड़ै कें देखैत रहै छिऐक। ओ पगोडा के ऊपर चकभाउर दऽ रहल अछि। भरिसक दिग-दिगंत धरि उड़ान भरबाक तैयारी कऽ रहल अछि।

केमोन साइगोन!

24.12.2018 हनोइ, वियतनाम

आइ वियतनाम एयरलाइन्ससँ हनोइ आबि गेल छी।

होची मिन्हसँ दू घंटा लागल। एयरपोर्टसँ होटल जाइत रही तऽ शहरमे प्रवेश करऽसँ पहिने एकटा नदी आयल। ड्राइवर बतेलक ई रेड रिवर छिऐक। उत्तरी वियतनाम के प्रसिद्ध नदी। नदी पर विलक्षण पुल छैक। वियतनाम कहियो फ्रांसीसी उपनिवेश छल। ई पुल वएह सभ बनौने रहय। पुल के डिजायन आकर्षक छैक।

रेनदेवू होटल। आइ होटलमे एकटा क्रिसमस पार्टी छैक। मैनेजर पार्टी लेल आमंत्रित करैत अछि।

पार्टीमे डेढ़-दू घंटाक देरी छैक। बाहर निकलि कऽ पनपिआइ करैत छी। विदेशी टूरिस्टसँ शहर भरल छैक।

मधुकें ई होटल ओतेक पसिन नहि छनि। रूममे खिड़की नहि छैक। हम कहबो केलयनि जे खिड़की के कोन काज? एसी तऽ अछिए। लेकिन ओ मानऽ लेल तैयार नहि छलीह। हुनका होइ छनि जे होटल वला धोखा देलक अछि। इंटरनेट पर जेहन देखेने छल, रूम तेहन नहि छैक। मैनेजर जूडी संगे हुनक बहस भेलनि। पार्टी के बाद हमरा सभकें होटलक दोसर यूनिट कैमेलिया पठा देल जायत।

पार्टीमे शराब, पोर्क, सलाद आ पेस्ट्री छल। छोट मुदा सुंदर क्रिसमस इव पार्टी।

कैमेलिया के रूम शानदार छल। एकदम शाही अंदाज वला।

होटल मुख्य आ बहुत व्यस्त सड़क पर अछि। बारह बजे रातियोमे सड़क पर बहुत ट्रैफिक छैक। हो ची मिन्ह जकाँ एत्तहु मोटर साइकिल बहुत छैक।

मधु के सखी रुचि अखन हनोइमे छथिन। ओ अपन पति संगे आयलि छथि। गौरवकें हुनक कंपनी बीस दिन खातिर हनोइ पठेने छनि। तैं रुचियो छुट्टी लऽ कऽ आबि गेलीह। काल्हि हम सभ संगे संग हेलौंग बे जायब।



25.12.2018 हनोइ, वियतनाम

टूरिस्ट बससँ हेलौंग बे जा रहल छी। चारि घंटा के सफर अछि। रुचि आ गौरव संगमे छथि। मधु आ रुचि एकठाम बैसल गप्पमे तल्लीन छथि।

हम लैंडस्केप देखि रहल छी। सड़क के दुनू कात अनेक मंजिला मकान देखाइत अछि। सभक डिजाइन आ रंग एक। लाल रंग के दू चारी छत। बीच-बीचमे कतहु धान रोपल खेत आ पहाड़। उत्तरी वियतनाम बेसी समृद्ध बुझाइत अछि।

डेढ़ घंटा के बाद बस रुकैत अछि। जगह के नाम बिसरि गेल छी। एतय विकलांग महिला सभ कसीदाकारी कऽ रहलि अछि। रंग-बिरंग के सुंदर डिजाइन। बाहर गार्डेनमे सैकड़ो प्रस्तर प्रतिमा राखल अछि। उत्कृष्ट कलात्मक मूर्ति। इहो सभ विकलांगे के बनाओल हएत।

बारह बजे हेलौंग बे पहुँचैत छी। हार्बरमे एगो छोट क्रूज पर सवार होइत छी।

क्रूजेमे लंच के व्यवस्था अछि। हार्बर के अगल-बगल खाली होटले होटल अछि टूरिस्ट सभ हेलौंग बे मे कइएक दिन रहि जाइत अछि।

हेलौंग खाड़ीक पहाड़ के आकृति एकदम अलग छैक। जेना लार-पुआर के टाल हो। दूटा पहाड़ तेहन छैक जे बुझाइत छैक जेना दुनू चुम्मा लऽ रहल हो। एकर नाम पड़ि गेल छैक-किसिंग चिकेन माउंटेन। समुद्र आ पहाड़क ई मेल दर्शनीय छैक।

अहिठाम एकटा विशाल गुफा छैक–दौंग थिएन कुंग।

एहन विशाल आ अद्‌भुत गुफा पहिने नहि देखने रही। एकर आंतरिक संरचना देखलासँ जे बिम्ब बनैत छैक, तकर समतुल्य बरकल मोमबत्ती भऽ सकैत अछि। लगैत छैक जेना पहाड़ बरकिकऽ लटकि गेल

हो। जगह-जगह अंध गह्वर।

एकठाम पानिक सोता। दू ठाम आसमान दिस खुलैत छेद। गुफा के बाहर एतेक ऊंचाई आ एहन विकट जगह पर कलात्मक ढंगसँ बनायल कैफे चमत्कृत करैत छैक।

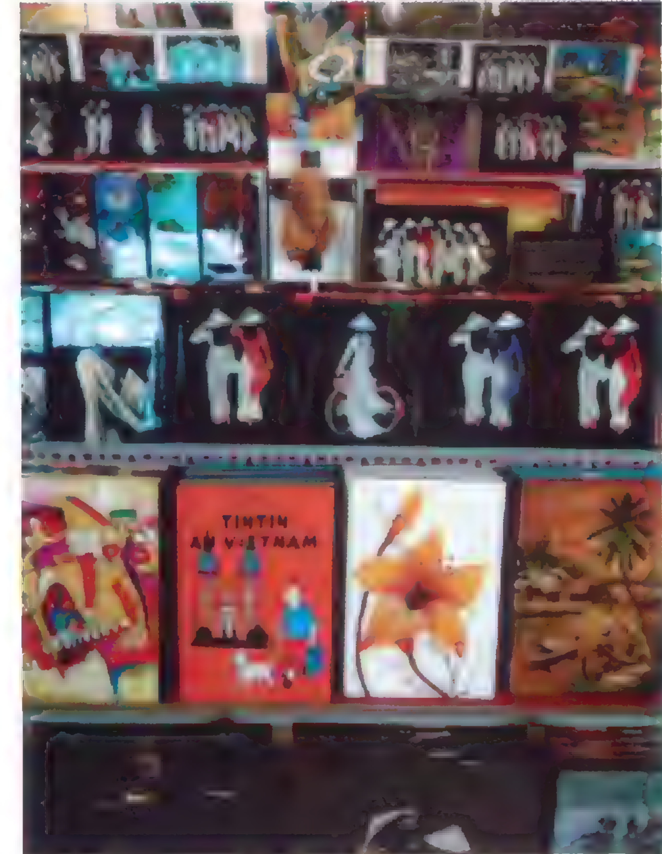
रातिमे साढे आठ बजे होटल कैमिलिया घुरैत छी। देखैत छी टेबुल पर नोट बुक नहि अछि। मोबाइल के चार्जरो नहि। भोरमे एक पाराग्राफ लिखिकऽ नोट बुक टेबुले पर छोड़ि देने छलिऐ। कलम सेहो छल। ई वएह नोट बुक छल जाहि मे पौने दू सय पेज यात्रा वृत्तांत लिखल छल। पहिने भेल सफाइ वला कोनो ड्रॉअरमे राखि देने होयत। सगरे तकलहुं। कतहु नहि छल। रद्दीमे ने फेक देने हो। कचरामे फेक देने होयत तऽ सब कयल धयल फूसि। तीन मासक कठिन श्रम व्यर्थ। लागल जेना क्यो सब किछु छीनि लेने हो। निःस्व आ रिक्त कऽ देने हो। ओहि सभ अनुभवक पुनर्सृजन आ पुनर्लेखन संभव नहि अछि। मानसिक स्थिति कोनो हारल आ निसुआयल व्यक्ति सन भऽ गेल।

मैनेजरकें कहलिऐक। मैनेजर हाउस कीपिंग स्टाफकें फोन करैत रहल। स्टाफ फोन नहि उठा रहल छल। पुछलिऐ जे कचरा कतय फेकल जाइत छैक। मैनेजर कहलक जे अपने सभ रूममे आराम करू। हम देखैत छिऐक। अगिला पंद्रह-बीस मिनट धरि मैनेजर नहि आयल। तखन हमरा भेल जे हम सभ गलती केलहुँ। मैनेजर के संग जेबाक चाही छल। नोट बुक भेटौ वा नै भेटौ–मैनेजरकें कोनो फरक नहि पड़तैक।

सौम्य देखने छलथिन जे मैनेजर ऊपर गेल रहय। हमहूँ सभ ऊपर गेलहुँ। ओतय बहुत रास सामान जहिं-तहिं राखल छलैक। मोबाइल वला टौर्च बारलहुँ। सौम्य गोट-गोट पैकेट के तलाशी करय लगलाह। पाँचम डिब्बामे हुनका नील रंगक नोट बुक सन कोनो वस्तु बहुत नीचामे राखल बुझेलनि। सब चीज उधेस कऽ ओ नोट बुक निकाललथि। ततेक निराश भऽ गेल रही जे किछु क्षणक लेल विश्वासे नहि भेल जे ओ वैह नोट बुक अछि। ग्रेट! नोट बुक भेटि गेल। संतोष आ प्रसन्नता के कोनो सीमा नहि रहय।

सौम्य तकैत रहलाह। लेकिन चार्जर आ पेन नहि भेटलनि।

मधु होटलक बदइंतजामी के बारेमे वेबसाइट पर एकटा पोस्ट लिखलथिन्। राति के साढे दस बाजि गेल छल। हम सभ बाहर भोजनक तलाशमे भटकैत रहलहुं। रेस्त्राँ सभ बंद भऽ गेल छल। एकटा बेकरी वला दोकान खुजल रहय। ब्रेड, केक इत्यादि किनलहुं आ अहा नामक कैफेमे बैसिकऽ कॉफी पिबैत रहलहुं। स्ट्रीट कैफे सब बहुत राति धरि खुजल रहैत छैक। आइ तऽ सहजहि क्रिसमस छिऐक। बहुत रास युवक आ युवती अहा कैफेमे बैसल गप्प लड़ा रहल छल। हमहूँ सभ मिनी चेयर पर बैसल क्रिसमस सेलिब्रेट करैत रहलहुं। आश्चर्य भेल जे एतेक छोट कुरसी सेहो एतेक आरामदेह भऽ सकैत अछि। वियतनामी सभक कल्पनाशीलता आ कारीगरी देखिकऽ प्रसन्नता भेल।



26.12.2018 ह्नोइ, वियतनाम

जलखै के बाद हम सभ म्यूजियम जाइत रही तऽ होटल के मैनेजर आयल। ओ होटलक वेबसाइट पर प्रकाशित मधु के रिभ्यू देखि लेने छल। ओ बहुत चिंतित छल। मधु के पोस्टसँ होटल के व्यवसायकें धक्का लगितिऐक। ओकर नौकरियो कें खतरा रहैक।

ओ मधु के खोशामद करैत रहल जे पोस्टकें डिलीट कऽ देल जाय। प्रलोभन दैत रहल-एक दिनक होटल फ्री, एयर पोर्ट धरि जाइ के टैक्सी फ्री। नया मोबाइल चार्जर आदि। मधुकें तामस उठलनि–हमरा सभकें कीनय चाहैत छी? मैनेजर चुप भऽ गेल।

दि वियतनाम नेशनल म्यूजियम ऑफ हिस्ट्री लग रुचि प्रतीक्षा कऽ रहल छलीह। आइ गौरव ऑफिस चल गेल छलाह।

रुचि आ गौरव प्रेम-विवाह कयने छथि। रुचि ब्राह्मण छथि आ गौरव राजपूत। रुचि के पिता आइ.ए.एस छथिन। ओ एहि अंतर्जातीय विवाहक घोर विरोधी रहथि। लेकिन रुचि अड़ल रहलथि। ओ दिल्लीमे आइटी प्रोफेशनल छथि। गौरव आ रुचि अनेक देशक भ्रमण कऽ चुकल छथि। रुचि कहैत छथि ओना तऽ साउथ ईस्ट एशियामे सब ठाम भाषा संबंधी समस्या छैक। लेकिन साउथ कोरियामे संप्रेषण बहुत कठिन छैक। एकर अनुभव काल्हि हमरो भेल रहय। हमरा संगे जे दक्षिण कोरिया के पर्यटक बैसल छल, तकरा अंग्रेजी साफे नहि अबैत रहैक। गप्प शुरू केलहुँ तऽ बाजल–नो इंग्लिश।

म्यूजियम बहुत विशाल छैक। ईसा पूर्व अढाइ हजार साल पहिनुका वियतनामी हर कोदारिसँ लऽ कऽ बीसम शताब्दी धरि के ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित छैक। चम्पाकालीन शिव, विष्णु, लिंग, योनि आदि अनेक हिंदू आ बुद्ध मूर्ति प्रदर्शित छैक।

अगले बगल दू टा म्यूजियम छैक। एकटा त्रांग तिएन स्ट्रीट पर आ दोसर त्रांग क्वान खाइ स्ट्रीट पर। दोसर अखन बंद भऽ गेल छैक। लंच के बाद खुजतै। हमहूँ सभ स्मोक हाउस नामक एकटा अमेरिकी रेस्त्राँमे भोजन करैत छी। व्यंजन स्वादिष्ट छल।

दोसर म्यूजियममे ढुकिते एकटा करिक्का कार देखाइत अछि। ई कार हो ची मिन्हकें रूस देने छलैक। ई अत्यंत सुरक्षित आ हथियारसँ लैस अछि। ओ 1954 सँ 1961 धरि एकर उपयोग कयने छलाह। तकर बाद ई म्यूजियम के धरोहर बनि गेल।

म्यूजियमसँ कने हटिकऽ एकटा झील छैक होआन किएम लेक। झील बहुत लम्बा-चौड़ा आ सुंदर छैक। काते-कात लाल-पीयर फूलक बगान। उतरबरिया महार पर एकटा बौद्ध पगोडा। हम सभ झीलक कातमे घंटो बैसल रहलहुँ।

रुचि होटल चल गेलीह। गौरव संगे फेर अओतीह। संगे संग वाटर पपेट शो देखबाक अछि जे झील के बगलमे छैक।

एहि बीच मधुकें जूडी के फोन अयलनि। रेनडेवू होटल के मैनेजर जूडी भेंट करय चाहैत अछि। बुझा गेल जे कैमिलिया होटल के मैनेजर कोनो समझौताक लेल ओकरा पठेने हेतैक। जूडी लेक लग अबैत अछि। हम सभ कॉफी क्लबमे बैसिकऽ एक घंटा गप करैत छी।

वियतनामी युवती जूडी बहुत सुंदर अछि। होटल मैनेजमेंटमे एमबीए केने अछि। घर हनोइसँ पचास किलोमीटर दूर छैक। हनोइमे असकरे रहैत अछि। अंगरेजी कने आर सुधारि लेत, तखन विदेशमे नौकरी के प्रयास करत।

नोट बुक वला प्रसंग उठलै। जे किछु भेलैक ताहि लेल जूडी क्षमा याचना कयलक।

जूडी संगे ई भेंट मित्रता आ अंतरंगतामे बदलि गेल। आलिंगन संगे एक-दोसरसँ विदा लेलहुँ। कोमल आ स्निग्ध आलिंगन। मधु पोस्ट डिलीट कऽ देलखिन।

एक घंटा के पपेट शो अछि। शो के आरंभ वियतनामी वाद्य संगीतसँ होइत अछि। एकटा युवती बहुत निपुण वादन कऽ रहलि अछि। संगीतक मधुर स्वरलहरी अभिभूत करैत अछि।

कठपुतली पानिमे नचैत अछि। कखनो वंशी खेलाइत अछि। कखनो टापी सँ माछ मारैत अछि। कखनो जालसँ मछहरि करैत अछि। कखनो सोंसि तऽ कखनो बोच बनैत अछि। शो बेस मनोरंजक अछि।



हो ची मिन्ह म्यूजियम आयल छी। रुचि एसकरे आयलि छथि। एहिठाम हो के शव सुरक्षित राखल छैक। म्यूजियम के भीतर आ बाहर सगरे सेना के पहरा छैक। हो के व्यक्तिगत उपयोग के सामान आ स्वतंत्रता संघर्षक अनेक चित्र आ दस्तावेज संरक्षित छैक।

म्यूजियम के परिसर मे एकटा वन पिलर पगोडा छैक। एकटा स्तम्भ पर ठाढ़ ई पगोडा असाधारण छैक।

ओतयसँ दू किलोमीटर दूर एकटा जगह छैक थांग लौंग। एगारहसँ अठारहम शताब्दी धरि थांग लौंग वियतनाम के राजधानी छलैक। आब शाही महल के अवशेष छैक। यूनेस्को एकरा विश्व धरोहर के रूपमे मान्यता प्रदान कयने छैक।

थांग लौंग हम सभ रिक्शासँ आयल रही। वियतनामी रिक्शा विलक्षण छैक। रिक्शा चालक के सीट पाछू रहैत छैक। सवारी आगाँ। बिना कोनो अवरोध के अहाँ सामने के दृश्य देखि सकैत छी।

आब म्यूजियम ऑफ एथनोलॉजी नहि जा सकब। चारि बजे फ्लाइट अछि। कम्बोडिया जेबाक अछि सिम रिप। सिम रिपमे प्रसिद्ध अंगकोर मंदिर छैक।

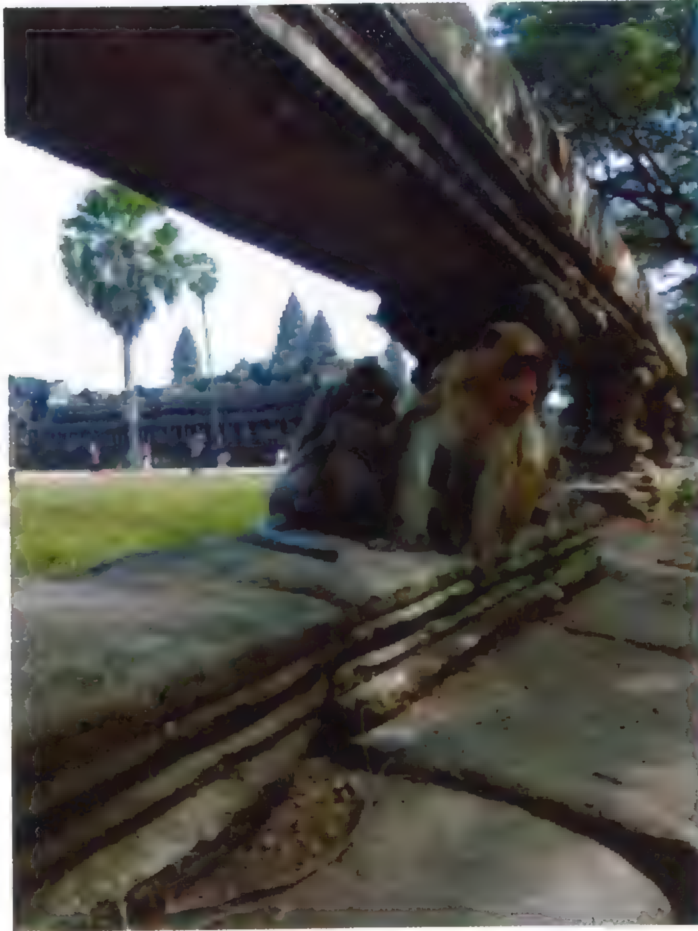
थांग लौंग के रेस्त्राँमे लंच करैत छी। रुचि ओत्तहि विदा लऽ लैत छथि। मधु कहैत छथिन–अगिला साल फेर कोनो देशमे भेंट होयत।

कोनो देश किएक? अप्रैलमे बाली बजा लियौन। अहाँ तऽ टिकट लेनहि छी। हम कहैत छियनि। अप्रैलमे तऽ ई अमेरिकामे रहतीह। मधु कहैत छथि।

बैक पैकर्स! (घुमक्कड़) हमर टिप्पणी पर सब मुस्कुराइत छथि। रुचि संगे विदाइ के आलिंगन होइत अछि।

हनोइसँ सिम रिप डेढ़ घंटा के सफर अछि। साँझमे पहुँचि जाइत छी। एहिठाम बेसी गरमी बुझाइत अछि। होटल वला ऑटो पठेने अछि। ऑटो वला कागज पर सौम्य के नाम लिखने आ गरदनिमे लटकौने एयर पोर्ट पर ठाढ़ अछि।

रिभर साइड के एकटा होटल बुक अछि। नदी के दुनू बगल होटल, रेस्त्राँ, दोकान आ मसाज सेंटर छैक। एहि ठामक नाइट मार्केट दुपहर राति धरि खुजल रहैत छैक। सिम रिपमे विदेशी टूरिस्ट गजगज करैत छैक।



28.12.2018 सिम रिप, कम्बोडिया

आइ अंगकोर वात के ट्रिप पर जा रहल छी। अंगकोर के मंदिर विश्व प्रसिद्ध छैक। यूनेस्को के धरोहर सूचीमे शामिल छैक। अंगकोर सिम रिप के जीवन रेखा छिऐ। ई शहर पूर्णतः पर्यटन पर आश्रित अछि। अंगकोर मध्य युगमे कम्बोडिया के राजधानी छल। मंदिरक निर्माण ओही कालमे भेल छलैक।

अंगकोर वात हिंदू आ बौद्ध धर्मक सम्मिश्रण अछि। मंदिरमे अनेक हिंदू देवी-देवता के भित्ति चित्र छैक। बुद्ध के मूर्ति छैक। कतहु-कतहु काम कला के चित्र सेहो उकेरल छैक। भाइ योगेंद्र पाठक वियोगी अंगकोर वातक बहुत सूक्ष्म आ विस्तृत अन्वेषण कयने छथि। हुनक आलेख मिथिला दर्शनमे प्रकाशित छनि।

अंगकोर मंदिरक सीढ़ी सभ टूटि-फूटि आ खिया गेल छैक। ऊपर चढ़ऽ लेल कृत्रिम सीढ़ी बनाओल गेल छैक जे बहुत दुर्गम आ कठिन छैक।

हमर सभक गाइड के नाम सोक अछि। सोक कहैत अछि जे पनचानवे प्रतिशत कम्बोडियाई बौद्ध धर्मकें मानैत अछि। लेकिन सामाजिक आचरणमे हिंदू जीवन शैली प्रचलित छैक। बियाह-दान, घरबास, यात्रा आदि हिंदूए जकाँ शुभ मुहूर्त देखि कए करैत अछि।

हम सभ अन्य अनेक बौद्ध मंदिरक भ्रमण करैत छी। अंगकोर वातक सामने एकटा झील छैक। कैक किलोमीटर के लम्बा झील। ओकरे किनार पर बनल एगो रेस्त्राँमे भोजन करैत छी।

रेस्त्राँ के बाहर चारि-पाँच टा धीयापूता बौसली आ चुम्बक बेचि रहल अछि। बौसली बजा-बजा कए गहिकीकें आकृष्ट करैत अछि। अंगरेजीमे कहइ-ए–बाइ सर, टू डॉलर फोर थ्री। टू डॉलर फोर थ्री। इट

इज फोर स्कूल, सर। (कीनू श्रीमान! दुइए डॉलरमे तीन टा। हम सभ स्कूलक खर्च लेल ई करैत छी।)

दस-एगारह सालक लड़की हमर पाछू पड़ि गेल। किनबाक जिद करय लागलि। कहलिऐ–वेट (थम्ह)। कोनो गाड़ी के आवाज सुनिकऽ ओ सभ पड़ा गेल। कनेके कालमे फेर आबि गेल। हमरा भेल मधु चुम्बक कीनि सकैत छथि। हम मधु के प्रतीक्षा करैत रही। लेकिन ओ लड़की अगुतायल रहय। अकच्छ भऽ कऽ हम जा कए बसमे बैसि रहलहुँ।

लड़की ओत्तहु पहुँचि गेलि। हमर बगलमे बैसल अमेरिकी ओकरा संगे मोल-मोलाइ करैत तीन डॉलरमे पाँच टा चुम्बक कीनैत अछि। लड़की हमरा दिस विजय के मुस्की छोड़ैत जा रहलि अछि। हमहूँ मुस्कुराइत छी से ओ देखइ-ए।

आजुक आखिरी गंतव्य एकटा पहाड़ अछि। पहाड़ परसँ सूर्यास्त देखल जा सकैत छैक। ऊपर गेला पर दूर कोनो नदी देखाइत अछि। सूर्यास्त होइमे अखन देर छैक। आसमानमे मेघ झाँप-तोप कऽ रहल छैक। बुझाइत नहि अछि जे सूर्यास्तक प्राकृतिक छटा देखि सकब। सामने बहुत दूर धरि देखाइत परिदृश्य सोहाओन लगैत अछि। टूरिस्ट सभ फोटो खिंचबामे व्यस्त अछि। किछु विडियोग्राफी कऽ रहल अछि।

साँझमे होटल पहुँचि कए पहिने नहाइत छी। भरि दिन घाम आ गरदासँ तोपा गेल छलहुँ। फेर आराम करैत छी।

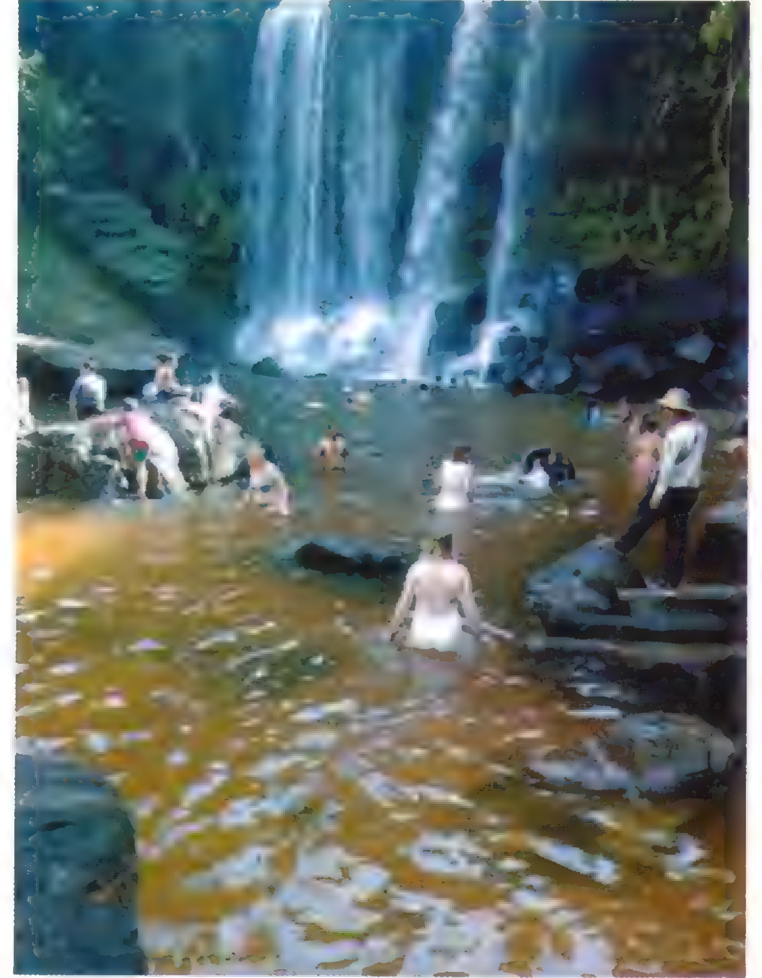
दस मिनट पैदल चलला पर आर्ट सेंटर नाइट मार्केट अबैत अछि। ओतय रेस्त्राँमे भोजन करैत छी। मधु आ सौम्य मसाज करबैत छथि। हम पब स्ट्रीटमे टहलैत रहैत छी। रंग-बिरंग के रोशनीमे जगमगाइत पब स्ट्रीट विदेशी टूरिस्टसँ भरल छैक। कोनो-कोनो रेस्त्राँमे डांस आ म्यूजिक के धूम मचल छैक। सब शराब आ संगीतक मस्तीमे झूमि रहल अछि।

आब हम पब स्ट्रीट के चौराहा पर ठाढ़ भेल नजारा देखि रहल छी। लगभग पैंतीस सालक एकटा कम्बोडिआई आदमी हमरा पुछैत अछि–वांट गर्ल सर? यंग गर्ल, सर। थर्टी डॉलर फोर वन आवर। सिक्सटी डॉलर फोर होल नाइट। नो अदर चार्ज, सर। वांट सर? (लड़की चाही श्रीमान? एकदम जवान लड़की। एक घंटा के तीस डॉलर। पूरा राति के

साठि डॉलर। और कोनो खर्च नहि। चाही, श्रीमान?)

नो, आइ डोंट वांट। (नहि हमरा नहि चाही) हम कहैत छिऐक।

हमर जवाब सुनियो कए ओ टरैत नहि अछि। फेर कहैत अछि–एनी वे, कम टुमौरो सर। यू विल फाइंड मी हियर। डेली इन दि इभनिंग। कम टुमौरो, सर। रिमेंबर दैट गैसोलिन, सर। (कोनो बात नहि श्रीमान। काल्हि आउ। हम रोज साँझमे एतय अबैत छी। ओ जे गैसोलिन अछि तकरा मोन राखब। हम एत्तहि भेटब।)



29.12.2018 सिम रिप, कम्बोडिया

आइ हमर सभक मुख्य गंतव्य कुलेन वाटर फॉल अछि। ओतय जाइमे डेढ़-दू घंटा लगैत छैक। आइ दोसर बस, दोसर गाइड, दोसर लोग सभ अछि। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, वेनेजुएला, फिलिपिन्स, स्पेन, इंग्लैंड आदि अनेक देशक टूरिस्ट संगमे अछि। गाइड के नाम छिऐक टच। ओ हाथ पसारि कए कहैत अछि–टच मी। स्पेनिश महिला ओकर हाथ पर हाथ बजारैत छैक।

टच पहिने थाउजेंड लिंगाज लग लऽ जाइत अछि। कोनो पहाड़ी झरनासँ पानि बहिकऽ आबि रहल छैक। भरि घुट्ठी पानिक नीचा अनगिनत शिवलिंग छैक। नाग पर शयन करैत विष्णु के चित्र पत्थर पर उकेरल छैक। पौथानमे विष्णु के पएर जंतैत लक्ष्मी के चित्र। ई सभ पानिक नीचा छैक। अद्भुत!

स्पेनिश महिला अपन सखीकें शिवलिंग देखबैत गिनती कऽ रहल छैक उनोस, दोस, त्रेस....। (एक, दू, तीन)

हमरा तखन बुझायल जे ई स्पेन के अछि। पुछलिऐ–दोंदे भिभा उस्तेद? (अहाँ कतय रहैत छी?)

कहलक–एस्पान्या (स्पेन)। तखनसँ ओ हमरा प्रति बेसी सजग आ स्नेहिल भऽ गेलि।

कुलेन जाइसँ पहिने हम सभ लंच करैत छी। दूटा युवती एक्के टेबुल पर सामने संग-संग बैसल अछि। स्विट्जरलैंड के नीना आ इंग्लैंड के फेलेसिटी। बीस-बाइस साल के नीना अतीव सुंदर अछि। ओ तीनटा हार, ऐरिंग, औंठी आ कंगन पहिरने अछि। गहना ओकर सौन्दर्यकें द्विगुणित कऽ रहल छैक। कोनो राजकुमारी सन लगैत अछि। अखन ओ सिंगापुरमे कोनो पढाइ कऽ रहल अछि। काल्हि ओ नोम पेन्ह जायति।

नोम पेन्ह के उच्चारण ओकरा कठिन लगैत छैक। बेर-बेर बिसरि जाइत अछि।

फेलेसिटी पच्चीस छब्बीस सालक लगैत अछि। ओ हांगकांगमे स्कूल टीचर अछि। फेलेसिटी सेहो सुंदर अछि। ओकर सुंदरतामे सादगी छैक। ओ गंभीर आ सहज-सरल अछि।

टूरिस्ट बस कुलेन जलप्रपात के स्टैंड पर उतारि दैत अछि। ओतयसँ प्रपात के दूरी पांच सौ मीटर हेतैक।

लेकिन रस्ता बहुत विकट आ दुर्गम।

ओतय पहुँचि गेला पर लोक सब किछु बिसरि जाइत अछि। जल प्रपात के अवर्णनीय सौन्दर्य आ शीतल समीर सब थकान मेटा दैत छैक।

हम दर्शक बनल बैसल छी। अधिकांश टूरिस्ट नहा रहल अछि। स्त्रीगण बेसी। कामिनी करय असनाने। हमरा भीतर विद्यापति अनुगुंजित भ' रहल छथि। नीना आ फेलेसिटी प्रपात के ठीक नीचा जा कए फोटो खिंचबा रहलि अछि। फोटोग्राफी के काज टच कऽ रहल अछि। सौम्यकें पएरमे कने चोट लगलनि आ चमड़ी छिला गेलनि। घंटा-डेढ़ घंटा नहेला सए थरथरी आबि जाइत छैक। सब चट्टान पर बैसि कए रौद लगबैत अछि।

सब टूरिस्ट थाकिकऽ चूर भऽ गेल अछि। बसमे चुप बैसल अछि। होटल लग उतरैत काल स्पेनी महिला कहैत अछि–टेक केयर, बाबा (अपन ध्यान राखब)।

हम चकित भेल महिलाकें देखैत छी। की सिनेह! की ममता! रातिमे नाइट मार्केट जाइत छी। भोजन करैत छी। तरल बेंग चिखैत छी। मधु आ सौम्य फिश मसाज करबा रहल छथि। शीशा के एकटा पैघ जारमे पानि आ छोट-छोट माछ के झुंड छैक। जारमे पएर राखिते माछ खोंटी करय लगैत छैक। पैरमे गुदगुदी लगैत छैक। फिश मसाज के दू डॉलर चार्ज छैक। कम्बोडियामे डॉलर के बहुत चलती छैक। कम्बोडियाई मुद्रा के क्यो लेनिहार नहि।

मधु अंगकोर वात आ बुद्ध के पेंटिंग कीनैत छथि।

होटल घुरैत काल नदी पर बनल पुल पर कने काल बैसैत छी। पुल

पर कैकटा बेंच छैक। नदी के छोर पर स्ट्रीट म्यूजिशियन के ग्रुप कम्बोडियाई वाद्य बजा रहल अछि। पुल पर बैसल बैसल मधुर संगीत सुनब बहुत सोहाओन लागि रहल अछि।



30.12.2018 सिम रिप एवं बैंकॉक

आइ चारि बजे बैंकॉक के फ्लाइट अछि। ओहिसँ पहिने दू ठाम जाइत छी। पहिल अछि अंगकोर थौम। एहिठाम हॉट एयर बैलून के फ्लाइट लैत छी। बैलून जमीनसँ सौ मीटर ऊपर उठैत अछि। आधा घंटा धरि आसमानमे टिकल रहैत अछि। ओतय सए पूरा सिम रिप देखाइत छैक। अंगकोर वात ठीक सामने पूबमे अछि। बहुत मनोरम दृश्य छैक।

दोसर जगह अछि फ्लोटिंग भिलेज। ओतय जाइमे पौन घंटा लगैत अछि। कतहु-कतहु टिन के घर आ घास-फूसक बनल बैठकी देखाइत अछि। फेर पहाड़ आ नदी।

नदीमे सैकड़ो हाउस बोट अछि। यैह भेल फ्लोटिंग भिलेज। हाउस बोटमे टूरिस्ट घंटा दू घंटा नदी के सैर करैत अछि। जगह सुंदर छैक।

हम सभ सिम रिप घूरि अबैत छी। पब स्ट्रीटमे लंच करैत छी। सामने गैसोलिन के पोस्ट देखा रहल अछि। वांट गर्ल वला कम्बोडियाई मोन पड़ैत अछि।

बैंकॉक एतय सए डेढ़ घंटा के उड़ान छैक। साँझमे पहुँचि जाइत छी। वीजा आ इमिग्रेशन के चक्कर थका दैत अछि।

बैंकॉकमे दू टा इंटरनेशनल एअरपोर्ट छैक। जाहि पर उतरल छी तकर नाम छिऐक सुवर्णभूमि। शुद्ध संस्कृताह भारतीय नाम। एयरपोर्ट के बिल्डिंग के बीच मे समुद्र मंथन के बिम्ब ठाढ़ करैत मूर्ति बनल छैक। मूर्तिकला के अद्‌भुत नमूना। ओना थाइलैंडमे बौद्ध मतावलंबी बेसी अछि। लेकिन भारतीय पौराणिक मिथक के प्रभाव बहुत स्पष्ट छैक।

एयरपोर्ट पर हिंदिओमे चेतावनी लिखल छैक-कोई टिप्पस नहीं। ई नो टिप्स के अनुवाद छिऐक।

राति आठ बजे विन लौंग होटल पहुँचि जाइत छी। बैंकाक के चाव फ्राया नदी बग़लमे बहि रहल छैक।

31.12.2018 — बैंकॉक, थाइलैंड

बैंकॉक के ग्रैंड पैलेस बहुत प्रसिद्ध छैक। पैलेस परिसरमे अनेक महल आ बौद्ध मंदिर छैक। राजमहल बहुत भव्य छैक। एमराल्ड बुद्ध के परिधान आभूषण आ रत्नजड़ित छैक। महल सभक निर्माण अढाइ सौ साल पहिने राजा राम प्रथम द्वारा भेल छलैक। ई सभ महल यूरोपीय आ थाइ स्थापत्य कला के मेल सए बनल छैक। एतेक पुरान होइतो बुझाइ छैक जेना अखने बनल हो। दर्शकक जबरदस्त भीड़ छैक। हजारो विदेशी पर्यटक छैक। कनेक हटि कए चाव फ्राया नदी बहैत छैक।

पैलेस के परिसर बहुत लम्बा चौड़ा छैक–कइयनो किलोमीटर के। देखैत-देखैत हम सभ थाकि गेल छी। बाहर निकलैत छी। पैलेस के पुबरिया चौराहा पर नेवी क्लब नाम के रेस्टुरेंट अछि। बहुत सुंदर आरामदेह रेस्त्राँ। ओहिमे किछु खाइत छी आ सुस्ताइत रहैत छी।

आइ नव सालक आगमन हेतैक। अनेक ठाम स्वागत समारोह हेतैक। मधु नेट पर सर्च कऽ रहलि छथि जे सबसँ सुंदर समारोह कतय हेतैक।

ज्ञात होइत छनि सेंट्रल वर्ल्ड स्क्वायरमे बेसी धूमधाम रहैत छैक।

हम सभ कने काल फ्राया नदी के कातमे टहलैत छी। फ्राया बैंकॉक के बीच देने बहैत छैक। पैलेस स्क्वायर पर पहिल बेर एगो स्ट्रीट डांसर कें डांस करैत देखै छी।

मधु ऊबर टैक्सी सर्विसकें फोन लगबैत छथि। फोन लागि नहि रहल छनि। कोनो देशक एयरपोर्ट पर उतरला पर मधु सबसँ पहिने जे काज करैत छथि से थिक ओहि देशक लोकल सिम कीनब। मोबाइलमे थाइलैंड के सिम लागल छनि, लेकिन काज नहि कऽ रहल छनि।

ऑटो वलासँ गप्प करैत छथि। ओ दुगुना-तिनगुना मँगैत छैक।

एहिठामक मुद्रा बात (baht) बहुत मजगूत छैक। एक बात भारतक दू टाका के बराबर। भारतवासी लेल थाइलैंड बहुत महग छैक। ऑटो आ टैक्सी वला ठक होइत अछि। विदेशीकें बेसी ठकैत अछि। ऊबर टैक्सी सर्विसमे ठकपनी नहि छैक। मधु कें अंततः ऊबरसँ संपर्क भऽ जाइत छनि। हम सभ सेंट्रल वर्ल्ड जा रहल छी।

सेंट्रल वर्ल्ड स्क्वायरमे अखनेसँ भीड़ बढ़ि रहल छैक। लम्बा-चौड़ा स्ट्रीटमे दू ठाम स्टेज बनल छैक। महिला आ पुरुष कलाकार आर्केस्ट्रा के तेज धुन पर थिरकि रहल अछि आ अंगरेजी गीत गाबि रहल अछि। रोशनी के जबरदस्त सजावट छैक।

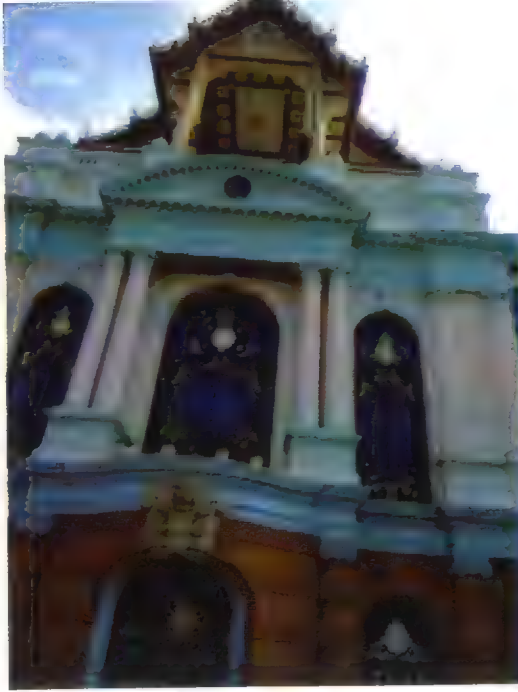
अखन साते बजल छैक। नया साल के आगमनमे पांच घंटा लगतैक। एतेक काल ठाढ़ रहब भारी बुझा रहल अछि। बगल के मॉलमे चल जाइत छी। ओत्तहि वर्ल्ड फूड कोर्टमे भोजन करैत छी। दस बजे स्ट्रीट घुरैत छी। मिस पड़ैत छैक। खाली लोके लोक। पचास हजारसँ कम के भीड़ नहि हेतैक। जगन्नाथपुरी के रथ यात्रा मोन पड़ैत अछि। पुरी जकाँ लाखक लाख लोक एतय नहि छैक। लेकिन समां ओहने छैक। कलाकार आ दर्शक डांस करैत अछि। बहुत उत्साह आ उमंग छैक। लोग सब हाथमे बलिया आ माथ पर सींग धारण केने अछि। फ्लोरेसेंट के बलिया आ सींग भुक-भुक बरैत छैक।

नव वर्षक स्वागत समारोहमे भाग लेबाक ई हमर दोसर मौका अछि। पहिल बेर कैक साल पहिने कलकत्ता के पार्क स्ट्रीट वला समारोहमे उपस्थित छलहुँ। ओ मौका एहि लेल अविस्मरणीय अछि जे ओहि दिन अनेक प्रसिद्ध लेखक संगमे छलाह। महाप्रकाश, हरेकृष्ण झा, प्रमोद झा आ हम मिलि कए नव वर्षक स्वागत कयने रही। पार्क स्ट्रीटमे लोक टोपी पहिरने सीटी बजा रहल छल।

जहिना बारह बजलैक कि आतिशबाजी शुरू भऽ गेलै। तुमुल कोलाहल संगे नव वर्षक स्वागत भेलैक। आतिश अनेक रूप धारण करैत आसमानकें आलोकित कऽ रहल छल।

लोक आब सड़क पर ससरि रहल अछि। कोनो सवारी नहि भेटत। टैक्सी चलऽ के जगह नहि छैक। मेट्रो रेलसँ जा सकैत छी। सौम्य गूगल पर सर्च करैत छथि जे कोन स्टेशन उतरला पर होटल लग पड़त।

सेंट्रल वर्ल्ड के बगलमे मेट्रो स्टेशन छैक-राकप्रसांग। ऊपरमे छैक। सीढी सँ जाइ छी। पुल पर सौम्य रुकैत छथि। मोबाइल पर भरिसक ट्रेन के पोजीशन देखि रहल छथि। मधु आ हम सेहो ठमकि जाइत छी। हमर सामने एकटा स्त्री पुल पर नीचामे बैसलि कानि रहलि अछि। आश्चर्य भेल। एकरा की भेलै? किएक कानि रहलि अछि? तीस-बत्तीस



सालक ओ स्त्री बहुत सुंदर छलि। संभ्रांत कुलीन भेष। हम मधुकें कहलियनि। मधु ओहि स्त्री लग गेलीह। पुछलथिन–इज देयर एनी प्रॉब्लम (कोनो समस्या अछि)? डू यू नीड हेल्प (कोनो मदति चाही)?

नो(न्नः)।

हमरा भेल जीवन कतेक रहस्यमय छैक! पूरा संसार नव वर्षक खुशीमे मगन अछि। आ ई स्त्री बैंकॉक के जन-सागरमे एकसरि सोगमे डूबल कानि रहल अछि।

हम उदास आ करुण भावें ओकरा दिस तकैत रहलहुँ। आँखिमे झिलमिलाइत नोर संगे ओहो हमरा देखि रहलि छलि। ओकर ठोर पर करुण हास छलैक। हमरा बुझायल जेना ओकर करुण मुस्कीसँ कृतज्ञता के किरण फूटि रहल हो।

01.01.2019 **बैंकॉक**

राति होटल घुरैत-घुरैत दू बाजि गेल। आइ बहुत थाकल छी। मधु कतहु नहि जेतीह। आराम करतीह। सौम्य आ हम एक बजे निकलैत छी।

पहिने वात अरुण जाइ छी। ई बैंकॉक के प्रसिद्ध मंदिर छैक। मंदिर के लम्बाइ असाधारण छैक। एतेक लम्बा मंदिर हम आइधरि नहि देखने छलहुँ। कतहु छैहो कि नहि, नहि जानि। उज्जर रंग के एहि मंदिरक कारीगरी विलक्षण छैक। पता नहि भीतर कथीके मूर्ति छैक। बगलमे एकटा विशाल मंडप छैक, जाहिमे शयन मुद्रामे बुद्ध के मूर्ति छैक। मूर्ति सोना के बुझाइ छैक।

पूब भर चाव फ्राया नदी बहैत छैक। हम सभ घाट पर जाइ छी। फ्रायामे नाव चलैत छैक। पैघ-पैघ मोटर बोट। बैंकॉक के सबसँ सस्ता यातायात के साधन यैह छिऐक। एकर फेरी सर्विस शहरमे दूर-दूर धरि चलैत छैक। फेरीसँ हमहूँ सभ अपन होटलसँ लगीच वला घाट पर उतरैत छी। बांगरक बजार लग एगो थाइ रेस्टुरेंटमे खाइ छी आ होटल जा कए सूति रहैत छी।



02.01.2019 **पटाया, थाइलैंड**

दस बजे बैंकॉकसँ विदा होइ छी। पटाया जा रहल छी। एतयसँ पटाया डेढ़ सौ किलोमीटर दूर छैक। दू घंटा के सफर अछि। पटाया अपन अनेक समुद्री तट आ नाइट लाइफ लेल प्रसिद्ध अछि। थाइ मसाज तऽ नामी छैहे। नाइट लाइफ के लेल एकटा और जगह बहुत चर्चित अछि-नाना प्लाजा। नाना प्लाजा पटायासँ सौ किलोमीटर और दूर अछि।

टैक्सी बारह बजे पटाया के मैंग्रोवहोटल पहुँचा दैत अछि। होटल बहुत सुंदर आ सुविधा सम्पन्न छैक। बालकनीमे सेहो कुर्सी-टेबुल लागल छैक। बैसि कए प्राकृतिक दृश्य के अवलोकन कऽ सकैत छी। नीचा मेस्वीमिंग पुल छैक। दू टा विदेशी महिला स्नान कऽ रहलि अछि। हम बालकनीमे बैसि कए सिगरेट पिबैत छी। ऐश ट्रे टेबुल पर राखल छैक।

मैंग्रोव होटलसँ बाको बीच बहुत लग छैक। मात्र एक किलोमीटर। ई प्राइवेट बीच छिऐक। सब रेस्त्राँ अपन सामने वला जगह पर समुद्रसँ सटाकऽ सोफा आ टेबुल लगेने अछि। किछु खाना-पीना हो, तखने बैसि सकैत छी।

खाइत आ समुद्र दर्शन करैत करीब दू घंटा रेस्त्राँमे गुजरि जाइत अछि।

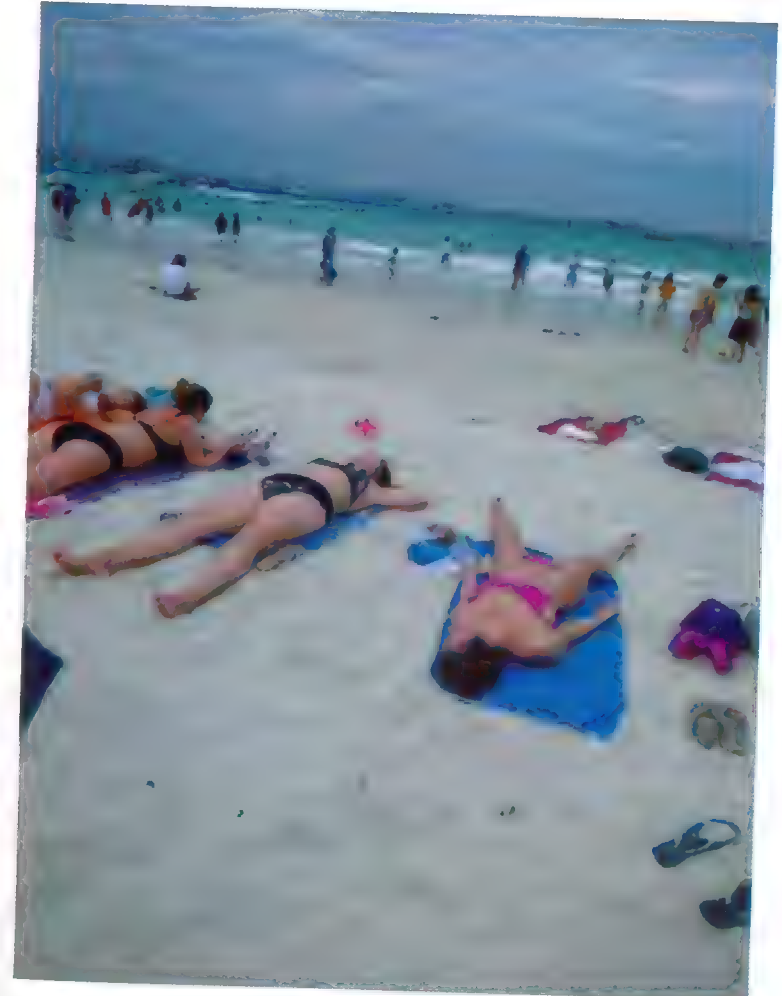
मधु ऊबर टैक्सी बजबैत छथिन। हुनका सैंकचुअरी ऑफ ट्रुथ देखबाक सूर चढ़ल छनि। सत्यक एहि अभयारण्यमे लकड़ी के एकटा अति विशाल मंदिर छैक। मंदिर समुद्रसँ सटल छैक। सुनैत छी जापानमे सेहो लकड़ी के एगो मंदिर छैक।

ई जे मंदिर अछि ताहिमे वैदिक कालक प्रकृति पूजा, पौराणिक

कालक देवी-देवता आ बुद्ध के चित्र लकड़ी पर बनायल अछि। मंदिर हिन्दू आ बौद्ध धर्मक सम्मिश्रण अछि।

एहि सत्यकें उजागर कयल गेल छैक जे सृजन के मूल मे माता पिता छथि। हुनक प्रेम शुद्ध आ निर्मल होइत अछि। माता-पिता के प्रेम समुद्रोसँ बेसी गहींर आ आकाशोसँ बेसी विशाल होइत अछि।

ओहि साँझ ओतहुके सागर तट पर प्रकृति आ सिरजनहारक विराटतामे निमग्न रहैत छी।



03.01.2019 **कोलान आइलैंड, थाइलैंड**

टूरिस्ट बस आठ बजे होटल आबि जाइत अछि। सबसँ पहिने हमरे सभकें पिकअप करैत अछि। और टूरिस्ट के संगोर करबामे जोमटिएन बीच के चक्कर काटैत अछि।

जोमटिएन बीच बहुत लम्बा आ सुरम्य छैक। तट के सामने दूर समुद्रमे पहाड़ देखाइत छैक।

बस आब गोल्डेन बीच के चक्कर लगबैत अछि। ओतहु सए किछु टूरिस्ट उठबैत अछि। फेर पटाया सिटी बीच पर लऽ जाइत अछि। एहिठाम टूरिस्टक मेला लागल छैक। मोटर बोट के भरमार छैक। अनेक तरहक क्रियाकलाप चलि रहल छै। सी सर्फिंग आ पारा सेलिंग के नजारा आकर्षक छैक। सिटी बीच पटाया के सबसँ सुंदर बीच अछि।

एकटा मोटरबोट हमरा सभकें समुद्र के बहुत भीतर लऽ जाइत अछि।

ओहिठाम पनिया जहाज लागल छैक। जहाज पर बहुत लम्बा-चौड़ा डेक बनल छैक। पारा सेलिंग केनिहार ओही डेक परसँ ऊपर आसमानमे उठैत अछि आ ओही पर उतरैत अछि। पारा सेलिंग के छत्ता टंगने आ छत्तामे टूरिस्टकें लटकेने कैकटा मोटर बोट बहुत तेज गतिसँ जहाज के चक्कर काटैत रहैत अछि। जे सेलिंग करैत अछि, तकरा एकटा जैकेट पहिरा देल जाइत छैक। जैकेट बहुत टाइट रहैत छैक आ लोककें जकड़ि लैत छैक। डेक पर सात-आठ टा कर्मचारी सक्रिय रहैत छैक। ओ सभ उतरै वला के हूक खोललक आ उड़ै वला के हूक फँसेलक। लोक गुड्डी जकाँ समुद्रक ऊपर आकाशमे पताइत रहैत अछि।

हमर सभक अगिला पड़ाव कोलान टापू अछि। मोटर बोट बहुत तेज रफ्तारसँ लहरकें चिरने चल जा रहल अछि। रहि-रहिकऽ पानिक

छिट्टा भिजा जाइत अछि। टापू आबि गेल। मोटर बोट एकटा पुलमे सटैत अछि। ई प्लास्टिक के पुल समुद्रक लहर संगे उठैत-गिरैत रहैत अछि। तरंग-जकाँ ऊपर-नीचाँ। ओहि पर चलैत काल संतुलन नहि राखब तऽ खसि पड़ब।

कोलान टापू सुंदर अछि। लोक सभ सी सर्फिंग आ स्नोरकेलिंग कऽ रहल अछि। जे नहा लेलक से बालु पर पटायल रौद लगा रहल अछि। धूप-सेवनमे बेसी संख्या अमेरिकी आ यूरोपीय महिला के अछि।

हम सभ इंडियन रेस्टुरेंटमे भोजन करैत छी। बहुत रास भारतीय अछि। कैक दिनक बाद भारतीय स्टाइलमे बनल खाना खा रहल छी। मधु थाइ डिश के फैन छथि। अखन थाइ व्यंजन मिस कऽ रहलि छथि।

भोजनक बाद स्नोरकेलिंगके प्रोग्राम अछि। ई कार्यक्रम डेढ़ घंटा धरि चलैत छैक। आब घूरि रहल छी।

पटाया बहुत लम्बा-चौड़ा शहर अछि। नाइट मार्केट होटलसँ एगारह किलोमीटर दूर छैक। राति आठ बजे टैक्सी सए जाइत छी। सामने शुद्ध शाकाहारी जैन भोजनालय अछि। पटायामे जैन रेस्टुरेंट देखि कने आश्चर्य भेल।

एक बेर संजय थाइलैंड आयल छलाह। ओ पटाया के वाकिंग स्ट्रीटमे नाइट लाइफ देखने रहथि। भारतीय टूरिस्टमे नाइट लाइफ के बहुत क्रेज रहैत छैक। तस्लीम के उपन्यासक एकटा पात्र जीवन भरि इएह सपना देखैत रहैत अछि। वाकिंग स्ट्रीट एहिठामसँ थोड़बे दूर छैक। लेकिन ओतय नहि जाइ छी। अहूठाम कैकटा नाइट क्लब छैक। एकटामे प्रवेश करैत छी। लम्बा चौड़ा क्लब लाल रोशनीमे जगमगा रहल अछि। अनेक बार आ बिलियर्ड्स टेबुल छैक। सैकड़ो सोफा सेट लागल। बिलियर्ड्स बहुत कम गोटय खेल रहल अछि। बेसी गोटय सोफे पर बैसल शराब पीबि रहल अछि आ सटिकऽ बैसल लड़की संगे रोमांस कऽ रहल अछि।

सैकड़ो लड़की छैक। बीससँ पच्चीस सालक। दस-बीस टा अधेड़ स्त्री।

हम एक पेग रेड वाइन लऽ कऽ बैसल छी। एतय बिना शराब के अहाँ बैसि नहि सकैत छी। जगह आ फर्नीचर बार के छिऐक। बार

लड़की चला रहलि अछि। बार के मालिक के छिऐ, पता नहि।

एकटा अफ्रीकी महिला शराब दऽ गेल अछि। हम बहुत धीरे-धीरे पीबि रहल छी आ पटाया के एहि रातुक जीवन-व्यापारकें देखि रहल छी।

क्लबमे अधिकांश लोक अमेरिका आ यूरोप के बुझा रहल अछि। जतेक महिला अछि, सब थाइ। पूरा क्लबमे एक्के टा अफ्रीकी महिला अछि। लड़की सभ अपन-अपन गहिकी के तलाशमे अछि। तरह-तरह के भाव-भंगिमा आ काम-चेष्टा के बल पर गहिकीकें रिझेबा के प्रयास कऽ रहलि अछि। कखनो चुम्बन, कखनो आलिंगन कऽ रहल अछि। पुरुष वर्ग सेहो एहिमे पहल करैत अछि। जकरा जे पसिन भेल, तकरा संगे निकलि जाइत अछि।

आब हमरो गिलास खाली भऽ गेल अछि।



[illegible] पटाया, थाइलैंड

आइ थाइलैंडमे हमर आखिरी दिन अछि। बैंकॉकसँ एयर इंडिया के फ्लाइट अछि। चारि घंटा के उड़ान। रातिमे एक बजे मुम्बई पहुँचब। सम्राट रिसीव करताह।

मधु आ सौम्य हमरा एअरपोर्ट ड्राप करैत होटल चल जेताह। चटुचक लग होटल खोजिकऽ बुक कयने छथि।

चटुचक बैंकॉक के प्रसिद्ध वीक एंड मार्केट छिऐक। सस्तो छैक। भरिसक मधु थाइलैंड के मैगनेट किनतीह। भोरमे हो ची मिन्ह के फ्लाइट छनि आ ओतयसँ साँझमे मेलबर्न के।

एगारह बजे हम सभ होटल खाली कऽ दैत छी। सामान रिसेप्शनमे राखि बाको बीच निकलि जाइत छी। बैंकॉक लेल टैक्सी बुक भऽ गेल अछि। चारि बजे निकलब।

दुपहरमे बाको बीच पर लोक बहुत कम छैक। बीच वीरान आ उदास लागि रहल अछि। मनो उदास अछि। सवा तीन माससँ हम सभ संग छलहुँ। आइ अलग भऽ जायब। सौम्य तऽ पछिला सात माससँ संग छलाह।

मधुकें अफसोस होइत छनि। कहैत छथि—आब फेर सएह ऑफिस, सएह रूटीन!

जीवन तऽ यैह छिऐक!—हम कहैत छिऐन।

ई स्वच्छंद विचरण, ई आनंद काल्हिसँ नहि रहत। हमर एहि विदेश यात्रा के आइ अंत भऽ जायत। काल्हिसँ दोसर यात्रा आरंभ होयत। यात्रा के रूप-रंग बदलैत रहैत छैक।

होटल घुरैत छी। टैक्सी आबि गेल अछि। पटायासँ विदा होइत छी। मधु के नजरि ड्राइवर के सामने राखल दू टा अत्यंत छोट मूर्ति पर

गेलनि। हम आगू ड्राइवर के बगलमे बैसल छी। लेकिन हमर ध्यान नहि गेल। मधु देखि लेलथिन। स्त्रीक चाक्षुष संवेदना बेसी तीव्र होइत छैक।



पुछलथिन–ककर मूर्ति छिऐक?

ड्राइवर कहलकनि–बुद्धा।

हम गौर केलिऐक मूर्ति कृशकाय आ जर्जर वृद्ध के छलैक। भारतमे बुद्ध के एहन मूर्ति कहियो नहि देखने रहिऐक।

ओतय तऽ बुद्ध आ महावीरे नहि, सभ देवी-देवता के युवावस्था चित्रित छैक। यौवन ऊर्जा, उत्साह आ उल्लास के प्रतीक छिऐक। तैं श्रेयस्कर बूझल जाइत अछि।

वृद्धावस्था सेहो एकटा सत्य अछि। ई मूर्ति ओहि सत्यकें प्रकट करैत अछि।

ड्राइवर जोड़ैत अछि–बुद्धा प्रोटेक्ट (बुद्ध रक्षा करैत छथिन)।

हम बुद्धकें नमस्कार करैत छियनि जे अपन धर्म आ दर्शनसँ लोकक जीवनकें अखनो अनुप्राणित कऽ रहल छथि।

परिशिष्ट

अंडमान डायरी



बहुत पहिनुका गप थिक। सन् 1985क। साहित्य अकादेमी सऽ ट्रेभेल ग्रांटक चिट्ठी आयल छल। कोनो दू जगहक नाम मंगने छल। हम पोर्ट ब्लेयर आ गोवाक प्रस्ताव देलिऐक। साहित्य अकादेमी गोवा स्वीकृत कयलक। पोर्ट ब्लेयर छूटि गेल। तहिए सऽ सोचैत रहलहुँ कहियो कलकत्तामे पनिया जहाजमे सवार हएब आ पोर्ट ब्लेयर पहुँचि जायब। लेकिन छब्बीस साल मे ई 'कहियो' कहियो नहि आयल। सितंबर 2012 मे एक दिन अचानक मुंबई सऽ फोन आयल। माझिल बालक संजय सपत्नीक पोर्ट ब्लेयर जा रहल छथि। हम जाय चाहब? पुछलथि। हमर छब्बीस साल सऽ संचित इच्छाकें जेना पाँखि लागि गेल। हम झट तैयार भऽ गेलहुँ। संजय ट्रेन आ जहाजक टिकट बुक कऽ देलथि। हम सहरसा सऽ आ ओ मुंबई सऽ रवाना हेताह। पोर्ट ब्लेयरक हवाई अड्डा पर भेंट हएत।



पहिल दिन

से आइ मन मे भारी उत्सुकता आ रोमांच लेने अंडमान जा रहल छी। अंडमान निकोबार द्वीप समूह। एहि द्वीप समूह जयबाक लेल पहिने पोर्ट ब्लेयर जाय पड़त। पोर्ट ब्लेयर प्रवेश द्वार भेल। ठीक ओहिना जेना-पूर्वक प्रवेश द्वार गुवाहाटी अछि। पोर्ट ब्लेयर जयबाक लेल कोलकाता आ चैन्नै सऽ रोज विमान सेवा उपलब्ध अछि। पनिया जहाज रोज नहि अछि, महीना मे तीन या चारि बेर। पनिया जहाज तीन-चारि दिनमे पहुँचाबैत अछि, हवाई जहाजकें दू घंटा लगैत छैक।

कोलकाताक नेताजी सुभाष चंद्र बोस विमानपत्तन सऽ एयर इंडियाक विमान भोर पौने छह बजे उड़ैत अछि। चौरासी सीटवला विमान पूरा भरल नहि अछि, किछु सीट खालिए छैक। अखन टूरिस्टक सीजन शुरुहे भेल छैक। विमान किछुए मिनटमे बंगालक खाड़ी पर बहुत ऊपर उड़ लगैत अछि। खाली उजरका मेघक टुकड़ी सभ देखाइत अछि आ नीचा खूब गाढ़ नील रंगक पानि। आर कोनो दृश्य नहि। उतरऽ सऽ किछुए मिनट पहिने पोर्ट ब्लेयर देखाय लगैत अछि। टापू पर पहाड़, जंगल, पानि आ घर-दुआर। टापूक ई पहिल झाँकी बेस मनोरम आ सोहाओन लगैत अछि।

पोर्ट ब्लेयरक वीर सावरकर हवाई अड्डा बड़ छोट अछि आ सेना के कोनो हेलीपैड जकाँ लगैत अछि। लेकिन देखऽ मे खूब सुंदर। कने काल पहिने पानि पड़ल हेतैक। हवाई पट्टी तीतल छैक आ कतहु-कतहु छपछप करैत छैक। ई अनुभव अद्भुत छैक जे अहाँ जहाज सऽ उतरि कऽ पयरे हवाई अड्डाक बाहर निकलि जाउ। बसक कोनो झंझट नहि। बाहर टैक्सी लऽ कऽ अन्नादुरै ठाढ़ अछि। ओ पंद्रह-बीस साल सऽ ट्रेभेल एजेंसी चला रहल अछि। एतय असुरक्षित रहैत अछि। पोर्टब्लेयर मे कोनो जथा-पथा नहि अरजलक। ओकरा होइत छैक अंडमान कहियो समुद्रमे डूबि जेतैक। ओ चेन्नै मे जमीन लऽ कऽ घर बना रहल अछि।

पोर्ट ब्लेयरक सड़क पहाड़ी उतार-चढ़ाव सऽ भरल छैक। अगल-बगल के दृश्य बहुत मनभावन। गाछ-बिरीछ, झाड़ी, लताकुंज आ फूल-पत्ती सऽ युक्त लैंडस्केप। साफ-सथुरा आ चिक्कन सड़क। कोनो-कोनो ठाम छोटका दोकान। दोकान पर चाह-सिकरेट पिबैत दू-चारिटा गहिकी।

बहुत मोहक सफर। हमरा सभकें सर्किट हाउसमे छोड़ि अन्नादुरै चल जाइत अछि। दू घंटाक बाद आओत। ता हम सभ तैयार होयब।

सर्किट हाउस साउथ प्वांइटमे अवस्थित अछि। साउथ प्वाइंट समुद्र सऽ सटल एकटा मोहल्ला अछि। एहिठाम सऽ बहुत सुंदर दृश्य देखाइत छैक। ठीक सामने नील रंगक समुद्री विस्तार आ दुनू कात दूटा टापू-रॉस आयलैंड आ नॉर्थ बे। टूरिस्ट बोट, पानि पर फनैत स्पीड बोट, कोस्ट गार्डक गस्ती बोट, कोलकाता आ चेन्नैवला जहाज समुद्रमे भरि दिन देखाइत रहैत छैक।

दू घंटाक बाद गाड़ी आबि जाइत अछि। अन्नादुरै अपने नहि आयल। उदय नामक एगो आदिवासी ड्राइवरकें पठौलक अछि। उदय के पुरखा राँची सऽ आबि कऽ बरटंगमे बसि गेल रहय। राँचीक बहुते आदिवासी एतय आबि कऽ बसि गेल। पोर्ट ब्लेयरमे तऽ राँची नाम के एकटा मोहल्ले अछि।

अंडमानमे सब सऽ बेसी बंगाली अछि। तकर बाद तमिल। ताहि सऽ कम आदिवासी आ आन-आन लोग। एतुक्का लोगक जीवन पर्यटन पर आश्रित छैक। माछ आ नारियल सेहो जीविकाक साधन अछि। उदय सब सऽ पहिने मानवविज्ञानी संग्रहालय लऽ जाइत अछि। एहिठाम फोटो आ मुरतीक मदति सऽ एतुक्का मूल आदिवासीक जीवनकें देखेबाक ब्योंत कएल गेल छैक। दू तरहक मूल आदिवासीमे सऽ एकटा तऽ मुख्य जीवनधारामे मिल गेल, लेकिन जारवा अखनो आदिम आ जंगली जीवन बिता रहल अछि। ओ सभ शिकार करैत अछि आ जंगली कंद आ फल खाइत अछि।

उदय हमरा सभकें दोसर संग्रहालय लऽ जाइत अछि। नौसेनाक एहि संग्रहालयमे समुद्री जीव-जंतु छैक। तरह-तरह के रंगीन माछ, कोरल, शंख, जेली फिश, सी हॉर्स आ आन-जान अद्भुत जीव-जंतु सभ।

हमसभ थाकि गेल छी। बाहर रौद कड़गर छैक। साइंस सेंटर, साव मिल सन आन दर्शनीय स्थान देखबाक विचार छोड़ि दैत छी। उदयकें कहैत छिऐक कोनो बीच पर लऽ चलय, जतय छाहरि हो, हवा हो, जतय एक-आध घंटा बैसि सकी। उदय कोरबिंसको बीच पर लऽ जाइत अछि। लकड़ीक आरामकुर्सी पर ओंगठल शीतल समुद्री हवा खाइत आ

अबैत-जाइत लहरकें देखब बहुत सुखदायी अछि।

बीच पर मकइ के लावा, नमकीन आ चाह बेचनिहार घूमि रहल अछि। एकटा स्टॉल पकौड़ा के अछि। मिथिलामे जे पकौड़ा दस टाका मे भेटैत अछि तकर दाम एतय चालीस छैक। सब चीज दुगुन्ना तिनगुन्ना महग। तइयो पकौड़ावला संतुष्ट नहि अछि। कहैत अछि एतुक्का जीवन कठिन छैक। जँ एकदिन मालवाहक जहाज नहि आयल तऽ समानक दाम अकास ठेकि जाइत छैक। एतय सब चीज चेन्नै आ कोलकाता सऽ अबैत छैक।

हम सभ चारि बजे सेलुलर जेल जाइत छी। एक समय ई कालापानीक नाम सऽ जानल जाइत छल। आब तऽ ई स्वतंत्रता सेनानी सभक स्मारक बनि गेल अछि। सेलुलर जेलक बनावट विचित्र छैक। ई तिनमंजिला अछि आ दूटा भुजा जकाँ पसरल अछि। दुनूक उतरबरिया छोर एकटा गोल गुंबद सऽ जुड़ल, लेकिन दछिनबरिया छोर एक दोसर सऽ कनेक हँटल-हँटल आ खुजल। गोल गुंबदमे ठाढ भऽ कऽ अहाँ पूरा बरंडाकें एतय सऽ ओतय देखि सकैत छी। ब्रिटिश सिपाही एहीठाम ठाढ़ भेल कैदी पर पहरा दैत छल।

एकर छोट-छोट कोठलीमे लोहाक भारी-भारी गेट लागल छैक। सब सऽ दछिनबरिया आ फाँसीघर सऽ सटल कोठलीमे वीर सावरकरकें राखल गेल छल। ब्रिटिश शासकक व्यवहार बहुत अमानवीय आ बर्बरतापूर्ण छल। अल्प भोजन आ अल्प विश्रामक मारल कैदी सभ सऽ पीट-पीट कऽ कठोर श्रम कराओल जाइत छल। एहि दुस्सह यातना सऽ कैदी बेराम पड़ैत छल आ इलाजक अभावमे मरि जाइत छल। बंदी सभक नारकीय जीवन आ अंगरेजक अत्याचारक विरोधमे जेलक भीतरे आंदोलन शुरू भेल। विरोधक लहरि सौंसे देशमे उठल। सुभाषचंद्र बोस पोर्ट ब्लेयर अयलाह। हुनके अनुरोध पर आमरण अनशन खतम भेल आ कतेको बंदीक जान बचल। कोल्हुमे नारियल पेरब आ नारियलक डोरि बाँटब बंदीक मुख्य काज छल। कोन बंदीकें एक दिनमे कतेक काज करबाक छैक से निर्धारित रहैत छल। जे ओतेक नहि कऽ सकल तकर दुर्गजनक कोनो सीमा नहि। शारीरिक आ मानसिक उत्पीड़नक जघन्य आ अकल्पनीय रूप सब। बंदीक कष्ट आ पीड़ाकें मुरतीक माध्यमे



परगट कयल गेल अछि। ओ मुरती सभ एकटा नमछुर शेडमे राखल अछि।

साँझमे ध्वनि आ प्रकाशक एकटा शो होइत अछि। ई शो कोनो परदा पर नहि देखाओल जाइत अछि। जेलक देबाल, फाँसीघर, मुरतीवला शेड आ पीपरक गाछे परदा बनि गेल छैक। बंदी जीवनक असीम कष्टक खिस्सा चलि रहल अछि। स्वतंत्रता सेनानीक धैर्य, साहस, त्याग आ संघर्षक रोमांचकारी गाथा चलि रहल अछि। जेलमे औनाइत, आजादीक लेल लड़ैत हमर पूर्वज अपनाकें मेटा देलथि। दऽ गेलाह मुक्त धरती, मुक्त आसमान। एहि मुक्तिमे बलिदानक भीषण ताप अछि।

राति आठ बजे सर्किट हाउस घूरि अबैत छी। बालकनीमे ठाढ़ भऽ कऽ देखैत छी। समुद्र तट बिजलीक रोशनी सऽ जगमगा रहल अछि। पानिमे अखनो कोनो-कोनो बोट आ जहाजक इजोत देखाइत अछि। उत्तर भर नॉर्थ बे टापूक पहाड़ पर लागल शक्तिशाली सर्चलाइट रहि-रहि कऽ तेज रोशनी फेकैत अछि आ समुद्रमे बहुत दूर धरि इजोतक चाकर पट्टी पानि पर चमकि उठैत छैक।

इजोरिया पसरल छैक। पोर्ट ब्लेयरक ई राति बहुत मायावी आ रहस्यमय लागि रहल अछि। कोनो स्वप्नलोक जकाँ। अपन घर सऽ हजारो मील दूर। चारू भर पहाड़, जंगल आ समुद्र। टापूक अनचिन्हार दुनिया। दुर्गम पहाड़। विकट जंगल। अगम-अथाह सागर। विराट-विकराल प्रकृति। अन्हार-इजोतक रहस्यमय झिलमिल संसार।

दोसर दिन

भोर साढ़े आठ बजे उदय टैक्सी लऽ कऽ आयल। जेट्टी पहुँचायत। ओतऽ सऽ बोट लेब जे भरि दिनमे तीनटा टापू देखाओत। रॉस आयलैंड, नॉर्थ बे आ वाइपर आयलैंड। ई तीनू टापू पोर्ट ब्लेयरक अगल-बगलमे छैक। रॉस आ नॉर्थ बे तऽ साउथ प्वाइंटक सामने अछि आ निरंतर देखाइत रहैत अछि।

रॉस बहुत छोट टापू छैक। एकर पेट मुश्किल सऽ दू किलोमीटर हेतैक। कैक सौ साल पहिने जहिया अंगरेज अंडमान आयल तऽ अही टापू पर बसल। दोसर विश्वयुद्धमे एहि टापू पर जापानी सभ कब्जा कऽ लेलक। किछु जापानी बंकर अखनो महजूद छैक।

रॉसमे अंगरेजक बनाओल घर सभ खंडहर भेल जा रहल छैक। घरक पजेबाकें विशाल पीपरक सीर सभ गछारि लेने छैक। लोग कहैत छैक जँ रॉस आयलैंड नहि रहितिऐक तऽ आठ इस्वीवला सुनामीमे पोर्ट ब्लेयर नष्ट भऽ गेल रहैत। इएह टापू बचा लेलकै। सुनामीक प्रचंड विनाशकारी वेग सऽ पोर्ट ब्लेयरक रक्षा केलकै। ई ढाल बनि गेल।

रॉसमे तीतर, मोर आ हरिन बेस छैक। खयबाक वस्तु लेल ओ सभ घुमनिहारक लग चल अबैत छैक। हरिन आ मोर संग फोटो घिचायब आनंददायक अनुभव अछि। टापू पर पोखरि, कब्रिस्तान आ लंबा बगीचा छैक। पुबरिया भागमे बहुत सुंदर बीच छैक। कतेक ठाम गाछ सऽ टूटि कऽ खसल नारियल नीचामे पड़ल भेटत। लेकिन उठेबाक लोभ नहि करब, नहि तऽ सय टाका गछ लागि जायत। घुरैत काल हमसभ डाभ पीबैत छी। एहि टापू पर आर किछु नहि भेटत।

बोट आब नॉर्थ बे दिस जा रहल अछि। बिसटकही नोट पर जे फोटो छपैत छैक से अही टापूक पहाड़ आ जंगल के। गाइड नोट



देखबैत अछि। अही पर पैघ सर्चलाइट लागल छैक जे साँझ सऽ भोर धरि भुकभुकाइत रहैत छैक। नार्थ बे वाटर स्पोर्टक केंद्र अछि। स्नोरकेलिंग, स्कूबा डाइबिंग, स्पीड बोट आ समुद्र स्नान एहिठामक प्रमुख जलक्रीड़ा अछि। एतुक्का कोरल रीफ (मूँगा चट्टान) प्रसिद्ध अछि। पानिक भीतर तरह-तरह के आकृतिवला कोरल रीफ, ताहि पर पसरल सेवार, कोरलक खोह आ भयावह गर्त, रंगीन माछक सैकड़ो प्रजाति अद्भुत आ दर्शनीय अछि।

एहि सभकें देखबाक तीनटा उपाय अछि। एकटा उपाय स्नोरकेलिंग भेल। अहाँकें लाइफ जैकेट पहिरा देत, मूड़ीमे मास्क लगा देत; आँखि पर मैग्निफाइंग ग्लास आ नाकमे नली लगा देत जकर छोर पानि सऽ ऊपर निकलल रहैत छैक। अहाँक धड़ पानिक नीचा आ मूड़ी सतह पर रहत। आब पानिमे घूमि-घूमि कोरल रीफ आ रंगीन माछक दर्शन करू।

दोसर उपाय स्कूबा डाइभिंग अछि। एहिमे भरि देह जैकेट, मैग्निफाइंग ग्लासवला चश्मा आ पीठ पर ऑक्सीजन वला सिलिंडर लादि कऽ अहाँ दस-बारह मीटर पानिक नीचा जा सकैत छी; कोरलकें, माछकें छूबि सकैत छी। ई जोखिम सऽ भरल रोमांचकारी एडवेंचर अछि।



तेसर उपाय ग्लास बोट अछि। जे स्नोरकेलिंग या स्कूबा डाइभिंग नहि करऽ चाहत से ग्लास बोटमे बैसि कऽ कोरल रीफ आ माछ देखि सकैत अछि। नाह के पेनीमे पारदर्शी शीशा लागल रहैत छैक। अहाँ बैसल-बैसल नील सागरक भीतर चलैत जीवनक हलचलकें आश्चर्यचकित भेल देखैत रहि जायब।

तट पर खाइ-पिबैक आ शंख-सीपी सऽ बनल सामानक मुलकी दोकान छैक। संजय स्नोरकेलिंग करैत छथि, नहाइत छथि। मनीषा बाँसक मचान पर पड़ल छथि। मोन ठीक नहि छनि। हम आ पत्नी बिंदा जलक्रीड़ामे आनंद लैत लोगकें देखि आनंदित भऽ रहल छी।

तेसर टापू वाइपर अछि। ई पोर्ट ब्लेयर सऽ पच्छिम छैक। वाइपर जाइत काल पोर्ट ब्लेयरक बंदरगाह अबैत अछि। बहुत दूर धरि तरह-तरह के बोट आ जहाज लंगर खसौने अछि। बंदरगाह खतम होइते वाइपर आयलैंड आबि गेल। अंगरेज पहिने अही टापू पर जेल बनौलक। बहुत छोट जेल आ पहाड़ी टीला पर फाँसीघर। मोहन सिंहकें अहीठाम फाँसी देल गेल रहैक। आब ई स्मारक बनि गेल अछि। वापस जेट्टी लग अबैत-अबैत साँझ पड़ि जाइत छैक। पोर्ट ब्लेयर रोशनीमे जगमगा रहल

अछि। हम सभ अरबदीन बजारमे जरूरी सामान किनैत छी। एकरा संक्षेपमे ए. बजार कहैत छैक। ई पोर्ट ब्लेयरक मुख्य बजार अछि। फेर घूरि कऽ सर्किट हाउस चल अबैत छी। बालकनी सऽ देखाइत रॉस आयलैंड आ नॉर्थ बे आइ बेसी चिन्हार आ अंतरंग लागि रहल अछि। सर्चलाइट रहि-रहि कऽ चमकि उठैत छैक।

तेसर दिन

आइ जॉली ब्याय जेबाक अछि। अन्नादुरै काल्हिए पर्यटन विभाग सऽ चारिंगो टिकट लऽ आयल छल। उदय टैक्सी लऽ कऽ आठ बजे चल आयल अछि। पहिने बंडूर जाय पड़त। बंडूर सऽ बोट द्वारा जॉली ब्याय। बंडूर जेबामे टैक्सीकें एक घंटा लगतैक।

टैक्सी ड्राइभर कहैत अछि काल्हि जॉली ब्यायमे दुर्घटना भऽ गेलैक। एकटा जवान लड़का डूबि कऽ मरि गेलैक। भरिसक पीने रहैक। बोट पर सऽ खसि पड़लै आ डूबि गेलै। पता नहि आइ की हैते!

बंडूरक रस्तामे सुनामीक विध्वंस देखबामे अबैत छैक। रोडक दुनू कात पैघ-पैघ झील छैक। जतेक घर रहैक, सुनामीमे सब ध्वस्त भऽ गेलैक। आब खाली पानि छैक। घर-दुआर, गाछ-बिरीछ किछु नहि। ई रोडो टुटि गेल छलैक। फेर सऽ बनायल गेल छैक।

बंडूरमे बोट पर सवार होइ सऽ पहिने सबटा पोलिथिन-प्लास्टिक छोड़ऽ पड़ैत छैक। जॉली ब्यायमे ई सब प्रतिबंधित छैक। नो प्लास्टिक जोन। सय टाका जमा करू तखन जूटक झोला आ पानिक दोसर बरतन देत। जॉली ब्याय के घंटा भरिक एहि सफरमे अनेक सुंदर दृश्य देखबा मे अबैत छैक। दुनू बगल जंगल-पहाड़। दुनू किनारामे दलदल आ मैंग्रोव। रस्तामे छोट-छोट टापू। टापूक मुहाना। प्राकृतिक सौंदर्य। जॉली ब्याय बहुत छोट टापू अछि। एतय अहाँ नहा सकैत छी, कोरल देखि सकैत छी आ स्नोरकेलिंग कऽ सकैत छी। एहिठाम सब सऽ बेसी आनंद नेहेबामे छैक।

जॉली ब्याय के दच्छिन लंबा उजरका पट्टी देखाइत छैक। बुझाइत छैक जेना बरफ के मोटका रस्सा तनल पड़ल हो। लेकिन ओ बरफ नहि, झाग छिऐक जे लहर के टुटला सऽ बनैत छैक। ई विचित्र लहर अछि



जाहिमे ज्वार-भाटा नहि छैक। लहर टुटैत रहैत छैक आ बर्फ सन झाग बनैत रहैत छैक। एको क्षणक विराम नहि, ने कोनो स्थान-परिवर्तन; ने आकार आ लंबाइमे कोनो फेर-बदल। अविस्मरणीय दृश्य। घूरि कऽ बंडूर अयला पर टैक्सी ड्राइभर एकटा बीच पर लऽ जाइत अछि। छोट सन सुंदर बीच। बीच पर दूटा आकर्षक युवती राजसी पोशाक पहिरने माथ पर मुकुट रखने टहलि रहल अछि जेना कोनो देशक राजकुमारी हो।

अगिला दर्शनीय स्थल रबर प्लांट अछि। रबर के गाछ सभमे लबनी लागल छैक। लेकिन ताड़ जकाँ ऊपरमे नहि। ओकर दूध बगलवला प्लांटमे जाइत छैक। विभिन्न प्रक्रिया सऽ गुजरि कऽ रबर बनैत छैक। रबर के छोट-छोट टुकड़ा रौदमे सूखि रहल छैक। रबर के महक चतुर्दिक पसरल छैक।

प्लांटक बगलमे लौंग, दालचीनी, जावित्री आदिक गाछ छैक; मरीचक लत्ती छैक। पर्यटक लेल अभिनव देखनुक वस्तु।

साँझमे सर्किट हाउस आबि जाइत छी। मेघौन छैक। बुझाइत छैक पानि पड़तै। एतय रोज पानि पड़ैत छैक। हवा चलैत रहैत छैक। धूरा

गरदाक नाम नहि।

नॉर्थ बे मे सर्चलाइट चमकय लागल छैक। ओकर इजोत समुद्रमे बिजली जकाँ छिटकैत छैक।

चारिम दिन

बरटंग। आइ बरटंग जा रहल छी। पोर्ट ब्लेयर सऽ एक सय किलोमीटर दूर। ई यात्रा टैक्सी सऽ करऽ पड़त। सर्किट हाउस सऽ सात बजे निकलैत छी। एहि रोमांचकारी यात्रा लेल मनमे भारी उत्सुकता अछि। जारवा! एतुक्का आदिम जनजाति जारवाकें देखबाक उत्कंठा प्रबल अछि। जारवा अखनो आदिम ढंग सऽ जीबि रहल अछि। हमर मित्र लल्लन (विनय कुमार झा, आइ.ए.एस.) बहुत जोर देने रहथि जारवाकें जरूर देखिहें। जारवा बहुत खूँखार जनजाति अछि। पहिने बहरबैयाकें देखिते हमला करैत छल। आब ओहन नहि छैक। तथापि यात्रीक सुरक्षा लेल सरकार कॉनभाय के व्यवस्था केने अछि। जारवाक जनसंख्या घटैत-घटैत दू सय पर आबि गेल छैक। ओ सभ कंदमूल आ शिकार सऽ जीवन-यापन करैत अछि। बहुत कोशिश कयलो पर जारवा मुख्य जीवनधारामे मिज्झर नहि भऽ सकल। ओ सभ अखनो नंग-धड़ंग रहैत अछि। किछु दिन पहिने एकटा भिडिओक कारणे अखबार आ टीभी पर जारवा के खूब चरचा रहै। भिडियो मे जारवा युवतीकें नंगटे नचैत देखाओल गेल रहैक।

पोर्ट ब्लेयर सऽ तीस किलोमीटर आगू गेला पर एकटा पुलिस चौकी पड़ैत छैक। अहीठाम सऽ कॉनभाय चलैत छैक आ मिडिल स्ट्रेट धरि जाइत छैक। बीचमे पचास किलोमीटरक क्षेत्र जारवा लेल सुरक्षित छैक—जारवा रिजर्व। भिडिओ वला घटनाक बाद बहुत रास नियम कानून बदलि गेलैक। आब अहाँ जारवा रिजर्व मे बिलमि नहि सकैत छी, जारवा सऽ आपकता नहि बढ़ा सकैत छी; खयबा-पीबाक वस्तु नहि दऽ सकैत छी; फोटो नहि खींच सकैत छी।

बस, कार आ मोटर साइकिलक काफिला नौ बजे विदा होइत अछि। करीब पचास-साठिटा गाड़ी। आगू आ पाछूमे पुलिस कॉनभाय मोटर साइकिल पर। कॉनभाय दिन भरिमे बस तीन बेर चलैत छैक।



तीन बेर मिडिल स्ट्रेट लेल आ तीन बेर पोर्ट ब्लेयरक दिशामे।

पुलिस चौकी सऽ पाँच किलोमीटर आगू बढ़ला पर सड़क कातक पहाड़ी पर जारवाक पहिल घर देखायल। बाँस आ फूसक मड़बा जकाँ। लेकिन मड़बामे क्यो नहि अछि। हम सभ जारवाकें देखबा लेल व्यग्र छी। टैक्सी ड्राइभर टुरिस्टकें लऽ कऽ कल्हियो आयल छल। काल्हि

जारवाक झुंडकें सड़क कातमे शिकार झरकाबैत देखने छल। झुंडमे बच्चा, स्त्री सब छलै।

जारबा कतौ भेटि सकैत अछि। सड़क पर, सड़कक कातमे, सड़क कातक जंगलमे। हम सभ बहुत चौचंक छी। कखनो अइ कात, कखनो ओइ कात, कखनो सामने, कखनो पहाड़ी पर जारवा देखि लेबाक बेचैनी मे पड़ल छी। जारवा भेटियो सकैत अछि, नहियो भेटि सकैत अछि।

जँ पानि पड़ऽ लागल तऽ सब चौपट भऽ जायत। आकि तखने सड़कक दहिना भाग अचानक जारवा देखायल। कारी भुजुंग, थालमे लेटायल, हाथमे तीर-धनुष लेने एकटा जवान सड़क सऽ सटल ठाढ़ छल। ई युवा जारवा बगलवला क्रीकमे माछ मारऽ गेल हएत। काफिला खतम भेला पर रोड पार करत। पहिल जारवाकें देखबाक ई अद्‌भुत आ रोमांचकारी अनुभव छल। तकर बाद बेचैनी खतम भऽ गेल। और जारवा देखी, बस से उत्सुकता बनल रहल।

दोसर जारवा जे देखायल से स्त्री छलि। तीस-पैंतीस सालक। स्वस्थ, सुडौल, आकर्षक। माथ पर जारनि लेने। पूरा देह उघार। खाली डाँड़क नीचा एक बीतक झालर लटकल जे गाछक रेशाक बनल छल। ओ जारवा स्त्री निःसंकोच, निर्द्वंद्व, निर्विकार सड़क पर चल जाइत रहय।

किछु आर आगाँ गेला पर देखैत छी एकटा भान लागल अछि। दूटा ढेड़बा जारवा भान पर ठाढ़ अछि। मामला की छैक से नहि बुझायल। ड्राइभर बतेलक जनमासोचक कोनो गंभीर मामला हेतैक। अस्पताल लऽ जाइत छैक। सरकार किछु स्वास्थ्य-सेवा ग्रहण करबा लेल जारवाकें राजी कऽ लेलक अछि। ताहू मे कोनो बच्चाके जनम, संरक्षणक दृष्टिएँ, जारवा के सब सऽ पैघ समाचार होइत छैक। अखन ई खबर सगरे पसरल छैक जे जारवा समुदायमे तीनटा बच्चाक जनम भेल छैक।

जारवा रिजर्व वला पचास किलोमीटरक क्षेत्रमे सड़को पर बिजली नहि छैक। ने कोनो स्कूल छैक। उद्योग-धंधाक तऽ गप्पे छोड़ि दिअ। अपन आदिम जीवनशैली छोड़बाक लेल जारवा तैयार नहि अछि। भाषा एकटा पैघ समस्या छैक। जारवा के भाषा जाननिहार मात्र एकटा बंगाली अछि। ड्राइभर मात्र एकटा शब्द जनैत अछि–डाबडाब, जकर मतलब भूख होइत छैक। घूरैत काल तीन-चारि सालक नेना संगे एकटा स्त्री



भेटल जे इशारा सऽ खाइ ले मँगैत छलि। एकटा लंबू भेटल जे पान मँगैत छल। ओकरा सब ड्राइभर चिन्हैत छैक। नाम छिऐक पीहू। टूरिस्ट ओकरा पानक हिस्सक लगा देने छैक। कन्हामे तीर-धनुष लटकेने पीहू सब सऽ पान मँगैत अछि, लेकिन इशारामे।

प्राकृतिक संसाधन घटि रहल छैक। खाद्य पदार्थक कमी के कारणे कहियो काल जारवा चोरियो करैत अछि। रिजर्व के बाहर वला बस्ती सऽ राति कऽ केरा काटि अनैत अछि। पाकल केरा जारवाकें बहुत प्रिय छैक।

हम सभ मिडिल स्ट्रेट पहुँच गेल छी। समुद्री नदी (क्रीक) कें जहाज सऽ पार करऽ पड़त। ओहि पार दूटा दर्शनीय वस्तु अछि—लाइम केभ आ मड भोलकेनो। लाइम केभ देखबा लेल पौन घंटा के बोटक सफर अछि तऽ भोलकेनो लेल आध घंटा जीपक सवारी।

पहिने लाइम केभ खातिर बोटमे सवार होइत छी। पहाड़, जंगल आ मैंग्रोवक बीच देने बहैत समुद्री नदी पर बोट बहुत तेज गति सऽ जा रहल अछि। अतिकालक बाद बोट मैंग्रोवक जंगलमे घुसैत अछि आ एकटा पुल पर उतारि दैत अछि। पंद्रह-बीस मिनट जंगल बाटे पैदल चलैत केभ लग पहुँचैत छी। एहन विशाल आ भयानक गुफा हम पहिल

बेर देखि रहल छी। टॉर्च आ कैमराक फ्लैश लाइटमे चूना-पत्थरक विचित्र आकृति सभ देखाइत अछि। गुफामे बहुत गरमी छैक। थोड़बे कालमे तर-बतर भऽ जाइत छी।

बाहर आबि चाह पिबैत छी। बगलमे कोनो गाम छैक। अही गामक लोग चाह-पानक दोकान केने अछि। सामने खेतमे धान लागल छैक। किछु जनीजाति धान काटि रहल अछि।

बोट फेर मिडिल स्ट्रेट दिस जा रहल अछि। अबैत काल रौद बहुत तीख रहै। लेकिन अखन घुरैत काल मौसम बड़ सोहाओन भऽ गेल छैक। मेघ लागल छैक आ हवा चलि रहल छैक। अखनुक ई सफर मजेदार अछि। मगर ई आनंद थोड़बे काल रहैत अछि। मिडिल स्ट्रेट दिस झमटगर बरखा भऽ रहल छैक से एत्तहि सऽ देखाइत अछि। ओम्हरे रहओ, एम्हर नहि आबओ से गोहारि करैत हम सभ ओम्हरे बढ़ि रहल छी, जेम्हर पानि पड़ि रहल छैक।

मोटरबोटक मलाह प्लास्टिक वला तिरपाल निकालि रहल अछि। पानि तड़तड़ा कऽ पड़ऽ लागल। हम सभ तिरपाल ओढ़ि लैत छी। हवा मे उड़ि नहि जाय तैं दुनू हाथ सऽ पकड़ने छी। झाँट तेहन जोरगर छैक जे पानि टघरि कऽ सीट पर आबऽ लगलैक। सबहक कपड़ा नीचा सऽ भीजऽ लागल छैक। घाट आबि गेलैक। तिरपाल उघाड़ि लोग यात्री शेड दिस दौड़ऽ लागल अछि। एकटा सरदार रस्ता छेकने लाइफ जैकेट गरदनि सऽ निकालबाक प्रयासमे अपस्याँत अछि। जैकेट निकलिए ने रहल छैक। पत्नी आ हम पूरा तीत गेल छी। सरदार पर बड्ड तामस उठि रहल अछि। अंततः शेडमे अबैत छी। देह सऽ पानि चुबैत अछि; जाड़ भऽ रहल अछि। कोनो दोसर कपड़ा नहि अछि जे बदलि लेब।

आब मड भोलकेनो नहि जा सकब। सगरे थाल भऽ गेल हेतैक। पिछड़ि कऽ खसबाक डर अछि। आखिरी जहाज आ टैक्सी छुटबाक आशंका अछि। पोर्ट ब्लेयर नहि घूरि सकब। एत्तहि बरटंग के कोनो होटलमे राति बितबय पड़त।

मड भोलकेनो देखबाक आस तियागि दैत छी। जँ कहियो संजोग लागल तऽ फेर आयब। एतय सय दू सौ किलोमीटर दूर डिगलीपुर छैक। रस्तामे रंगत छैक, मायाबंदर छैक। मायाबंदर सऽ एकटा अखबारो

निकलैत छैक। केहन हेतैक रंगत, मायाबंदर आ डिगलीपुर? अनजान जगहक प्रति एकटा आकर्षण मनमे मोह जगा रहल अछि। रौद उगि गेलैक। शेड सऽ बाहर निकलि पकौड़ा खाइत छी, चाह पिबैत छी। कपड़ा धीरे-धीरे सूखि रहल अछि।

मिडिल स्ट्रेट सऽ गाड़ीक काफिला बेरूपहर चारि बजे विदा होइत छैक। ई आखिरी काफिला अछि। ओहू दिस सऽ एकटा काफिला अबैत हएत। तकर बाद सड़क निर्जन भऽ जायत। बचल रहत जारवा जे सुनैत छी राति कऽ सड़के पर रहैत अछि।

जारवा रिजर्व सऽ गुजरैत काल काफिला अचानक रुकि गेल अछि। साँझ पड़ल जाइत छैक। गाड़ी सभक एक कि दू किलोमीटर लंबा लाइन मे आशंका आ भय पसरि गेल अछि। की भेलै? काफिला किएक रुकि गेलै? सब जानय चाहैत अछि। कॉनभाय पुलिसमे खलबली मचि गेलैक। ओ सभ गाड़ीक भीतर रहबाक हिदायत दऽ रहल अछि। एकटा सरकारी बस खराब भऽ गेल छैक। पुलिस ओहि बसकें खाली करबैत अछि आ मोसाफिरकें दोसर बसमे चढ़बैत अछि। बसकें सड़क कातमे छोड़ि काफिला चलि पड़ल अछि। अन्हार पसरि गेल छैक। हम सभ अहू सऽ बेसी एकटा अंतहीन आदिम अन्हारमे जारवाकें छोड़ि चल जा रहल छी।

राति आठ बजे सर्किट हाउस पहुँचैत छी। पोर्ट ब्लेयर जगमगा रहल अछि। सर्चलाइट ब्लिंक करैत अछि आ एक क्षणक लेल समुद्र चमकि उठैत अछि।

पाँचम दिन

हैवलॉक आयलैंड। सुनैत छी एशियाक सब सऽ सुंदर समुद्रतट हैवलॉकमे छैक। पोर्ट ब्लेयर सऽ तीन घंटाक समुद्री यात्रा। अत्याधुनिक उपकरण आ सुख-सुविधा सऽ लैस मैक्रूज नामक जहाज टूरिस्टकें बेसी आकृष्ट करैत छैक। सरकारी बोट सस्त छैक, लेकिन ओतेक आरामदेह आ सुरक्षित नहि। हम सभ आठ बजे भोर मैक्रूजमे सवार होइत छी आ एगारह बजे हैवलॉक बंदरगाह पहुँचैत छी।

हैवलॉक उत्तर सऽ दच्छिनमे पसरल लंबा द्वीप अछि, चौड़ाइमे कम। पूर्वमे गोविंदनगर विजयनगर नामक लंबा तट अछि। तटक कातेकात

होटल, कॉटेज आ लॉज अछि। पच्छिममे प्रसिद्ध राधानगर तट छैक। इएह एशियाक सब सऽ सुंदर बीच छैक। दच्छिनमे काला पत्थर नामक बंगाली गाम छैक। टापूक बीचमे सुभ्यस्त बंगाली सभक बस्ती छैक—श्यामनगर। उत्तर-पच्छिममे कृष्णानगर छैक जतय हाथीकें प्रशिक्षित कयल जाइत छैक।

हम सभ खा-पी कऽ समुद्र तट दिस जाइत छी। हरेक होटल आ कॉटेज के सामने तट पर बेंतक कुरसी राखल छैक, छज्जा के शेड बनल छैक; हेमॉक टांगल छैक। हैवलॉकमे विदेशी टूरिस्ट बेसी छैक। तट पर लोग टहलि रहल अछि; किछु बेंतक कुरसी पर बैसि लहरक आनंद लऽ रहल अछि; किछु विदेशी महिला हेमॉक पर पड़ल-पड़ल किताब पढ़ि रहल अछि।

टैक्सी अयला पर हम सभ राधानगर जाइत छी। तट ठीके बहुत साफ आ सुंदर छैक। अहाँ बहुत दूर धरि समुद्रक भीतर जा कऽ नहा सकैत छी। एहिठामक बालू बहुत मेंही आ उज्जर छैक। समुद्रमे विलीन होइत अस्ताचल सूर्यकें देखब एतुक्का विशिष्ट अनुभव अछि।

एहिठाम दूटा अद्भुत चीज देखायल। एकटा तऽ उज्जर दपदप नान्हि-नान्हि टा पातर-पातर माछक हेंज पानि पर छड़पैत चल जाइत आ दोसर एकहक रत्ती चिड़ैक हेंज पानि सऽ सटि कऽ उड़ैत आ हवामे लहराइत। प्रकृतिक एहन छटा एहि सऽ पहिने नहि देखने छलहुँ। बाद मे देखलहुँ एकटा विदेशी जोड़ा आध घंटा धरि नन्हकी चिड़ैक फोटो खींचैत रहल। समुद्र तल पर हेंजमे उड़ान भरैत आ हवामे कलाबाजी करैत ओ चिड़ै जमीन पर उतरि जाइत छल। जतय उतरैत रहय से समुद्र सऽ निकलल पहक कछेर रहैक। ई पह ओकर सभक विश्राम स्थल रहैक। पहक कातमे फुदकैत आ अगिला उड़ानक तैयारी करैत डेढ़ कि दू इंचक चिड़ैकें देखब अपूर्व छल।

राधानगर तटक दछिनबरिया भागमे तीस-पैंतीस फीट ऊँच मचान छैक। मचान पर बैसि कऽ अहाँ बहुत दूर धरि समुद्र, जंगल आ पहाड़क विहंगावलोकन कऽ सकैत छी।

सूर्यकें समुद्रमे डूबैत नहि देखि सकलहुँ। सूर्यास्त सऽ पहिनहि मेघ लगा देलकै आ आध घंटा खूब तोड़गर बरखा होइत रहलैक। हम सभ



पड़ाकऽ तट पर बनल शेडमे शरण लेलहुँ।

छठम दिन

हैवलॉकमे आइ दोसर दिन अछि। राति ई सोचैत सूति गेलहुँ जे भोरे उठि सूर्योदय देखब। तट पर ठाढ़ भेल अहाँ समुद्र सऽ निकलैत सूर्य देखि सकैत छी। लेकिन सुयोग नहि लागल। आसमान मेघ सऽ भरल छल। बीच पर टहलैत रहलहुँ। बहुत गोटय टहलि रहल छल। तट सऽ कनेक हटि कऽ समुद्रक कतवाहिमे कतहु-कतहु चट्टान छैक। किछु माछ ओहि चट्टान सऽ सटल अछि। नील रंगक किंतु पारदर्शी समुद्री जलमे माछक हरकत दूरो सऽ देखा रहल छैक।

किछु लड़का स्कूबा डाइभिंग लेल बोट पर ऑक्सीजनक सिलिंडर लादि रहल अछि। अहूठामक कोरल रीफ दर्शनीय छैक।

हैवलॉक घुमबा लेल भाड़ा पर साइकिल आ मोटर साइकिल भेटैत छैक। हम आ संजय मोटर साइकिल लऽ कऽ दच्छिनी छोर पर बसल काला पत्थर जाइत छी। गामक दृश्यावली बहुत रमणीक आ सुंदर छैक। धानक खेत, आम-लतामक बेख, पोखरि, सजमनि आ झिंगाक लत्ती सऽ

भरल ई इलाका बंगाल आ मिथिला जकाँ लगैत अछि।

बस्ती सऽ घुरैत काल हम सभ काला पत्थर बीच पर रुकैत छी। एहिठाम बोच रहैत छैक। नहा नहि सकैत छी, मनाही छैक। सुनामीमे उखड़ल कैकटा विशाल गाछ अखनो ओहिना तट पर पड़ल छैक। हम सभ खसलहा गाछक दोग देने झुकि कऽ टपैत छी। दूटा बंगाली स्त्री चट्टान पर ठाढ़ भेल वंशी पाथने अछि। ब्रा आ पैंटी पहिरने विदेशी महिला मूड़ी गोंतने बालू पर बैसल अछि।

आब हम सभ श्यामनगर दिस जा रहल छी। कैकटा विदेशी महिला साइकिल पर चढ़ि टापूक भ्रमण कऽ रहल अछि। मोटर साइकिल सऽ अहाँ एक दिनमे पूरा टापू धांगि सकैत छी।

श्यामनगर समृद्ध बंगाली सभक छोट सन बस्ती अछि। बस्तीक मोड़ पर चाह-पान करैत ई नहि बुझायल जे मुख्य भूमि सऽ बहुत दूर कोनो टापू पर छी। एहिठाम सब किछु सस्त छैक। भरिसक स्थानीय लोकक बजार हेबाक कारणे।

गाड़ीमे किछु तेल बचल छैक। विचारैत छी जे भोरमे बंदरगाह सऽ काला पत्थर धरिक एक चक्कर लगायब।

राति नौ बजे अपन होटलक सामने वला तट पर जाइत छी। दू-चारि गोटय टहलि रहल छैक। शेडक पाछू एकटा युवक आ एकटा युवती कुर्सी-टेबुल लगा कऽ बैसल अछि। लैंप आ किछु मोमबत्ती जरि रहल छैक। प्लेटमे खाइवला वस्तु छैक। ओ दुनू पीबि रहल अछि आ हँसि-हँसि कऽ कोनो गप्प कऽ रहल अछि।

समुद्र अन्हारमे डूबल छैक। तटक रोशनीमे टूटैत लहरक धवल पाँति रहि-रहि कऽ चमकैत अछि।

अंतिम दिन

आइ भोरे एजेंट फोन कयलक। दूबजिया बोटमे जगह नहि छैक। नौबजियामे टिकट भेटि जायत। आइ पोर्ट ब्लेयर जायब जरूरी अछि। काल्हि आठ बजे भोरमे फ्लाइट अछि। रिस्क नहि लऽ सकैत छी। जलखइ कऽ कऽ हैवलॉक छोड़ऽ पड़त। ताहि सऽ पहिने मोटर साइकिल सऽ एक राउंड लगबैत छी। काला पत्थर बीच धरि पहुँचैत-पहुँचैत फूही

पड़ऽ लागल। फूहीमे भिजैत घूरि अयलहुँ। गाड़ी जमा कयल। होटल आबि कपड़ा फेरलहुँ। जलखइ कयल आ हैवलॉक बंदरगाह लेल विदा भऽ गेलहुँ।

पोर्ट ब्लेयर पहुँच कऽ देखैत छी बंदरगाहमे अन्नादुरै प्रतीक्षा कऽ रहल अछि। सर्किट हाउस पहुँचा कऽ चल गेल। फेर दू बजे आयल। कहलक चिड़िया टापू देखि सकैत छी। पैरोट आयलैंड। भऽ सकैत अछि इएह मयना द्वीप हो। माणिक बंदोपाध्याय के मयना द्वीप। पद्मानदीक माँझी के मयना द्वीप; मैथिलीमे रामलोचन ठाकुर जकर उत्कृष्ट अनुवाद कयने छथि। एक क्षणक लेल मयना द्वीपक प्रबल टान मनमे आयल। लेकिन मेघौन आ गुमकी छलै। बुझाइत रहै पानि पड़तै। मौसम देखि मनक टान आ उत्साह खतम भऽ गेल।

डिगलीपुर, मायाबंदर, रंगत, नील आयलैंड, मयना द्वीप–कतेको जगह आ कतेको चीज आब छुटि जायत। एक हफ्तामे सब किछु देखल नहि जा सकैत छैक। बस आइए राति भरि। काल्हि के बाद तऽ अंडमान सपना भऽ जायत।

मिथिला दर्शन, जुलाइ-अगस्त 2013 मे प्रकाशित













अंतिका प्रकाशन प्रा. लि.
सी-56/ यूजीएफ-4
शालीमार गार्डन, एक्सटेंशन-II
ग़ाज़ियाबाद-201005 (उ.प्र.)

ISBN 978-93-88799-16-4

